डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

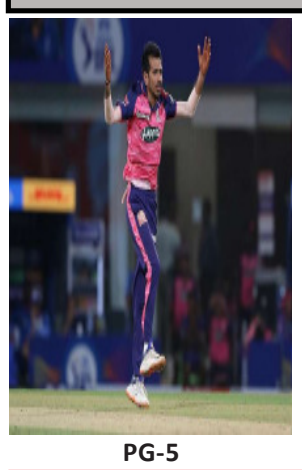

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाः एक नये सफर पर थॉर, देखिए मारवल स्टूडियो की फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर

वर्ष -08 अंक -42 | प्रयागराज, मंगलवार 19 अप्रैल, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण की चिंता है तो कपड़े कम खरीदिए

नई दिल्ली । फैशन और ट्रेंड के साथ तो सभी चलना चाहते हैं। बदलते फैशन के हिसाब से नए कपड़े और जूते का शौक भी खूब होता है लेकिन कभी सोचा है कि आपका यह फैशन पर्यावरण पर कितना भारी पड़ सकता है। आस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी आफ टेकनेलाजी सिडनी के शोधकर्ताओं समांथा शार्प, मोनिक रेटमल और टेलर ब्रिजेज ने इस संबंध एक रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट दिखाती है कि जलवायु परिवर्तन के खतरों से बचने के लिए फैशन पर लगाम कितनी जरूरी है। अगर कोई बड़ा बदलाव नहीं आया तो 2050 तक वैश्विक तापमान वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस तक रोकने के लिए अधिकतम जिस स्तर तक वैश्विक कार्बन उत्सर्जन रखने की बात है, उसका 25 प्रतिशत उत्सर्जन अकेले फैशन इंडस्ट्री से होगा। 40 प्रतिशत कम हो गया है किसी कपड़े को पहने जाने का औसत समय 35 प्रतिशत ज्यादा जमीन की आवश्यकता होगी 2030 तक फाइबर बनाने के लिए 75 प्रतिशत कम करनी होगी नए कपड़ों की खरीद, यदि जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटना है- संसाधनों के उपभोग पर विचार करने की जरूरत है।

सीबीआइ अब इंटरपोल के बाल शोषणरोधी डेटाबेस का हिस्सा, आरोपितों की जल्द हो सकेगी पहचान

नई दिल्ली। सीबीआइ अब इंटरपोल के अंतरराष्ट्रीय बाल यौन शोषण रोधी डेटाबेस से जुड़ गई है। इससे उसे बाल यौन शोषण के मामले में कार्रवाई करने में आसानी होगी। अत्याधुनिक एनालिटिक्स साफ्टवेयर के इस्तेमाल से आरोपितों की पहचान जल्द हो सकेगी। जांच एजेंसी विगत में 67 देशों की एजेंसियों के एक चुनिंदा समूह में शामिल हुई है, जो डेटाबेस से जुड़ी हैं। एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, इंटरनेट पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) डालने के आरोपितों और प्रसारित करने वालों से संबंधित इंटरपोल डेटाबेस विभिन्न देशों के मल्टी-मीडिया पर निर्भर करता है। इसका विश्लेषण विशेष 'तस्वीर तुलनात्मक साफ्टवेयर' के आधार पर किया जाता है, ताकि पीड़ित और आरोपित की तस्वीरों और वीडियो से पहचान की जा सके। एक बार जब यह जानकारी मिल जाती है तो सीबीआइ जैसी संस्थाएं स्थानीय कानून के अनुसार कार्रवाई करती है। इंटरपोल तंत्र सीएसएएम पर नजर रखने के साथ ही वित्तीय संस्थानों, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं और साफ्टवेयर डेवलपर्स से मदद लेता है। इंटरपोल की वेबसाइट के अनुसार, औसतन 27 लाख से अधिक तस्वीरों और वीडियो वाला डेटाबेस दुनियाभर में हर दिन सात पीड़ितों की पहचान करने में मदद करता है। इसमें 27,000 से अधिक पीड़ितों और 12,000 से अधिक आरोपितों की पहचान की गई है। यह साफ्टवेयर न केवल विभिन्न जांच अधिकारियों के बीच जानकारी साझा करने में मदद करता है, बल्कि समय भी बचाता है।सीबीआइ ने विगत वर्ष बाल शोषण में शामिल लोगों और सीएसएएम के वितरकों के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया था, जो पेटीएम के माध्यम से प्राप्त भुगतान के साथ 60 वीडियो के लिए सिर्फ 10 रुपये में इंटरनेट मीडिया पर अवैध सामग्री बेच रहे थे। आपरेशन कार्बन कोड नाम से एजेंसी ने 51 इंटरनेट मीडिया ग्रुप का पर्दाफाश किया था, जिसमें 5,700 आरोपित शामिल थे। इनके पास पांच लाख इंटरनेट मीडिया संदेश और 10 लाख संदिग्ध सीएसएएम वीडियो संदेश थे।

मनोज पांडे होंगे देश के नए सेना प्रमुख, कार्प्स आफ इंजीनियर ब्रांच के सेनाध्यक्ष बनने वाले पहले अफसर, जानें क्या होंगी चुनौतियां

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे देश के अगले थल सेना प्रमुख होंगे। केंद्र सरकार ने नए सेनाध्यक्ष के तौर पर उनकी नियुक्ति के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। वह इसी महीने 30 अप्रैल को रिटायर हो रहे सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की जगह एक मई को भारतीय सेना की कमान संभालेंगे। कई विशेष सैन्य आपरेशनों में हिस्सा ले चुके लेफ्टिनेंट जनरल पांडे इस समय देश के उप सेना प्रमुख हैं। सरकार ने नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति में इस बार वरिष्ठता की कसौटी का पालन करना मुनासिब समझा है और लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे वर्तमान शीर्षस्थ अधिकारियों में सबसे वरिष्ठ हैं। खास बात यह भी है कि वह सेना प्रमुख के पद पर पहुंचने वाले कर्प्स आफ इंजीनियर ब्रांच के पहले अफसर हैं। उप सेना प्रमुख बनने से पहले लेफ्टिनेंट जनरल पांडे पूर्वी कमान के कमांडिंग आफिसर और अंडमान-निकोबार कमान के कमांडर इन चीफ का पद भी संभाल चुके हैं। सेना के काबिल अफसरों में शुमार किए जाने वाले पांडे सेना में अपनी सेवाओं के लिए परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल आदि से सम्मानित किए जा चुके हैं।

पर्यावरण की चिंता है तो कपड़े कम खरीदिए, जानें जलवायु परिवर्तन के खतरों से बचने के लिए फैशन पर लगाम कितना जरूरी

नई दिल्ली। फैशन और ट्रेंड के साथ तो सभी चलना चाहते हैं। बदलते फैशन के हिसाब से नए कपड़े और जूते का शौक भी खूब होता है लेकिन कभी सोचा है कि आपका यह फैशन पर्यावरण पर कितना भारी पड़ सकता है। आस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी आफ टेकनेलाजी सिडनी के शोधकर्ताओं समांथा शार्प, मोनिक रेटमल और टेलर ब्रिजेज ने इस संबंध एक रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट दिखाती है कि जलवायु परिवर्तन के खतरों से बचने के लिए फैशन पर लगाम कितनी जरूरी है। अगर कोई बड़ा बदलाव नहीं आया तो 2050 तक वैश्विक तापमान वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस तक रोकने के लिए अधिकतम जिस स्तर तक वैश्विक कार्बन उत्सर्जन रखने की बात है, उसका 25 प्रतिशत उत्सर्जन अकेले फैशन इंडस्ट्री से होगा35 प्रतिशत ज्यादा जमीन की आवश्यकता होगी 2030 तक फाइबर बनाने के लिए- 75 प्रतिशत कम करनी होगी नए कपड़ों की खरीद, यदि जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटना है- संसाधनों के उपभोग पर विचार करने की जरूरत है। समाज के तौर पर हमें भी सोचना होगा कि जीने के लिए कितने कपड़े पर्याप्त है। कम कपड़े खरीदना और बहुत खास मौके पर प्रयोग वाले कपड़ों को किराए पर लेना भी अच्छा विकल्प है। फैशन में बदलाव की गति भी कम करनी होगी। नए ट्रेंड के पीछे भागने के बजाय सदाबहार स्टाइल को अपनाएं। बहुत ज्यादा कपड़ों के बजाय कम और अच्छी गुणवत्ता के कपड़े चुनें। कपड़ों की अदला-बदली को बढ़ावा दें। अपने दोस्तों एवं परिचितों में ऐसा करते हुए आप अपने वार्डरोब को नई स्टाइल के कपड़ों से सजाते रह सकते हैं। कुछ कंपनियां भी इस तरह के तरीके अपना रही है।कपड़ों का उत्पादन कम कर देने की राह बहुत आसान नहीं है। इस उद्योग से बहुत बड़ी संख्या में श्रम भी जुड़ा है। उस वर्ग के लिए वैकल्पिक व्यवस्था तैयार करना भी जरूरी होगा।

आजादी के गुमनाम नायकों को अब जानेगा पूरा देश, तेज होगी तलाश, केंद्र ने राज्यों को दिया खोज निकालने का लक्ष्य

नई दिल्ली। देश की आजादी के लिए मर-मिटने वाले वीर योद्धाओं और आंदोलनों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने वाले गुमनाम नायकों को अब पूरा देश जानेगा। आजादी के अमृत महोत्सव के इस पड़ाव में केंद्र सरकार ने देश भर से ऐसे गुमनाम नायकों को खोज निकालने की एक बड़ी मुहिम शुरू की है, जिन्हें या तो लोग भूल चुके है फिर आजादी में दिया गया उनका योगदान स्थानीय स्तर पर ही सिमटकर रह गया था। केंद्र ने सभी राज्यों से भी इस दिशा में बढ़ चढ़कर काम करने पर जोर दिया है। केंद्र सरकार की ओर से संस्कृति मंत्रालय ने सभी राज्यों को ऐसे एक लाख गुमनाम नायकों को खोज निकालने का लक्ष्य दिया है। साथ ही बताया है कि इस मुहिम के तहत अब तक देशभर से दो हजार नायकों को खोजकर निकाला जा चुका है। इनसे जुड़ी जानकारी को आजादी के अमृत महोत्सव के पोर्टल पर गुमनाम नायकों के नाम से प्रदर्शित की जा रही है। मंत्रालय के मुताबिक देशभर से ऐसे गुमनाम नायकों की पहचान के बाद इन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की भी मुहिम शुरू की जाएगी। साथ ही इनकी यादों को सहेजने की भी कोशिश की जाएगी। हालांकि, अभी इसका स्वरूप तय नहीं किया गया है। संस्कृति मंत्रालय फिलहाल राज्यों से मिल रही गुमनाम नायकों से जुड़ी जानकारियों की प्रामाणिकता को जांचने के बाद उन्हें तेजी से आजादी के अमृत महोत्सव पोर्टल पर अपलोड करने में जुटी है। इसके तहत उत्तर प्रदेश से अब तक 63 गुमनाम नायकों को अपलोड दिया गया है, जिसमें प्रतापगढ़ के पंडित मुनीश्वर दत्त उपाध्याय व जग्गी बाई हो या फिर प्रयागराज की दुर्गा भाभी हो। सभी शामिल है। इसी तरह से बिहार से 86 नायकों को अब तक राष्ट्रीय स्तर पर तैयार हो रही गुमनाम नायकों की सूची में शामिल किया गया है।

चीन के 40 नागरिक फर्जी तरीके से बन गए भारतीय कंपनियों के निदेशक, हो रही कड़ी कार्रवाई

मुंबई। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा (ईओडब्लू) ने 60 विदेशियों समेत 150 लोगों के खिलाफ फर्जीवाड़े के मामले में 34 प्राथमिकी दर्ज की हैं। इनमें चीन के 40 नागरिक समेत 60 विदेशी शामिल हैं। पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इन लोगों पर नई कंपनियों के पंजीकरण के नियमों का कथित तौर पर उल्लंघन कर धोखाधड़ी से भारतीय कंपनियों का निदेशक बनने का आरोप है। अधिकारी ने कहा कि प्राथमिकी एक से 15 अप्रैल के बीच दर्ज की गई थीं। मंगलवार तक चार और प्राथमिकी दर्ज की जाएंगा जिन 60 विदेशियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं, उनमें 40 चीन और बाकी सिंगापुर, ब्रिटेन, ताइवान, अमेरिका, साइप्रस, संयुक्त अरब अमीरात और दक्षिण कोरिया के हैं। ईओडब्लूयू के एक अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपितों ने मुंबई में आरओसी (कंपनियों के रजिस्ट्रार) को गलत जानकारी दी थी। कुछ मामलों में कंपनियों के पते गलत पाए गए। 34 प्राथमिकी में 30 से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), 30 कंपनी सचिव (सीएस) और कंपनियों के निदेशकों के भी नाम हैं। आरओसी, मुंबई द्वारा दायर शिकायतों के अनुसार, विदेशी नागरिक फर्जीवाड़ा कर भारतीय कंपनियों में निदेशक और मालिक बन गए। कंपनी अधिनियम की धारा 447 (धोखाधड़ी) के साथ आपराधिक साजिश और आपराधिक विश्वासघात के लिए भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। ये शिकायतें मरीन ड्राइव थाने में दर्ज कराई गईं।

सरकार ने जैश कमांडर नेंगरू को घोषित किया आतंकी

नई दिल्ली। प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मुहम्मद (जेईएम) के कमांडर आशिक अहमद नेंगरू को केंद्र सरकार ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर में विभिन्न आतंकवादी घटनाओं में शामिल होने के लिए आतंकवादी घोषित किया। पिछले एक पखवारे में नेंगरू पांचवां ऐसा व्यक्ति है जिसे केंद्र ने आतंकवादी घोषित किया है। एक अधिसूचना में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि नेंगरू, जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों में शामिल रहा है। वह केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न आतंकी घटनाओं को अंजाम देने का भी जिम्मेदार है। मंत्रालय ने कहा कि नेंगरू (34) कश्मीर में एक आतंकी सिंडिकेट चला रहा है। वह जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाने के खतरनाक अभियान में लगा हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि भारत की सुरक्षा के लिए नेंगरू को खतरे के रूप में देखा जा रहा है। आतंकी कृत्यों से रोकने के लिए उसे गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) के प्रविधानों के तहत एक आतंकवादी के रूप में नामित किया गया है। 20 नवंबर 1987 को जन्मा नेंगरू जम्मू-कश्मीर के पुलवामा का रहने वाला है। उसका भाई अब्बास अहमद नेंगरू, जैश ए मुहम्मद का एक सक्रिय आतंकवादी था। वह 2013 में मारा गया था।

आम्रपाली के हजारों घर खरीदारों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, लोन अकाउंट को एनपीए करने पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट कंपनी आम्रपाली समूह की विभिन्न रिहायशी परियोजनाओं में फ्लैट बुक कराने वाले हजारों को खरीदारों को बड़ी राहत दी है। शीर्ष अदालत ने बैंकों को निर्देश दिया है कि लोन नहीं चुकाने वाले खरीदारों के लोन अकाउंट को एनपीए घोषित नहीं करें और न ही उन पर कोई पेनाल्टी लगाएं।शीर्ष अदालत ने कहा कि फ्लैट पर कब्जा मिलने तक खरीदारों को ईएमआइ का भुगतान भी नहीं करना होगा। बैंक कर्ज की मूल रकम और उस पर ब्याज के हकदार होंगे। मौजूदा मामले में फ्लैट खरीदारों, आम्रपाली समूह की कंपनियों और बैंकों के बीच एक योजना (सबवेंशन) पर समझौता हुआ था। इसके मुताबिक फ्लैट पर कब्जा मिलने तक खरीदारों को कोई ईएमआइ नहीं देनी थी। इस योजना के तहत करीब 10,000 लोगों ने फ्लैट खरीदे हैं। लेकिन आम्रपाली समूह की तरफ से की गई चूक के चलते वे फ्लैट मिले बिना ही ईएमआइ का भुगतान करने की देनदारी से परेशान थे।

साइबर स्पेस में कोई भी खतरा हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को करता है प्रभावित: अजीत डोभाल

नई दिल्ली। अजीत डोभाल ने सोमवार को कहा कि साइबर स्पेस में कोई भी खतरा देश की सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को सीधे तौर पर प्रभावित करता है, इसलिए भारत को अपने साइबर स्पेस की रक्षा करनी चाहिए। सरकार के वरिष्ठ प्रबंधन और तकनीकी कर्मचारियों को समकालीन साइबर खतरों और साइबर घटनाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय साइबर अभ्यास (एनसीएक्स) के उद्घाटन के मौके पर उन्होंने यह बात कही। अजीत डोभाल ने कहा कि देश में डिजिटल क्रांति हो रही है। बड़ी संख्या में डिजिटल सेवाओं के शुभारंभ के साथ सरकार, साइबर सुरक्षा किसी भी सफल डिजिटल बदलाव की नींव बनी हुई है और डिजिटल दुनिया के लिए कोई भी खतरा देश को कई तरह से प्रभावित कर सकता है। एनसीएक्स को 18 से 29 अप्रैल तक सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) के सहयोग से भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद (डीएससीआई) के साथ मिलकर रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा समर्थित ज्ञान भागीदार के रूप में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए मंच साइबरएक्सर टेकनेलॉजीज द्वारा प्रदान किया जा रहा है, जो एक एस्टोनियाई साइबर सुरक्षा कंपनी है जिसे विश्व स्तर पर कई बड़े पैमाने पर साइबर अभ्यास आयोजित करने के लिए मान्यता प्राप्त है। एनएससीएस के एक अधिकारी ने कहा कि 140 से अधिक अधिकारियों को रणनीतिक अभ्यासों के साथ प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रतिभागियों को विभिन्न प्रमुख साइबर सुरक्षा क्षेत्रों जैसे घुसपैठ का पता लगाने की तकनीक, मैलवेयर सूचना साझाकरण प्लेटफॉर्म (एमआईएसपी), भेद्यता प्रबंधन और प्रवेश परीक्षण, नेटवर्क प्रोटोकॉल और डेटा प्रवाह, और डिजिटल फोरेंसिक पर प्रशिक्षित किया जाएगा। एनसीएक्स इंडिया रणनीतिक नेताओं को साइबर खतरों को बेहतर ढंग से समझने, तैयारी का आकलन करने और साइबर संकट प्रबंधन और सहयोग के लिए कौशल विकसित करने में मदद करेगा। इससे साइबर सुरक्षा कौशल, टीम वर्क, योजना, संचार, महत्वपूर्ण सोच और निर्णय लेने के विकास और परीक्षण में भी मदद मिलेगी।

प्रयागराज के लेटे हनुमान मंदिर में अब कोई भूखा नहीं रहेगा मंदिर प्रबंधन की अनोखी पहल

प्रयागराज। जी हां, यह वही प्राचीन, ऐतिहासिक और करोड़ों लोगों की आस्था केंद्र लेटे हनुमान मंदिर है। प्रयागराज में त्रिवेणी संगम स्थित बांध पर लेटे हनुमान जी का भव्य मंदिर स्थित है। प्रत्येक 12 वर्षों में लगने वाले कुंभ मेला, प्रत्येक छह वर्ष में लगने वाले अर्धकुंभ मेला और प्रतिवर्ष संगम की रेती पर लगने वाले माघमेला लगता है। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन संगम में करोड़ों श्रद्धालु स्नान करने देश-विदेश से आते हैं। नगर देवता के रूप में विद्यमान हनुमान जी का दर्शन भी जरूर आते हैं। वैसे इस मंदिर में वर्ष भर भक्तों की भीड़ जुटी रहती है। अब बांध स्थित लेटे हनुमान जी के दरबार में कोई संत, श्रद्धालु व भिक्षुक भूखा नहीं सोएंगे। मंदिर प्रबंधन प्रतिदिन सबके खाने का प्रबंध करेगा। रात का भोजन मंदिर प्रबंधन की ओर से वितरित किया जाएगा। अलग-अलग दिन सब्जी-पूड़ी, सब्जी-रोटी, तहरी के साथ मंदिर में चढने वाला लड्डू वितरित किया जाएगा। इसकी वृहद शुरुआत शनिवार की शाम से होगी। भोजन व प्रसाद का प्रतिदिन वितरण होने से संगम तट पर अस्थि विसर्जन, सनन व पूजन के लिए रात में आने वाले श्रद्धालुओं को सहुलियत मिलेगी। अभी तक बांध के नीचे उनके रुकने व खाने-पीने का उचित प्रबंध नहीं है। इसे देखते हुए श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी के पीठाधीश्वर श्रीमहंत बलवीर गिरि के निर्देशन में भोजन की व्यवस्था हो रही है। मंदिर के व्यवस्थापक अमर गिरि के अनुसार अभी कुछ संतों व मंदिर के पास के भिक्षुकों को भोजन दिया जाता है। अब उसका स्वरूप वृहद करते हुए प्रतिदिन सात सौ से एक हजार लोगों के खाने का प्रबंध किया जाएगा। मंगलवार व शनिवार को दो से तीन हजार लोगों के खाने का प्रबंध होगा। साथ ही मंदिर परिसर में बाहरी लोगों के रात रुकने की छूट होगी। उनके लिए भजन-कीर्तन का प्रबंध भी किया जाएगा। त्रिवेणी बांध स्थित लेटे हनुमान मंदिर में कोरोना संक्रमण के प्रभाव का खात्मा करने, राष्ट्र की शांति, सुख-समृद्धि की संकल्पना साकार करने के लिए आयोजित सुंदरकांड पाठ का समापन हुआ।

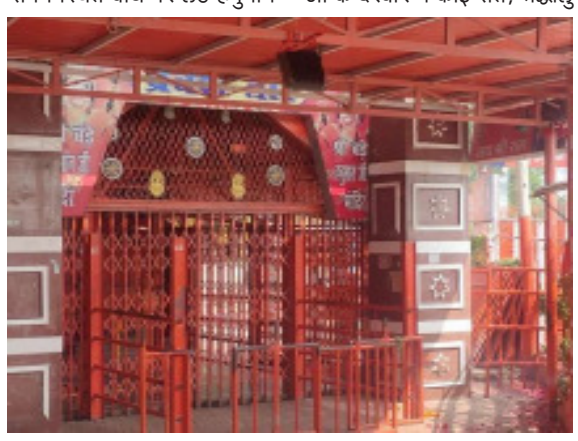

प्रयागराज में कोरोना संक्रमण के चार केस, चौथी लहर जल्द आने की आहट

प्रयागराज। कोरोना की चौथी लहर भी आ रही है, देश के दूसरे राज्यों में मिल रहे संक्रमण के केस से आसार अब कुछ ऐसे ही बन रहे हैं। प्रयागराज में काफी दिनों रही राहत के बाद एक बार फिर संक्रमण की शुरुआत ने स्वास्थ्य विभाग को तैयारी के लिए सक्रिय कर दिया है। संक्रमण के चार नए केस मिले हैं। इसी के साथ जिले में संक्रमित लोगों की मौजूदा संख्या 11 हो गई है। इनमें फिलहाल एक संक्रमित व्यक्ति स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय के कोविड वार्ड में भर्ती है। कोरोना के संक्रमितों को भर्ती कर इलाज के लिए अभी केवल स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) अस्पताल में एक वार्ड सक्रिय रखा गया है। जबकि इसमें करीब 1000 लोगों को भर्ती करने की क्षमता है। यहां का कोविड वार्ड लेवल थ्री है यानी इसमें गंभीर रोगी ही भर्ती किए जाते हैं। विशेषज्ञों से मिली रिपोर्ट के आधार पर शासन ने सभी अस्पतालों को अलर्ट रहने के लिए कह दिया है इससे कोरोना से होने वाली मुश्किलों का सामना करने के लिए जिले वासियों को तैयार रहना होगा। स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना संक्रमण बढ़ने की आशंका के चलते कोविड जांच का दायरा बढ़ा दिया है। मोबाइल टीमों के द्वारा, अस्पतालों के माध्यम से और मेडिकल चौराहा स्थित जांच केंद्र में बुधवार को 5139 लोगों के सैंपल लिए गए। सैंपल को माइक्रोबायोलाजी लैब भेजा गया है। कोरोना के नए वैरिएंट एक्सई की देश में एंट्री के बाद वैज्ञानिकों ने इसकी क्षमता का आंकलन पहले ही कर लिया गया है। कहा गया है कि नया वैरिएंट ज्यादा खतरनाक नहीं है लेकिन सभी को इससे सतर्क तो रहना ही होगा। स्वास्थ्य विभाग ने किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए आक्सीजन उत्पादन प्लांट व सिलिंडर बैकअप की ओवरहालिंग शुरू कर दी है। स्वरूपरान नेहरू चिकित्सालय, बेली, काल्विन अस्पताल, जिला महिला चिकित्सालय यानी डफरिन अस्पताल और कुछ प्राइवेट अस्पतालों में भी आक्सीजन उत्पादन प्लांट लगे हैं जिन्हें सक्रिय रखने के लिए समय-समय पर चालू करके निरीक्षण किया जा रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. नानक सरन कहते हैं कि कोरोना संक्रमण इधर बीच बढ़ा है, इससे घबराने की नहीं बल्कि स्वयं कोविड से बचने के लिए पहले सुझाए गए नियमों का पालन करते रहने की जरूरत है। कहा कि एसआरएन में कोविड वार्ड तैयार है जरूरत पड़ी तो वार्ड का दायरा बढ़ाते हुए दूसरे अस्पतालों में भी इंतजाम किए जाएंगे।

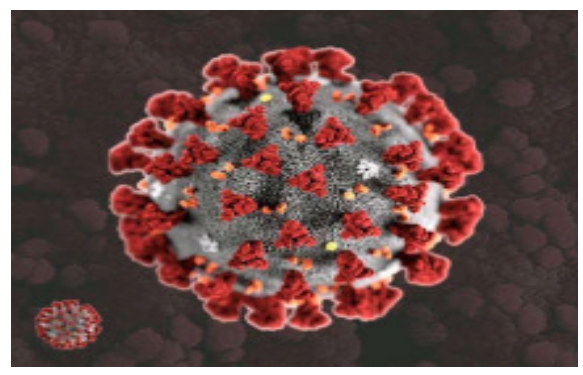

भाजपा का दलित राजनीति पर एक और कदम, स्कूलों में बताएंगे अनुसूचित जाति के उत्थान की योजनाएं

प्रयागराज। भाजपा इन दिनों सामाजिक न्याय पखवाड़ा मना रही है। इसके तहत विविध आयोजन किए जा रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि अंत्योदय को आदर्श वाक्य मानकर सरकार की प्रमुख योजनाओं का प्रचार प्रसार करें। इसी क्रम में एससी स्कूल आउट रीच कार्यक्रम चलाया जा रहा है। प्रत्येक मंडल के कम से कम एक विद्यालय में पार्टी के पदाधिकारी जन प्रतिनिधियों के साथ जाकर अनुसूचित जाती के उत्थान का पाठ पढ़ाएंगे। कोशिश होगी कि वह स्कूल दलित बाहुल्य हो। वहां फल, स्टेशनरी व अन्य जरूरत के सामान भी बांटे जाएंगे। प्रार्थना सभा में ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन और उपलब्धियों को भी बताया जाएगा। इसके बाद विद्यार्थियों के लिए दोनों महापुरुषों से संबंधित प्रशनेत्तरी, निबंध और भाषण प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। इससे विद्यार्थिय्यों का ज्ञानवर्धन तो होगा, साथ ही रुचि के साथ प्रतियोगिता में भी सहभागिता करेंगे। इसी अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता दलित बस्तियों का भी दौरा करेंगे। वहां ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई से संबंधित पर्चे भी बांटेंगे। जगह जगह कार्यक्रम आयोजित कर दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण भी किया जाएगा। युवा मोर्चा के पदाधिकारियों को एससी छात्रावासों में पहुंचकर दोनों महापुरुषों द्वारा समाज के उत्थान के लिए किए गए कार्योको भी बताना है। भाजपा यमुनापार प्रवक्ता दिलीप चतुर्वेदी ने बताया कि सात से 20 अप्रैल तक सामाजिक न्याय पखवाड़ा पार्टी मना रही है। सभी क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय प्रभारी, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी व सभी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्षों को प्रदेश कार्यालय लखनऊ की तरफ से पत्र जारी किया गया है। इसमें पखवाड़ा की गतिविधियों का उल्लेख है। उसी के अनुसार पार्टी और मोर्चा के पदाधिकारी इन दिनों यमुनापार के स्कूलों में स्थानीय जन प्रतिनिधियों को लेकर जा रहे हैं।

हत्याकांड में मंत्री पुत्र की जमानत खारिज होना ऐतिहासिक फैसला, बोले कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी

प्रयागराज। सीडब्लूयूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के पुत्र आशीष मिश्र की लखीमपुर खीरी किसान हत्याकांड में जमानत खारिज किए जाने के फैसले को ऐतिहासिक निणय्य करार दिया है। लालगंज कैंप कार्यालय पर सोमवार को प्रेस वार्ता में प्रमोद तिवारी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि यूपी सरकार ने इस घटनाचक्र की पैरवी में समस्त तथ्यों से न तो अदालत को अवगत कराया था और न ही सीबीआइ को ही समुचित जानकारी दी थी। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के पुत्र की जमानत खारिज होने के बाद अविलंब केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर देना चाहिए। पीएम और गृह मंत्री के सामने अब यह स्पष्ट हो गया है कि गृह राज्य मंत्री अजय ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए इस प्रकरण में न्यायोचित पैरवी नहीं होने दी। वहीं कांग्रेस नेता ने हाल ही में लोकसभा के उप चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा को पश्चिम बंगाल व छत्तीसगढ़ समेत तीन राज्यों में मिली शिकस्त को मंहगाई को लेकर देश की जनता का मोदी सरकार के खिलाफ गुस्से का इजहार ठहराया। इसके पहले प्रमोद तिवारी ने उदयपुर, देउम पूरब, पूरे भगवानदीन, कोठा नेवढ़िया, पूरे नरायनदास, कटेहटी में लोगों से मुलाकात कर रामपुरखास में विधायक मोना द्वारा संचालित करायी जा रही विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग मांगा। इस मौके पर सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह, भगवती प्रसाद तिवारी, रामबोध शुक्ल, ललुन सिंह, अरविंद सिंह, सुरेंद्र सिंह, पवन शुक्ल, इरफान हुसैन आदि रहे।

उप राज्यपाल मनोज सिन्हा प्रयागराज में बोले- अमरनाथ यात्रियों की होगी पुख्ता सुरक्षा

प्रयागराज। जम्मू और कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा बुधवार को प्रयागराज पहुंचे। उनका सर्किट हाउस में इलाहाबाद की भाजपा सांसद डा. रीता बहुगुणा जोशी, भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केशरवानी ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद सर्किट हाउस में गार्डआफ आनर दिया गया। उपराज्यपाल ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ कुछ देर वार्ता भी की। उन्होंने जम्मू और कश्मीर के हालात की जानकारी देते हुए कहा कि अब घाटी में माहौल सुधर रहा है। आम लोगों को मूलभूत सुविधाएं भी पहले से अधिक मिल रही हैं। अमरनाथ यात्रा पर आने वाले लोगों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। जंक्शन पर पहुंचने के बाद सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी स्थानीय सरकार की है। निडर होकर लोग आएं, सभी का स्वागत है। उम्मीद है कि इस बार करीब आठ लाख लोग बाबा के दर्शन करेंगे। उपराज्यपाल एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। उनसे मिलने वालों में शशिवार्ष्णेय, अभिषेक शुक्ला, राजेश केशरवानी आदि शामिल रहे। प्रयागराज : भाजपा इन दिनों सामाजिक न्याय पखवाड़ा मना रही है। महिला मोर्चा की तरफ से आंगनबाड़ी केंद्र नार्थ मलाका व बैरहना में संगठन के पदाधिकारियों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्रम भेटकर सम्मानित किया। इस मौके पर महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री डा. कीर्तिका अग्रवाल ने केंद्र के बच्चों और महिलाओं को पोषण संबंधी जानकारी दी। कहा कि हम सब अपनी दिनचर्या में पौष्टिक भोजन लें तो कई बीमारियों से स्वतः बच जाएंगे। इस दौरान प्रिया कैथवास, चंद्रा अहूलवालिया, सूर्य कांत त्रिपाठी, किरन सिहं, ममता सिंह आदि मौजूद रहीं। प्रयागराज : भाजपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नेता मो. अशरफ सिद्दीकी की तरफ से धूमनगंज के हरवारा में रोजा इफ्तार कराया गया। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। खास बात यह कि हिंदू समाज के लोग भी इस आयोजन का हिस्सा बने। सभी ने सामाजिक सौहार्द बनाए रखने पर बल दिया। कहा कि कोई भी पर्व भेदभाव नहीं सिखाता। हम सब को आपस में एक दूसरे के रीति रिवाजों का सम्मान करना चाहिए। इस मौके पर मोहम्मद अतहर, मो. राइस, आमिर हवारा, परवेज अख्तर आदि मौजूद रहे।

ओवैसी के बड़े भाई हैं आजम खान, पार्टी में आए तो स्वागत

प्रयागराज। आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन (एआइएमआइएम) के प्रदेश प्रवक्ता मोहम्मद फरहान ने सपा नेता आजम खान को पार्टी में शामिल होने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने शनिवार को जेल में बंद आजम खान को चिट्ठी लिखकर सपा मुखिया अखिलेश यादव पर सवाल किया है। लिखा है कि अखिलेश यादव नहीं चाहते कि आप (आजम खान) जेल से बाहर आएं। आपकी रिहाई के लिए उन्होंने एक बार भी सड़क से संसद तक लड़ाई नहीं लड़ी। अखिलेश यादव मुस्लिमों के हमदर्द नहीं है। क्योंकि अगर आपकी हत्या होती है तो वह भाजपा को ही दोषी बताएंगे। आपकी फोटो लगाकर मुस्लिमों से वोट मांगेंगे। फरहान ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असुउद्दीन ओवैसी आजम खान को अपना बड़ा भाई मानते हैं। अगर आजम खान पार्टी में शामिल होते है तो वह सर्वेसर्वा रहेंगे। आप दोनों एक साथ होंगे तो सपा और भाजपा का उत्तर प्रदेश से खात्मा तय है। कहा कि वह प्रदेश प्रवक्ता है और इसलिए चिट्ठी भेजकर आजम खान को पार्टी में आने का न्यौता दिया है। 26 माह से आजम खान जेल में बंद हैं। इस दौरान वह अस्पताल में भी रहे, लेकिन अखिलेश यादव उनको देखने एक भी बार अस्पताल और जेल नहीं गए। चिट्ठी में यह भी लिखा है कि मुख्यमंत्री योगी से चुनाव से पहले सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने कहा था कि विधानसभा चुनाव तक आजम खान को जेल में ही रहने दें। इससे साफ होता है कि सपा ने आजम खान के पूरे परिवार के राजनीतिक कद को बढ़ने नहीं दिया। चिट्ठी में प्रदेश प्रवक्ता ने लिखा कि अखिलेश का बस नहीं चला, अन्यथा आजम खान और उनके परिवार की हत्या तक करवा देते। सपा ने भाजपा की नजर में आजम को दुश्मन बना दिया। एआइएमआइएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने कहा कि पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मोहम्मद फरहान ने जो पत्र लिखा है वह उनकी निजी राय है। पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि शौकत अली यह भी जोड़ते है कि यदि सपा नेता आजम खान पार्टी में शामिल होना चाहते है तो उनका हम स्वागत करेंगे।

प्रतापगढ़ में अक्षय प्रताप सिंह पांचवीं बार जीते, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी थे

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में हुए एमएलसी चुनाव की मतगणना समाप्त हो चुकी है। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी अक्षय प्रताप सिंह चुनाव जीत गए है। अक्षय प्रताप सिंह ने 1721 मत पाकर 1107 वोटो से जीत दर्ज की है। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी हरि प्रताप सिंह को 614 मत मिले है। जबकि तीसरे स्थान पर रहे सपा प्रत्याशी विजय यादव को 380 मत मिले है। अक्षय प्रताप सिंह ने लगातार पांचवीं बार इस सीट पर जीत दर्ज की है। मतगणना सकुशल ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है।मतगणना विकास भवन के सामने अफीम कोठी हाल में हो रही है। यहीं पर चुनाव के बाद मतपेटिकाएं रखी गई थी। छह टेबल पर वोट गिने जा रहे है जबकि सातवीं टेबल आरओ की है। एक टेबल पर चार कर्मी तैनात किए गए है। यह सब तकनीकी जानकार कर्मी हैं। इनमें गणना पर्यवेक्षक, गणना सहायक व अभिलेखाकार समेत अन्य हैं। विधान परिषद चुनाव में इस बार किसकी होगी जीत, कौन होगा पराजित आज 12 अप्रैल की शाम तक स्पष्ट हो जाएगा। हर उम्मीदवार सात-सात एजेंट यहां पर तैनात कर सकेंगे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित
ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 30 अप्रैल 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर की वीडियोग्राफी पर रोक की अर्जी पर बहस पूरी, फैसला 26 अप्रैल को

वाराणसी । ज्ञानवापी परिसर स्थित मां श्रृंगार गौरी की प्रतिदिन पूजा-अर्चना करने व परिसर स्थित अन्य देवी-देवताओं के विग्रहों के बारे में वस्तुस्थिति जानने के लिए अदालत द्वारा नियुक्त एडवोकेट कमिशन्र की ओर से प्रस्तावित कार्यवाही रोकने के लिए जिला प्रशासन की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर बुधवार को सिविल जज (सी डि) रवि कुमार दिवाकर की अदालत में पक्षकारों की बहस पूरी हो गई। अदालत ने बहस सुनने के पश्चात फैसला सुरक्षित कर लिया और आदेश के लिए 26 अप्रैल की तिथि मुकर्रर कर दी। इस मामले में गत सोमवार को अदालत से अनुरोध किया गया था कि परिसर की वीडियोग्राफी से भविष्य में खतरे की आशंका है, इसलिए ऐसा न कराया जाए। प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया था कि चूंकि यह मामला अति संवेदनशील है और इससे कानून व्यवस्था भी जुड़ी है, इसलिए इस पर शीघ्र सुनवाई की जाए। अदालत ने इस प्रार्थना पत्र पर वादी पक्ष से आपत्ति मांगते हुए 20 अप्रैल को सुनवाई के लिए तिथि निर्धारित की थी। सुनवाई के दौरान प्रशासन की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता महेंद्र पांडेय ने प्रार्थना पत्र में उल्लेखित तथ्यों को अदालत के समक्ष रखा। इस पर वादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी ने दलील दी कि अदालत ने आठ अप्रैल को अधिवक्ता कमिशन्र अजय कुमार को उभय पक्षों की मौजूदगी में पूरी कार्यवाही का विडियोग्राफी करवाकर उसकी पूरी रिपोर्ट 20 अप्रैल को प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। वकील कमिशन्र द्वारा कमीशन कार्रवाई के लिए 19 अप्रैल की सूचना प्रशासन को दी गई। वैसे ही इसे स्थगित करने के लिए 18 अप्रैल को अदालत के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। वादी पक्ष की दलील थी कि कमीशन की कार्रवाई का उद्देश्य मौके पर कोई कब्जा करना नही अलबत्ता मां श्रृंगार गौरी की मंदिर से जुड़े साक्ष्य को अदालत के समक्ष लाना है। वादी पक्ष ने कमीशन की कार्रवाई पूरी कराने की अदालत से अपील की। सुनवाई के दौरान अंजुमन इंतजामिया मसाजिद की ओर से अधिवक्ताओं ने भी अपना पक्ष रखा। नई दिल्ली निवासी राखी सिंह, लक्ष्मी देवी, सीता शाहू, मंजू व्यास व रेखा पाठक की तरफ से 18 अगस्त 2021 को सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में वाद दाखिल किया गया था। वाद में कहा गया है कि भक्तों को मां श्रृंगार गौरी के दैनिक दर्शन-पूजन एवं अन्य अनुष्ठान करने की अनुमति देने के साथ ही परिसर में स्थित भगवान गणेश, हनुमान, नंदी जी एवं अन्य देवताओं के विग्रहों को सुरक्षित रखा जाए। वाद में कहा गया है कि ज्ञानवापी परिसर में कथित मस्जिद की पश्चिम दीवार के पीछे प्राचीन काल से मौजूद देवी मां श्रृंगार गौरी की छवि है।

वाराणसी में रोपवे के एलाइनमेंट और तकनीकी फिजिबिलिटी का दोबारा परीक्षण, परियोजना को व्यावसायिक नजरिए से समृद्ध करने पर मंथन

वाराणसी । विकास कार्यों को लेकर प्रदेश सरकार के 100 दिनी दृढ़ संकल्प ने शहर में प्रस्तावित रोपवे परियोजना को संजीवनी दे दी है। करने वाले अफसर बिंदुवार समाधान की दिशा में बढ़ चले हैं। वीडीए उपाध्यक्ष ईशा दुहन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक

बीते पांच महीने से निविदा की तिथियों को बढ़ाते हुए रोपवे को धरातल पर उतारने के लिए वाराणसी विकास प्राधिकरण की ओर से जो कागजी कवायद हो रही थी उसे गति मिली है। सरकार के सख्त इरादे ने अफसरों के माथे पर बल ला दिया है। परिणाम भी सामने आने लगा है। कंपनियों ने निवेश व आय को लेकर जो आपत्तियां की थीं उसे अनदेखी में तय हुआ कि रोपवे के एलाइनमेंट व तकनीकी फिजिबिलिटी का दोबारा परीक्षण किया जाएगा ताकि वर्तमान परिस्थितियों में वित्तीय रूप से परियोजना को उपयोगी बनाया जा सके। साथ ही परियोजना को व्यावसायिक नजरिए से समृद्ध करने के लिए इंटीग्रेटेड प्रस्ताव पर भी मंथन शुरू हो गया है। वीडीए की ओर से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर क्रियान्वयन के लिए रोपवे का प्रस्ताव तैयार किया गया है। कैंट रेलवे स्टेशन से गिरजाघर चौराहे तक पायलट प्रोजेक्ट बनाया गया है। इस परियोजना के लिए बीते वर्ष नवंबर माह में निविदा आमंत्रित की गई थी। इसमें कई बार समय वृद्धि करते हुए अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2022 निर्धारित की गई थी लेकिन सुझावों को अनसुनी करने की वजह से कोई भी कंपनियां सामने नहीं आई। वहीं, मंगलवार को लखनऊ में हुई कैबिनेट की बैठक में वाराणसी रोपवे को लेकर 100 दिनी लक्ष्य तय करते हुए सरकार ने मंशा साफ कर दी जिसके बाद अति सक्रिय हुआ वीडीए ने कागजी घोड़े को गति देते हुए धरातल की ओर कदम बढ़ाया। रोपवे के एलाइनमेंट व तकनीकी फिजिबिलिटी का दोबारा परीक्षण करने के लिए परियोजना के कंसलटेंट मैसर्स वाप्कोस लिमिटेड के अतिरिक्त अन्य कंसल्टेंट से भी परियोजना की फिजिबिलिटी के लिए आवश्यक संशोधन के संबंध में मंथन शुरू हुआ।

गाजीपुर में इंटरमीडिएट की छात्रा संग अश्लीलता और अपहरण का प्रयास, गांव से पुलिस ने बरामद किया

गाजीपुर। सुहवल थाना अंतर्गत गांव गौरा में सोमवार देर शाम करीब आठ बजे घर से दुकान जा रही किशोरी से पांच युवकों ने छेड़छाड़ और अपहरण का प्रयास किया। इस मामले में पुलिस ने सोमवार की ही देर रात्रि बगल के ही पांच मनबढ़ों के खिलाफ पाक्सो एक्ट,

छेडखानी आदि अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने किशोरी को गांव से ही बरामद भी कर लिया है। वहीं मुकदमा दर्ज होने के बाद सभी आरोपित फरार हो गए। इधर पुलिस ने उन्हें दबोचने के लिए उनके ठिकानों पर दबिश दे रही है, मगर मंगलवार की सुबह तक सफलता अभी तक नहीं मिल सकी थी। थाना क्षेत्र अन्तर्गत एक गांव निवासी इंटर की छात्रा घर के ही एक छोटे भाई संग सोमवार की शाम आठ बजे अपने घर से दुकान समान लेने जा रही थी। किशोरी अपने घर से कुछ आगे बढी थी कि सुनसान जगह पाकर गांव के ही पांच मनबढ युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। किशोरी ने रास्ते से हटने को कहा तो इसी बीच मनबढ युवक किशोरी को साथ ले जाने के साथ ही उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगे। इस दौरान छोटे भाई ने बहन को छुडाने की कोशिश की। शोर सुनकर व पकडे जाने के डर से किशोरी के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग खड़े हुए। यह देख किशोरी का भाई रोते बिलखते व शोर मचाते हुए अपने घर पहुंचा। छात्रा के भाई ने परिजनों को पूरे घटना क्रम की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद परिजनों और गांव में हडकंम्प मच गया है। आननफानन में इसकी सूचना थाना पुलिस को दी। तुरंत पुलिस इस मामले में जांच में जूट गई है। इस घटनाक्रम के बाद किशोरी के पिता ने गांव के ही पांच युवकों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है, जिसके आधार पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया।

संकटमोचन संगीत समारोह : मित्रमंडली में चली बात काशी के सबसे विराट सांगीतिक महोत्सव के रूप में ढली

वाराणसी। मित्रमंडली की गल्प गोष्ठी में चली कोई बात यदि कल्पना के खांचे में उतर जाए, पुख्ता इरादों में ढल जाए तो लगन और धुन की कठिन कसौटियों पर कसकर इसे याथार्थ के रूप में जमीन पर उतारना असंभव तो कतई नहीं रह जाता। आज न केवल काशी और भारत, अपितु सात समुंदर पार के संगीत रसिकों के मन में सांगीतिक महाकुंभ के रूप में प्रतिष्ठित संकटमोचन संगीत समारोह भी रेशमी अहसास वाली एक ऐसी ही सोच के साकार होने की कहानी है। लगभग सौ साल पहले चार संगीत साधक मित्रों के हाथ से रोपे गए एक बिरवे के घनेरे वटवृक्ष के रूप में हुए असीम विस्तार का कथ्य प्रवाह है, जिसमें काशीकेयी दर्शन का ठहराव और गंगा की लहरों की रवानी है। कोई तीन दशक पहले शेष स्मृति तबला सम्राट पद्म विभूषण पं. किशन महाराज की जुबानी सुनी इस कहानी के अनुसार बात है 19वीं सदी के पूर्वाद्ध की। पंडित जी द्वारा सुनाई गई सपाट बयानी शैली वाली इस कथा की शुरुआत होती है काशी के सांगीतिक बस्ती कबीरचौरा स्थित उनके ही घर से। घर की खटर-पटर से छूटी कोई बात किशन महाराज के मन में चुभ गई और रिसियाए पंडित जी ने अपने तबले की जोड़ी के साथ सीधे राह पकड़ ली संकटमोचन मंदिर की। वहां उनकी भेंट हुई अभिन्न मित्र महंत अमरनाथ मिश्र जी से। पहले तो महंत जी ने प्रसाद के लड्डू के साथ आंजनेय तीर्थ के पवित्र कूप का शीतल जल पीलाकर उनके ताप का माप कुछ नरम किया। घर वापसी को समझाया-बुझाया, फिर भी बात न बनी तो तुरत-फुरत में मित्र के कोप प्रवास का सारा इंतजाम भी करवाया। पखावज वादन के महारथी महंत अमरनाथ जी के दो अन्य मित्र धुरंधर तबला वादक कविराज पंडित आशुतोष भट्टाचार्य (आशु बाबू) व बेजोड़ सरोद वादक पंडित ज्योतिन भट्टाचार्य भी प्रायः हर दिन ही संकटमोचन मंदिर आया करते और कला का रास रंग सजाया करते थे। मंडली जब चौकड़ हुई तो रंग गोष्ठी ने ताल-वाद्य कचहरी का रूप ले लिया। मंदिर परिसर सरोवर का घाट हर शाम ही इस लघु सांगीतिक गोष्ठी से मनसायन होने लगा। दो-चार गवैये भी जुटे तो सुरताल के साथ ज्ञानियों के अग्रगण्य आंजनेय प्रभु की महिमा का गायन भी होने लगा। पंडित किशन महराज के कहे के अनुसार महंत अमरनाथ जी के मन मस्तिष्क में यही से एक कल्पना टुकड़े-टुकड़े आकार लेने लगी। यह सही है कि इस कल्पना को याथार्थ का धरातल देने में चार चौरासी जतन करने पड़े, परंतु मित्रों के शहकार की बदौलत अंततः सन 1923 में पहले पहल हनुमत लला की ड्योढ़ी पर एक व्यवस्थित संगीत समारोह का श्रीगणेश हो ही गया। शुरुआत में सम्मेलन में अधिकतर प्रस्तुतियां स्थानीय कलाकारों की ही थीं। आगे चलकर शेष स्मृति महंत वीरभद्र मिश्र के प्रयासों से देश के दिग्गज कलाकार मारुति नंदन के श्रीचरणों में हाजिरी बजाने लगे, प्रतिफल में यशकीर्ति का शिखर मिला तो स्वयं आग्रह कर संकटमोचन बाबा की सेवा में कला प्रस्तुतियों के पुष्प चढ़ाने लगे।

महज 17 फीसद में बची एंटीबाडी, वैरियंट पर निर्भर करेगी लहर की ताकत

वाराणसी । क्या कोविड की चौथी लहर की जमीन तैयार हो रही है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के विज्ञानियों द्वारा किए गए सीरो सर्वे की रिपोर्ट देखें तो ऐसी ही संभावना बनती दिखाई दे रही है। सर्वे में पता चला है कि 46 फीसद लोगों में कोविड के विरुद्ध बनी एंटीबाडी कम हो रही है। 30 फीसद में तो यह पूरी तरह खत्म मिली। महज 17 फीसद लोगों में पूरी तरह से सक्रिय पाई गई। सात फीसद लोगों में स्तर औसत पाया गया। हालात यही रहे तो चौथी लहर आने में एक माह से ज्यादा का समय नहीं लगेगा। प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे और युवा विज्ञानी रुद्र पांडेय, प्रज्ज्वल प्रताप सिंह समेत उनके 15 शोध छात्रों की टीम पूरे पूर्वांचल में सीरो सर्विलांस कर रही है। इसमें वाराणसी से 22 से लेकर 50 वर्ष तक के 100 लोगों का सैंपल लिया गया। जिनमें लगभग 90 फीसद लोग वैक्सीनेटेड हैं। इसका मतलब कि वैक्सीन से मिली अर्जित प्रतिरक्षण शक्ति भी इनमें काफी कम है। हैरानी यह कि इनमें 50 फीसदी से अधिक युवा शामिल हैं। युवा विज्ञानी रुद्र पांडेय बताते हैं कि वैरियंट की ताकत पर भी चौथी लहर का प्रभाव निर्भर करेगा। जिनको वैक्सीन की डबल डोज लग चुकी है, उन्हें बहुत खतरा नहीं है। वरिष्ठ विज्ञानी प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे कहते हैं कि अभी यह सर्वे रिपोर्ट बहुत छोटे नमूने पर है। हमारी टीम पूरे पूर्वांचल में सर्वे कर रही है। व्यापक स्तर पर परिणाम देखने के बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचना ठीक होगा लेकिन बनारस में लोगों की इम्युनिटी घटने की बात हैरान करने वाली है। इसके कारणों की खोज की जाएगी। वैक्सीन के बूस्टर डोज के बारे में भी विचार करना होगा। यह भी तय है कि अगर चौथी लहर आई भी तो बहुत खतरनाक नहीं होगी। क्योंकि पहले कोविड से संक्रमित हो चुके लोगों और वैक्सीनेटेड लोगों की कोशिका मेमोरी में प्रतिरक्षण की डिजाइन मौजूद है। संक्रमण का असर होते वह सक्रिय हो जाएगी और कोविड प्रभावी नहीं होगा। जिनमें एंटीबाडी नहीं मिली, वह लोग छह महीने पहले वैक्सीन लगवाए थे।

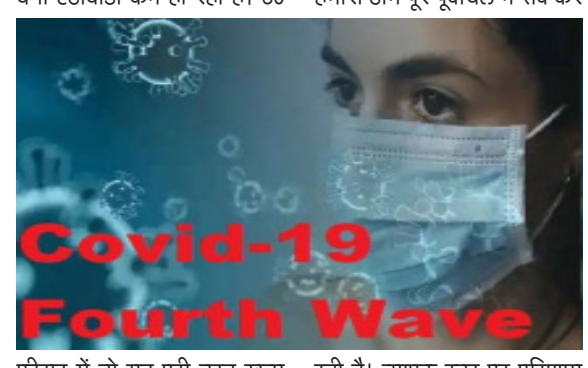

वाराणसी के बेड़े में शामिल होंगी 25 और ई-बस, सेवा को मोबाइल एप से जोड़ने की होगी कवायद

वाराणसी । स्मार्ट सिटी के तहत संचालित ई - बस की संख्या में बढ़ोतरी होगी। दूसरे फेज की 25 गाडियां जून के अंतिम सप्ताह अथवा जुलाई से पहले आ जाएंगी। सम्पूर्ण महानगर में संचालित इस सेवा का लाभ मोबाइल एप पर भी मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से जारी सौ दिन की कायर्योजना में इसे प्रमुखता से शामिल किया गया है। नए रूटों का निर्धारण भी किया जा रहा है। स्थानीय वीसीटीएसएल (वाराणसी सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड) तैयारियों में जुट गया है। नगरीय परिवहन निदेशालय की ओर से संचालित इलेक्ट्रिक बस की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। वायु प्रदूषण कम करने व पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य सड़कों पर उतरी इन बसों के लिए अब प्रचार प्रसार करने की जरूरत नहीं। वातानुकूलित होने के कारण सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में दूसरे वाहनों के बजाय इलेक्ट्रिक बस को यात्री प्राथमिकता दे रहे हैं। इलेक्ट्रिक बस में यात्रियों की सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम होंगे। अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों को कमांड कंट्रोल से जोड़ दिया जाएगा। वाराणसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड की निगरानी में बसों का संचालन किया जाएगा। अंदर लगे पैनिक बटन, वीटीएस और सीसीटीवी कैमरे काम करने लगेंगे। इस दिशा में वीसीटीएसएल (वाराणसी सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड) की तरफ से कवायद शुरू हो गई है। अंदर लगे सुरक्षा उपकरण अतिशीघ्र सक्रिय हो जायेंगे। घटना से चंद मिनटों के अंदर पुलिस आ जाएगी। इस दिशा में कवायद शुरू हो गई है, वीसीटीएसएल ने सुरक्षा उपकरणों को कमांड कंट्रोल से जोड़ने के बाबत स्मार्ट सिटी लिमिटेड को पत्र लिखा है। इनमें मिर्जामुराद - कैंट - बाबतपुर वाया मोहनसराय, मिर्जामुराद- लंका - कैंट - सिंधौरा वाया मोहनसराय, मिर्जामुराद - जंसा - कैंट - लंका वाया राजातालाब और मिर्जामुराद - कैंट - सारनाथ वाया अखरी व बीएलडब्लूयू रूट शामिल हैं। दूसरे चरण 25 और नई ई - बसे आ रही है। इन्हे विभिनन क्षेत्रों में चलाने के लिए यातायात विभाग से अनुमति मांगी गई है। नए रूट निर्धारण करने को लेकर मंथन जारी है। शहर में वाहनों का अत्याधिक दबाव होने से वीसीटीएसएल को कोई रास्ता नहीं सूझ रहा। कुछ दिनों पहले सामनेघाट ब्रिज पर लगे यातायात पुलिस के बैरियर से वीसीटीएसएल को अपना कदम पीछे खींचना पड़ा। वाराणसी सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड ने रामनगर और चौबेपुर रूट पर इलेक्ट्रिक बस चलाने का ऐलान किया था। रामनगर सेवा को लंका - सामने घाट ब्रिज से चलाने की योजना बनाई गई थी। इसकी भनक लगते ही एक दिन पूर्व यातायात पुलिस विभाग की तरफ से ब्रिज पर बैरियर लगा दिया गया।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ छात्रसंघ के तीन पदों पर विद्यार्थी परिषद को मिली जीत

वाराणसी । कड़ी सुरक्षा व गहमागहमी के बीच मंगलवार महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर शशि प्रकाश चंदन, उपाध्यक्ष पद पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के शिवजनक गुप्त व पुस्तकालय मंत्री पद पर एबीवीपी के शुभम कुमार पाल निर्वाचित घोषित हुए हैं। वहीं महामंत्री एबीवीपी के अभिषेक सोनकर व भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआइ) के प्रभु पटेल को 1426-1426 बराबर बराबर मत मिले। लिंगदोह समिति के नियमानुसार वरिष्ठता के आधार पर अभिषेक को देर रात महामंत्री निर्वाचित घोषित किया गया। परिणाम घोषित होते ही प्रभु के आंखों में पानी आ गया। वहीं प्रभु के समर्थकों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद छात्र का हुजूम परिसर के वापस गया। मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. आरपी सिंह के मुताबिक अध्यक्ष पद पर शशि प्रकाश ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी प्रियेशु को महज 52 मतों के अंतर से पराजित किया। शशि प्रकाश को 1212 व प्रियेशु को 1160 मत मिले। दोनों ही निर्दल प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े थे। उपाध्यक्ष पद पर शिवजनक गुप्ता ने 1582 मत पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रविंद्र कुमार सिंह शानदार 953 मतों के अंतर से पटकनी दी। रविंद्र महज 629 पाकर संतोष करना पड़ा। पुस्तकालय मंत्री पद पर शुभम ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राछासं के दीपक कुमार 471 मतों से पराजित किया। शुभम 1368 व दीपक को 897 मत मिले। इस बार समाजवादी छात्रसभा (सछास) से अपना पैनल नहीं घोषित किया था।

तीन दिवसीय वाराणसी यात्रा पर पहुंचे मारीशस के प्रधानमंत्री, पिता की अस्थि गंगा में करेंगे विसर्जित

वाराणसी । मारीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगननाथ तीन दिवसीय काशी यात्रा पर बुधवार को शाम सवा छह बजे लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट, बाबतपुर पर उतरे। कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, महापौर मृदुला जायसवाल ने स्वागत किया। वहीं बाबतपुर एयरपोर्ट से होटल ताज गंगेज तक भव्य स्वागत बच्चों, कलाकारों व जनप्रतिनिधियों ने किया। जगह जगह मारीशस के प्रधानमंत्री व उनकी पत्नी कविता जगन्नाथ के बड़े बडे पोस्टर लगाए गए हैं तो वहीं दोनों देश के झंडे भी। एयरपोर्ट पर बेसिक स्कूलों के सैकड़ों बच्चों ने दोनों देश का झंडा हवा में लहराकर अभिवादन किया तो वहीं जनप्रतिनिधियों ने हरहर महादेव के उदघोष से मारीशस के प्रधानमंत्री का स्वागत किया। कई स्थानों पर फूल भी बरसाए गए तो वहीं कलाकारों ने भारतीय संस्कृति अपनी कला से प्रदर्शित किया। विमान से उतरने के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री अनिल

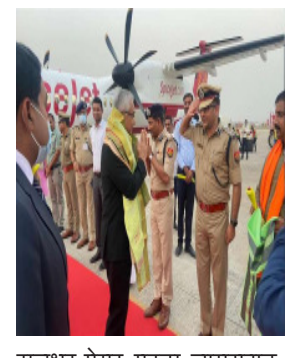

राजभर,मेयर मृदुला जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, विधायक डाक्टर अवधेश सिंह, भाजपा प्रोटोकाल टीम मेंबर शैलेश पांडेय, आयुक्त दीपक अग्रवाल, जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा, आईजी के. सत्यनारायण, एसपी ग्रामीण अमित वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रोटोकाल बच्चू सिंह, एस डी एम पिंडरा राजीव राय, कार्यवाहक एयरपोर्ट निदेशक विनोद कुमार, सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मारीशस के प्रधानमंत्री को साढ़े चार बजे ही आना था लेकिन कतिपय कारणों से विमान के आने में देरी हुई। लगभग डेढ घंटा देर से पहुंचे मारीशस के पीएम के स्वागत के लिए लोग सड़कों पर डटे रहे। प्रोटोकाल मुताबिक मारीशस के पीएम बाबतपुर एयरपोर्ट से कार से होटल ताज गंगेज आएंगे। रात्रि प्रवास के बाद अगले दिन सुबह 8.30 बजे दशाश्वमेध घाट जाएंगे और अपने पिता मारीशस के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अनिरूद्ध जगननथ के अस्थि कलश को गंगा में विसर्जित करेंगे। इसके बाद होटल आ जाएंगे। शाम पांच बजे श्रीकाशी विश्वनाथ धाम जाएंगे। अगले दिन 22 अप्रैल को सुबह 9.30 बजे से दस बजे तक राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व सुबह दस बजे से साढ़े दस बजे तक सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद कार से लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट, बाबतपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

सेहत के मेले में 8804 लोगों को मिला लाभ

आजमगढ़ । जिले के चार ब्लाकों लालगंज, तरवां, महराजगंज और रानी की सराय ब्लाकों में बुधवार को स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इसमें 8804 लोग लाभान्वित हुए। 155 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। तरवां : तरवां ब्लाक परिसर में लगे स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह ने फीता काटकर किया। मेले में बाल

विकास परियोजना, युवा कल्याण, कृषि, शिक्षा, पंचायती राज, स्वास्थ्य विभाग ने अलग-अलग स्टाल लगाया था। मुख्य अतिथि ने बाल विकास परियोजना के स्टाल पर पहुंचकर गर्भवती नीलम की गोद भराई में सामान भेंट कर किया। छह माह के कृष्णा को मीठा खिलाकर अनन्प्राशन कराया। उसके बाद बारी-बारी से सभी विभागों के स्टाल का अवलोकन किया। अंत में मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य मेले के आयोजन से क्षेत्र की जनता को काफी लाभ मिलता है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी लालगंज एसएन त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी इंद्र नारायण तिवारी, परियोजना अधिकारी आरएन सिंह, पूर्ति निरीक्षक मिथिलेश कुमार, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एके चौधरी, एके सिंह आदि उपस्थित रहे लालगंज : श्री कृष्ण गीता राष्ट्रीय इंटर कालेज परिसर में ब्लाक स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह व सीएमओ इंद्रनारायण तिवारी ने फीता काटकर किया। मेले में मरीजों का पंजीकरण, दवा वितरण, आयुष्मान भारत कार्ड भी बनाया गया। बाल विकास परियोजना विभाग की ओर से पोषण स्टाल लगाकर बालिकाओं की लंबाई की माप व वजन किया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सुरेंद्र नारायण त्रिपाठी, डाक्टर एसके सिंह, बीडीओ राजन राय, प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार सिंह, पर्यवेक्षक ज्ञानेंद्र राय, अभिनव सिह थे। महराजगंज : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज परिसर में बुधवार को ब्लाक स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र राय ने फीता काटकर किया। मेले में आयुष विभाग के साथ शिक्षा, महिला एवं बाल विकास आदि विभागों की ओर से स्टाल लगाया गया था। मेले में कुल 2459 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। संचालन चिकित्सा अधीक्षक डा. प्रवीण चौधरी ने किया।

नगर में आज भक्तों ने भगवा ध्वज के साथ निकली शोभायात्रा

निशान यात्रा में हाथों में भगवा ध्वज लिए शामिल हुए हनुमान भक्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

रॉबर्ट्सगंज (सोनभद्र)। जिला मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज के मेन रोड पर स्थित अवतार उपवन के हनुमान मंदिर द्वारा हनुमान जन्म उत्सव के उपलक्ष में दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में रविवार को कार्यक्रम के दूसरे दिन हनुमान मंदिर द्वारा भव्य निशान यात्रा निर्मल कुमार केडिया के नेतृत्व में शीतला मंदिर चौराहे से निकाला गया। जिसमें की हनुमान भक्त हाथों में भगवा ध्वज लिए जय श्री राम हनुमान के जयकारा लगाते हुए चल रहे थे तो वही यात्रा में बैंड बाजे की धुन पर युवक युवतिया थिरक रहे थे। यह निशान यात्रा शीतला मंदिर चौराहे से प्रारंभ हुई और नगर का भ्रमण करते हुए अवतार उपवन में स्थित हनुमान मंदिर पर जाकर संपन्न हुई। जहां पर बजरंगबली की भव्य आरती अनूज केडिया व हरीकिशोर केडिया द्वारा की गई और उपस्थित सभी भक्तजनों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया इसके पश्चात बधाई उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें की सुप्रसिद्ध गायक संजीव शर्मा व उनके टीम द्वारा हनुमान जन्म उत्सव से संबंधित एक से बढ़कर एक भजनों को गाया गया। जिसे सुनकर भक्त झूम उठे। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं को हनुमान जन्म उत्सव का प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक निर्मल केडिया, अनुज केडिया, हरिकिशोर केडिया, विजय जैन, दीपक कुमार केसरवानी, संगम गुप्ता, शिखर केडिया, संकल्प, तरुण, राघव, अंजू केडिया, सीमा, दीप्ति, साची बजाज, निताची अग्रवाल, स्तुति केडिया, सुमित्रा देवी सहित आदि श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

ग्राम सभा सुकृत, तकिया व लोहरा में सीनियर सिटीजन हेल्पलाइन -14567 के बारे में बुजुर्गो को किया जाएगा जागरूक, फल का भी होगा वितरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्विनी कुमार ठाकुर

सोनभद्र । जनपद सोनभद्र के करमा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा सुकृत, तकिया व लोहरा में प्राथमिक विद्यालय पर सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट के सौजन्य से कल दिनांक 18 अप्रैल 2022 को समय दोपहर लगभग 2 बजे से 4 बजे तक सीनियर सिटीजन हेल्पलाइन 14567 के फील्ड रिस्पांस ऑफिसर सोनभद्र अभिषेक पाठक के द्वारा बुजुर्गो को जागरूक किया जायेगा ताकि बुजुर्गो को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े तथा सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट की तरफ से बुजुर्गों में फल का वितरण भी किया जाएगा। श्री पाठक ने परिजनों से अपील किया है कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बुजुर्गो को प्राथमिक विद्यालय पर समय से लाने व ले जाने में सहयोग करें तथा बुजुर्गो को मिलने वाली योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करें। उपरोक्त जानकारीसोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम विश्वकर्मा ने दी।

भजन संध्या में झूमे भक्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

रॉबर्ट्सगंज (सोनभद्र)। हनुमान जन्म उत्सव के अवसर पर शनिवार को सीएमओ ऑफिस के पास स्थित संकट मोचन मंदिर पर पुजारी राजकुमार पांडे के संयोजकत्व देर शाम भव्य भजन संध्या का आयोजन कराया गया। जिसमें की पूर्वांचल के सुप्रसिद्ध भजन गायक सूरज गुप्ता, और वाराणसी से पधारे गायक छोटू शुक्ला एवं गायिका निशा मल्होत्रा ने बजरंगबली के एक से बढ़कर एक भजनों को गाया। जिसे सुनकर वहां उपस्थित भक्त जय श्री राम जय बजरंगबली के नारे लगाते हुए झूमने लगे। भजन गायकों के साथ आर्गन पर नागेंद्र दुबे, ढोलक पर प्रिंस व रोहित, पैड पर शानु ने संगत किया। वही जय मां गायत्री झांकी रूप द्वारा प्रो0 आकाश गुप्ता के नेतृत्व में मां काली, भोलेनाथ के पात्र में बने कलाकारों द्वारा भव्य झांकियां प्रस्तुत की गई। इसके पूर्व संकट मोचन मंदिर के पुजारी राजकुमार पांडे द्वारा द्वारा शाम 7:00 बजे श्री बजरंगबली की जन्म उत्सव आरती भव्यता के साथ की गई। जिसमें की भारी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। वही मंदिर प्रांगण में लक्ष्मण केसरी के संयोजन में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें कि सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मंदिर के व्यवस्थापक डूंगरमल अग्रवाल, सचिन जयसवाल, गया प्रसाद सिंह, संतोष कुमार सिंह, दिनेश शुक्ला, संतोष चौबे, अजीत शुक्ला, शिवा पांडे, आत्माराम पांडे दीपू केसरी, अभिषेक सिंह, राहुल केसरी, लक्ष्मण, निखिल चौबे, दादे चौबे, सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

धीमी गति से क्रय केंद्रों पर किसानों से गेहूं खरीद

जमालपुर (मीरजापुर) । किसानों की गेहूं खरीद के लिए बनाए गए साधन सहकारी समितियों पर धीमी गति से गेहूं खरीद की जा रही है। मठना साधन सहकारी समिति पर सोमवार को किसान रामपोश कौवासाथ एवं कृष्णानंद तिवारी महोगनी का गेहूं तौल किया जा रहा था। क्रय केंद्र पर 23 किसानों से अब तक 687 क्विटल गेहूं खरीद किया जा चुका है। कुल 237 किसानों ने गेहूं विक्रय के लिए पंजीकरण कराया है। क्रय केंद्र पर अब तक मात्र दो हजार बोरा उपलब्ध कराया गया है। किसानों से खरीद किए गए गेहूं का उठान अब तक नहीं कराया गया है। जयपट्टी साधन सहकारी समिति पर अब तक 12 किसानों से 589

क्विटंल गेहूं खरीद किया जा चुका है। कुल 103 किसानों ने गेहूं विक्रय के लिए पंजीकरण कराया है। ओड़ी साधन सहकारी समिति पर 11 किसानों से 487 क्विटल गेहूं खरीद किया जा चुका है। क्रय केंद्र पर कुल 407 किसानों ने गेहूं विक्रय के लिए पंजीकरण कराया है। क्षेत्रीय किसानों ने विभागीय उच्चाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराकर क्रय केंद्रों पर बोरे की उपलब्धता सुनिश्चित कराने व गेहूं खरीद तीव्र गति से कराने की मांग की। एडीओ कोआपरेटिव कृष्ण मुरारी त्रिपाठी ने बताया कि गेहूं खरीद में तेजी लाने के लिए प्रभारियों को डोर-टू-डोर जाकर किसानों से संपर्क करने को निर्देशित किया गया है ताकि गेहूं खरीद तीव्र गति से हो सके। एक दिन में एक सेंटर पर अधिकतम 250 क्विटल गेहूं खरीद किया जाना है।

यातायात नियमों का करें पालन, सुरक्षित बनाएं अपना जीवन

मीरजापुर । प्रत्येक व्यक्ति सड़क पर चलते समय यातायात नियमों का पालन करें और अपना जीवन सुरक्षित बनाएं। सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करें। यह बात नगर विधायक रतनकर मिश्र ने संभागीय परिवहन कार्यालय में चतुर्थ सड़क सुरक्षा सप्ताह करेगा। आरटीओ प्रशासन संजय कुमार तिवारी ने सड़क सुरक्षा से संबंधित विशेष जानकारी दी। एआरटीओ प्रवर्तन द्वितीय दल विजय प्रकाश सिंह ने चतुर्थ सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी। एआरटीओ प्रवर्तन विवेक शुक्ल ने कहा कि यदि हम

कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद कही। कहा कि कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। जिले में 18 से 24 अप्रैल तक सड़क सुरक्षा सप्ताह चलाया जाएगा। लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई। इसके बाद विधायक ने सड़क सुरक्षा प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आरटीओ प्रवर्तन राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति चलाया जा रहा है। यह कार्यक्रम पूरे जनपद में लोगों को जागरूक यातायात नियमों के अनुसार अपने वाहनों का संचालन करें तो निश्चित रूप से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। सड़क सुरक्षा महाभियान का उद्देश्य पुलिस, परिवहन, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग सहित स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लेकर जनमानस को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। एआरएम हरिशंकर पांडेय, वीके सिंह, यात्रीकर अधिकारी राम सागर, आशीष श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए।

डीएम के निरीक्षण में सिचाई विभाग में 47 तो लोक निर्माण में चार कर्मी मिले अनुपस्थित

मीरजापुर । जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने मंगलवार को सुबह दस बजे सिचाई विभाग तो लगभग साढ़े दस बजे लोक निर्माण विभाग के कार्यालयों का निरीक्षण किया। सिचाई विभाग में निरीक्षण के दौरान अधिशाषी अभियंता वैभव कार्यालय में अनुपस्थित मिले। डीएम के पहुंचने के लगभग 10 मिनट बाद कार्यालय पहुंचे। सिचाई कार्यालय के विभिनन्-खंड कार्यालयों के उपस्थिति रजिस्टर के निरीक्षण में कुल 47 कार्मिक अनुपस्थित मिले। कार्मिकों के अनुपस्थित रहने पर अधिशाषी अभियंता सिचाई को कड़ी चेतावनी दी। कहा कि स्वयं समय से कार्यालय में उपस्थित रहने के साथ ही अन्य कर्मचारियों को भी समय से अनुपस्थित रहना सुनिश्चित कराएं। अनुपस्थित कार्मिकों का एक दिन का वेतन रोकने एवं स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश दिया। कहा कि आगे से निरीक्षण में अनुपस्थित मिलने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। कार्मिक एमसीडी खंड की पूनम श्रीवास्तव, सियाराम, सुरेंद्र प्रसाद, अजय कुमार, जानकी देवी, शशिधर द्विवेदी, अवनीश कुमार, विशाल सोनकर, सौरभ कुमार दूबे, सुरेश कुमार, राहुल कुमार सिंह, शैलेंद्र कुमार सिंह, अजय कुमार, राजेंद्र प्रसाद, सरजू प्रसाद शर्मा, अशोक, शिवलता मिश्रा, राम विलास, विद्यावती एवं विनोद कुमार सहित कुल 20 कर्मचारी अनुपस्थित रहे। सिरसी खंड में विजय कुमार, विनोद कुमार तिवारी, शिवपूजन बिद, राम अवध मिश्रा, सुमित कुमार, कृष्णानंद यादव, अभय जल संशाधन (डब्लुआर) खंड में कुल आठ कर्मचारी अनुपस्थि मिले। कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के सीट पर रखा तौलिया व टेबल काफी गंदा पाया गया, जिसे जिलाधिकारी द्वारा तौलिया को तत्काल हटवाते हुए टेबल व

शेवड़े, रवि कुमार, रोहित कुमार तथा मोनू कुल 10 कर्मचारी, आईडी खंड चुनार में अरविद कुमार, दिनेश कुमार, राजेश कुमार, अनिल कुमार गौड़, सीमा दास, कालिदी सिंह, अमित कुमार, रमेश कुमार दूबे तथा रमेश कुमार सहित कुल 09 कर्मचारी अनुपस्थित रहे। इसमें अनिल कुमार गौड़ एवं रमेश कुमार दूबे 18 व 19 अप्रैल 2022 दोनों दिन अनुपस्थित थे। इसी प्रकार कार्यालय की साफ सफाई कराने का निर्देश दिया। इसके बाद जिलाधिकारी लोक निर्माण कार्यालय पहुंचे। यहां अधिशाषी अभियंता मिथलेश कुमार कार्यालय में उपस्थित रहे। प्रांतीय खंड में रमेश कुमार पासवान अनुपस्थित मिले। पीएमजीएसवाई में अक्षयवर, राम कुमार चौरसिया तथा किशोरी देवी अनुपस्थित रहे। लोक निर्माण विभाग में कुल चार कर्मचारी मिले।

जिला अधिवेशन संपन्न हुआ

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्विनी कुमार ठाकुर

सोनभद्र । पत्रकार बंधुओ से बात करते हुए विद्युत् मजदूर संगठन रेणु सागर के अध्यक्ष मनोज कान्दू (मद्धेशिया)ने बताया कि आज भारतीय मजदूर संघ का जिला अधिवेशन उत्तर प्रदेश विद्युत मजदूर संघ के प्रांतीय कैंप कार्यालय सेक्टर 8 ओबरा में संपनन् हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में प्रदेश महामंत्री माननीय अनिल कुमार उपाध्याय जी उत्तर प्रदेश, कानपुर से चलकर के आए एवं विभाग प्रमुख मिर्जापुर बी डी विश्वकर्मा जी, चुनाव अधिकारी के रूप में प्रदेश मंत्री अरुण कुमार दुबे जी उपस्थित रहे उत्तर प्रदेश विद्युत मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री शशिकांत श्रीवास्तव उपरोक्त सभी पदाधिकारी मंचासीन रहे , कार्यक्रम की अध्यक्षता धुरंधरशर्मा जी ने किया कार्यक्रम का संचालन जिलामहामंत्री श्री दशारम यादव जी ने किया कार्यक्रम का शुरुआत मुख्य अतिथि ने भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक श्रद्धेय दन्तोपन्त ठेंगड़ी जी भारत माता एवं विश्वकर्मा जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर के किया गया इसके बाद जिला ङसंरक्षक मंडल यूपी राय धुरंधर शर्मा शशि भूषण मल्ल, अध्यक्ष सदानंद उपाध्यायय, कार्यकारी अध्यक्ष शशिकांत बस उपाध्यक्ष शशिकांत सिंह डाला संजय गुप्ता बीनाजिला महामंत्री दशाराम यादव संयुक्त मंत्री अंजनी कुमार राय रेणुकूट रीना भारती आश्रम मोड़ रोहित सिंह का क्रीम कोषाध्यक्ष विगनेश्वर शर्मा संगठन मंत्री अशोक कुमार उपाध्याय रामप्रसाद ओबरा कार्यालय मंत्री मनोज कुमार विश्वकर्मा रेणुकूट संतोष कुमार डाला कार्यकारिणी सदस्य सकल नारायण यादव खडिया गुड्डू तिवारी बीना रमेश पाल रेणुकूट राधिका मारकुंडी गणेश राम रेनू सागर एसएन पाठक एनटीपीसी बिजपुर मयंक तिवारी बिना सुरेश चतुर्वेदी पवन कुमार शर्मा का करें संजीव दुबे ओबरा शंभू सिंह का करी,की घोषणा हुई पूरे जिले के मजदूरों को उम्मीद है गई है कि अब हमारा शोषण नहीं होगा जिला अधिवेशन में जिले की सभी रजिस्टर्ड यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित रहे एनसीएल से मनोज सिंह महामंत्री, रेनू सागर पावर डिवीजन से ,मंत्री राममिलन, उपाध्यक्ष गणेश राम, रेलवे से रामबली यादव ओबरा के अध्यक्ष मंत्री डाला अल्ट्राटेक यूनियन के अध्यक्ष रमेश सिंह, मंत्री ।

मां विध्यवासिनी के दिव्य स्वरूप के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

विध्याचल (मीरजापुर) । आदिशक्ति जगतजननी मां विध्यवासिनी की चौखट पर सोमवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। नारियल, चुनरी, माला-फूल प्रसाद के साथ कतारबद्ध श्रद्धालु आस्था के पथ पर बढ़ते जा रहे थे। मां विध्यवासिनी के जयकारे से विध्यधाम गुंजायमान हो उठा। लगन का सीजन होने के नाते विध्यधाम आने वाले दर्शनाथिर्यों की संख्या बढ़ी है। मंगला आरती के बाद मंदिर का कपाट खुलते ही घंटा-घड़ियाल, शंख-नगाड़ा व जयकारे से विध्यधाम गुंजायमान हो उठा। कतारबद्ध श्रद्धालु मां विध्यवासिनी की झलक पाने को बेताब दिखे और अपनी बारी का इंतजार करते रहे। कोई झांकी तो कोई गर्भगृह पहुंच मां विध्यवासिनी का दर्शन-पूजन किया और सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के ऊपर गुंबद और हवन कुंड की परिक्रमा कर भी पुण्य के भागी बने। भक्तों ने मां विध्यवासिनी मंदिर में विराजमान महाकाली, मां दुर्गा, पंचमुखी महादेव, मां सरस्वती देवी, मां शीतला, महालक्ष्मी, दक्षिण मुखी हनुमान, राधा कृष्ण, अनन्पूर्णा देवी, बटुक भैरव के मंदिर में भी शीश नवाया। दर्शन-पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने विध्यधाम का चक्रमण कर आनंद उठाया। विध्यधाम में सजी दुकानों से जरुरत की सामान खरीदी। वहीं श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से दुकानदार खुश दिखे।

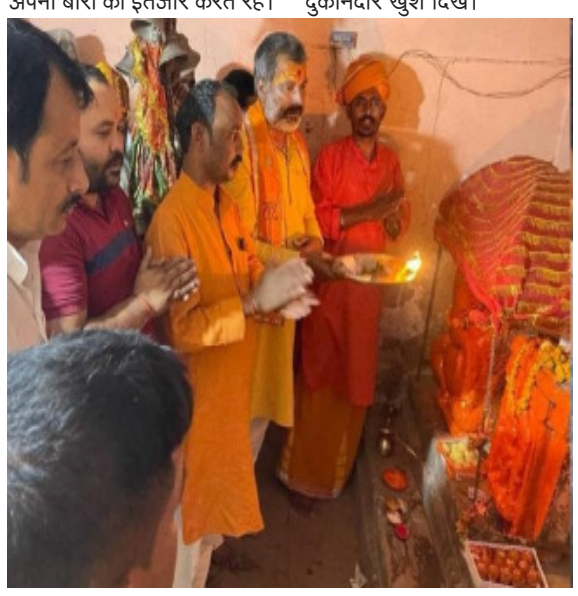

डाकघरों में कैश की झंझट खत्म अब क्यूआर कोड से होगा पेमेंट

मीरजापुर । डाकघरों में जनसामान्य की सुविधा के लिए तमाम सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। डाक विभाग भी नवीनतम टेकनेलाजी अपनाकर डाकघरों में कैश की झंझट खत्म हो गई है। इससे डाकघर में ग्राहकों को फुटकर रुपयों की समस्या से राहत मिल जाएगी और काउंटर पर बैठे डाक

अपनी सेवाओं को कस्टमर फ्रेंडली बना रहा है। अब डाकघरों के बुकिग काउंटर पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं, जिन्हें स्कैन कर ग्राहक यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान कर सकेंगे। इससे ग्राहकों की सुविधाओं में इजाफा होने के साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था भी सुढ़ होगी। डिजिटल भुगतान सुविधा शुरू होने से अब सहायक को रुपयों के लेन-देन से छुटकारा मिलेगा ही, समय की भी बचत होगी। हालांकि नकद रकम देकर डाक वस्तुओं की बुकिग का कार्य पूर्व की भांति होता रहेगा। मीरजापुर मंडल के डाक अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि डिजिटल भुगतान के लिए डाकघरों के बुकिग काउंटरों पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं। इसका प्रयोग कर करने के उपरांत ग्राहक को रकम बताई जाएगी और क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान की प्रक्रिया संपनन् करने को कहा जाएगा। क्यूआर कोड स्कैन कर किसी भी यूपीआई पेमेंट मोबाइल एप्लीकेशन जैसे डाक-पे, गूगल-पे, फोन-पे, पेटीएम, अमेजन-पे आदि के माध्यम से भुगतान किया जा सकेगा। यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान किया जा सकेगा। पत्र, पार्सलों की बुकिग के दौरान काउंटर क्लर्क द्वारा प्रेषक व प्राप्तकर्ता की सभी जानकारी दर्ज

महंगाई की आग में झुलस रहीं सब्जियां, आसमान छूते भावों ने बिगाड़ा रसोई का बजट

मीरजापुर । पेट्रोल-डीजल की मूल्य वृद्धि से दैनिक जरूरत के समान की कीमतें बढ़ रही हैं। वहीं रसोई गैस की कीमतें भी परेशान कर रही हैं। खादय पदार्थों के दामों के साथ अब सब्जी पर भी महंगाई का सीधा असर दिखने लगा है। मंडी से बाहर निकलते ही सब्जियां भाव खा रही है। भीषण गर्मी के मौसम में फल और सब्जियों के आसमान छूते भाव लोगों को सता रहे हैं। महंगाई कम होने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। दरअसल, गर्मी का मौसम शुरू होते ही सब्जियों के भावों में थोड़ा उछाल देखने को मिलता है लेकिन पहली बार नींबू के भावों में इतनी अधिक बढ़ोत्तरी देखी गई कि नींबू के भाव सुनते ही लोगों के दांत खट्टे हो रहे हैं। नींबू 10 से 15 रुपये प्रति नग के हिसाब से बिक रहा था। गर्मी में नींबू की पैदावार बढ़ने के साथ ही डिमांड भी बढ़ जाती है। व्यापारियों के अनुसार आमतौर पर गर्मी के मौसम में सब्जियों के भावों में उछाल आता है लेकिन इस बार नींबू के भाव बढ़ने के दूसरे कई कारण हैं। इसमें सबसे बड़ा

कारण डीजल-पेट्रोल की बढ़ती कीमतों को माना जा रहा है। ट्रांसपोर्ट खर्च बढ़ने के कारण तथा मंडियों में आवक घटने से नींबू के भावों में बढ़ोत्तरी हुई। है। गृहिणी मीरा मिश्र, आराधना मिश्र, प्रतिमा मिश्र व रीता देवी ने कहा कि यही हालात रहे तो खाने की थाली से सब्जी गायब होते देर नहीं लगेगी।

बढ़ती महंगाई के विरोध में प्रदर्शन

मीरजापुर । प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को पत्रक सौंपकर देश में बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग की। जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार बिद ने कहा कि देश में महंगाई चरम पर है। डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस, सरसों का तेल, रिफाइंड आयल, दाल, कपड़ा व दवा इत्यादि के दाम आसमान छू रहे हैं। बढ़ती महंगाई पर तत्काल रोक लगाई जाए। प्रदर्शन में रविकांत तिवारी, सुधा बिद, रामसागर बिद, आकाश कुमार बिद, रामरतन बिद, सुरेंद्र कुमार शुक्ला आदि रहे।

दिल्ली कैपिटल्स को जोरदार झटका आस्ट्रेलिया के स्टार आलराउंडर अस्पताल में भर्ती, पाए गए कोरोना पोजिटिव

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में कोरोना के केस सामने आ रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स की टीम के फीजियो पैट्रिक फरहाट के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद अब टीम के आलराउंडर मिचेल मार्श को भी पोजिटिव पाया गया है। दिल्ली की टीम की तरफ से खेलने वाले आस्ट्रेलिया के इस खिलाड़ी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बात की जानकारी टीम की तरफ से खुद दी गई है। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से सोमवार को मीडिया में टीम के सदस्य के कोरोना संक्रमित पाए जाने की खबर सामने आने के बाद ट्वीट के जरिए इस पर जानकारी दी गई। विदेशी खिलाड़ी के कोरोना संक्रमित पाए जाने की खबर मीडिया में आ गई थी। इस बीच ट्वीट में बताया गया कि दिल्ली कैपिटल्स के आल राउंडर मिचेल मार्श को करोना के टेस्ट में पाजिटिव पाया गया है। इसके बाद उनको इसी वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली कैपिटल्स की मेडिकल टीम मार्श के कंडीशन पर नियमित रूप के नजर बनाए हुए है। सोमवार को ही बीसीसीआइ की तरफ से इस बारे में बयान जारी करते हुए पीटीआइ के बताया गया था, ठदिल्ली कैपिटल्स को आज पुणे के लिए रवाना होना था लेकिन पूरी टीम को सभी सदस्यों के साथ अपने अपने होटल के कमरे में ही आराम करने के लिए कहा गया है। कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए सभी का आरटीपीसीआर टेस्ट कराया जाएगा जिससे यह मालूम चल जाए कि फिजियो पैट्रिक के कोरोना का मामला अकेला था या टीम के कैंप में और भी मामले हैं।ठ इस सीजन में अब तक दिल्ली का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। पहले मैच में मुंबई के खिलाफ जीत हासिल करने के बाद टीम के प्रदर्शन में निरंतरता नजर नहीं आई। अब खेले 5 मुकाबलों में टीम को महज 2 जीत मिली है जबकि 3 में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

चहल ने हैट्रिक समेत एक ही ओवर में लिए चार विकेट, केकेआर को कर दिया सन्न

नई दिल्ली। राजस्थान रायल्स के स्पिनर युजवेंद्रा चहल ने आइपीएल 2022 के 30वें मैच में केकेआर के खिलाफ घातक गेंदबाजी की। उन्होंने इस मैच में 4 ओवर में 40 रन देकर 5 विकेट चटकाए जिसमें एक हैट्रिक भी शामिल रहा। वहीं उन्होंने अपने स्पैल के चौथे ओवर और दूसरी पारी के 17वें ओवर में गजब की गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए। आइपीएल में चहल ने पहली बार किसी मैच में फाइफर विकेट लेने का कमाल किया साथ ही इस लीग में ये उनकी पहली हैट्रिक रही। इस मैच में चहल की टीम राजस्थान को केकेआर के खिलाफ 7 विकेट से हार मिली केकेआर के खिलाफ मैच की दूसरी पारी में चहल ने 17वां ओवर फेंका जो पूरी तरह से सनसनीखेज रहा। चहल ने इस ओवर की पहली ही गेंद पर वेंकटेश अय्यर को 6 रन पर संजू सैमसन के हाथों स्टंप आउट करवा दिया। दूसरी गेंद पर उन्होंने कोई रन नहीं दिया जबकि इस ओवर की तीसरी गेंद पर एक रन बने। चौथा गेंद उन्होंने पहले तो वाइड फेंका, लेकिन फिर से इस गेंद पर चहल ने केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर को 85 रन के स्कोर पर पगबाधा आउट कर दिया। पांचवीं गेंद पर उन्होंने रियान पराग को और फिर छठी गेंद पर पैट कमिंस को गोल्डन डक पर आउट किया, यानी ये दोनों अपना खाता भी नहीं खोल पाए। चहल ने इस ओवर में कुल चार विकेट लिए जिसमें एक हैट्रिक भी शामिल था। चहल के इस हैट्रिक के बाद वो आइपीएल में केकेआर के खिलाफ ऐसा करने वाले तीसरे गेंदबाज बने। केकेआर के खिलाफ इससे पहले आइपीएल में मखाया नतिनि और प्रवीण तांबे ने हैट्रिक विकेट लिए थे। वहीं राजस्थान की तरफ से चहल हैट्रिक लेने वाले पांचवें गेंदबाज बने। राजस्थान के लिए इस लीग में चहल से पहले अचित चंदीला, प्रवीण तांबे, शेन वाटसन और श्रेयस गोपाल हैट्रिक ले चुके हैं। वहीं चहल आइपीएल में हैट्रिक लेने वाले 21वें गेंदबाज बने।

उमरान मलिक को साउथ अफ्रीका व आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टी20 टीम में मिल सकता है मौका

नई दिल्ली। भारतीय टीम को जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच और आयरलैड के खिलाफ दो टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने है और ऐसे में तेज गेंदबाजी सनसनी उमरान मलिक पर चयन समिति की निगाह रहेगी और काफी संभावना है कि उन्हें राष्ट्रीय टीम में मौका मिल सकता है। भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ, 12, 14, 17, 20 जून को पांच मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगा। इसके बाद आयरलैंड के मालाहाइड में टीम को 26 जून और 28 जून को दो टी-20 मैच खेलने है। आयरलैंड दौरे के समय भारत की मुख्य टीम इंग्लैंड में होगी, जहां शीर्ष खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई की शुरुआत में शुरू होने वाले पांच टेस्ट की सीरीज के निर्णायक टेस्ट की तैयारी में जुटे होंगे। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ नए खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत के पिछले टी-20 विश्व कप अभियान के दौरान उमरान नेट गेंदबाज थे। बीसीसीआइ आस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी टी-20 विश्व कप के लिए तेज गेंदबाजों का एक बड़ा पूल बनाने के लिए उत्सुक है और अगर सब कुछ ठीक रहा और वह अगले दो महीने फिट रहते हैं तो अपनी तेज गति के साथ उमरान के टीम में जगह बनाने की उच्च संभावना है। प्रमुख गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान, हर्षल पटेल, मुहम्मद सिराज, दीपक चाहर (फिट होने पर), मुहम्मद शमी और उमेश यादव शामिल है, जिनका कार्यभार प्रबंधन सवीपरि होगा।

इंग्लैंड में इस भारतीय ने जमाया दोहरा शतक, फालोआन खेल रही टीम को बचाया हार से

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में एक तरफ ज्यादातर भारतीय खिलाड़ी अपनी फटाफट क्रिकेट से लोगों का दिल जीत रहे हैं वहीं सात समंदर पार टेस्ट में एक दिग्गज अपना लोहा मनवा रहा है। भारतीय टेस्ट टीम से बाहर हुए चेतेश्वर पुजारा टीम में वापसी करने के लिए फार्म की तलाश में हैं। इसी क्रम में इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में उन्होंने सीजन का पहला दोहरा शतक जमाया। कमाल यह की उन्होंने यह पहले ही मैच में बनाया और वो भी तब जब टीम फालोआन खेल रही थी काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स टीम के साथ करार कर डेब्यू मैच खेल रहे पुजारा ने धमाकेदार आगाज किया। पहले मैच की पहली पारी में वह भले ही सस्ते में आउट हो गए लेकिन इसके बाद जब टीम को उनकी जरूरत थी तो दमदार नाबाद दोहरा शतक लगाते हुए मैच को बचाया। अपनी पुरानी काउंटी टीम डर्बीशायर के खिलाफ खेलते हुए मैच में उन्होंने कुल 207 रन बनाए। पहली पारी में डर्बीशायर ने 8 विकेट पर 505 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जवाब में ससेक्स की पहली पारी महज 174 रन पर ही ढेर हो गई फोलोआन खेलने को मजबूर टीम ने इसेक बाद जोरदार वापसी की और 3 विकेट पर 513 रन बनाए जिसकी वजह से मैच ड्रा करार दिया गया।

केएल राहुल और विराट कोहली होंगे आमने-सामने, जानें कहां और कैसे देखें ये रोचक मुकाबला

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 31वें मैच में केएल राहुल की टीम और फाफ डु प्लेसिस के नेतृत्व में बैंगलोर की टीम आमने-सामने होगी। पिछले कुछ मैचों की बात करें तो आरसीबी को भले जीत मिली हो लेकिन उसका शुरुआती बल्लेबाजी क्रम प्रभावी नहीं रहा है। फाफ डु प्लेसिस के बल्ले से पहले मैच के बाद रन नहीं निकले हैं। आरसीबी की ताकत है मध्यक्रम की बल्लेबाजी जहां विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल, शहबाज अहमद और इस सीजन का सबसे बड़ा फिनिशर दिनेश कार्तिक मौजूद है जो अपने दम पर टीम को जीत दिलाने जानते हैं दूसरी तरफ लखनऊ की बात करें तो क्विंटन डीकाक और केएल राहुल के रुप में टीम के पास सबसे खतरनाक ओपनिंग जोड़ी मौजूद है। पिछले मैच में राहुल के बल्ले से शतकीय पारी निकली थी। आरसीबी के बल्लेबाजों को उनसे सावधान रहने की जरुरत है। मार्कस स्टोइनिस के आने से उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में पहले से ज्यादा गहराई आइ है। यदि आप भी इस मैच में चौके-छक्कों की बरसात देखमा चाहते है तो आइए मैच से जुड़ी कुछ अहम बातों को जान लेते हैं। लखनऊ सुपरजाइंट्स और बैंगलोर के बीच ये मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा। कितने बजे होगा लखनऊ सुपरजाइंट्स और बैंगलोर के बीच इस मैच का टास लखनऊ सुपरजाइंट्स और बैंगलोर के बीच इस मैच का टास शाम 7 बजे होगा। लखनऊ सुपरजाइंट्स और बैंगलोर के बीच इस मैच को कहां देख सकते है लखनऊ सुपरजाइंट्स और बैंगलोर के बीच इस मैच को स्टार स्पोर्ट्स के नेटवर्क या हाटस्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा इस मैच से जुड़ी हर खबर को आप आप दैनिक जागरण की वेबसाइट पढ़ सकते है।

2022 में बटलर ने जमाया दूसरा शतक इस भारतीय के नाम है एक सीजन में सबसे ज्यादा 4 सेंचुरी जड़ने का रिकार्ड

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में राजस्थान रायल्स के ओपनर जोस बटलर का बल्ला खूब चल रहा है। धमाकेदार फार्म में चल रहे इस बल्लेबाज ने इस सीजन का पहला शतक मुंबई के खिलाफ जमाया और फिर सोमवार को कोलकाता के खिलाफ भी एक सेंचुरी जड़ दी। बटलर अब एक ही सीजन में दो शतकीय पारी खेलने वाले दिग्गज बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए है। वैसे आइपीएल के किसी भी एक सीजन में किसी बल्लेबाज ज्यादा अधिकतम चार शतक बनाए गए है। ब्रेबान स्टेडियम में कोलकाता के खिलाफ टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान की टीम ने ओपनर बटलर की धमाकेदार बल्लेबाजी के दम 200 रन का स्कोर पार किया। 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर टीम 217 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। राजस्थान के इस स्कोर में बटलर के बल्ले से कुल 103 रन निकले। पारी के दौरान उन्होंने 9 चौके और 5 छक्के जमाए। बटलर ने इस सीजन अपना दूसरा शतक जमाया और ऐसा करने वाले छठे बल्लेबाज बने। इससे पहले कुल पांच बल्लेबाजों ने एक सीजन में एक से ज्यादा शतक जमाने का कमाल किया है। इस लिस्ट में भारतीय दिग्ज विराट कोहली सबसे आगे हैं। साल 2016 उनके बल्ले से कुल चार शतक देखने को मिले थे जो अब तक अटूट रिकार्ड है। साल 2011 के सीजन में क्रिस गेल ने बैंगलोर की तरफ से खेलते हुए दो शतक जमाया था। साल 2017 में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) की तरफ से खेलते हुए एक ही सीजन में दो शतक जमाया था। लेकिन दुर्भाग्य से इन दोनों ही मैच में टीम को हार मिली थी। साल 2018 के सीजन में चेनन्ई सुपर किंग्स को चैंपियन बनाने में शेन वाटसन का बड़ा हाथ था। फाइनल में शतकीय पारी के साथ इस सीजन उनके बल्ले से दो सेंचुरी देखने को मिली थी। 2020 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलने उतरे शिखर धवन ने धमाल बल्लेबाजी करते हुए दो शतक जमाए थे।

कोलकाता की लगातार तीसरी हार से बदला अंक तालिका का समीकरण गुजरात अब भी टाप पर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में सभी टीमों ने 4 या इससे अधिक मैच खेल लिए हैं। 10 टीमों के बीच चल रही एक ट्राफी पाने की जंग अब धीरे धीरे और भी रोमांचक हो रही है। चेनन्ई ने आरसीबी के खिलाफ अपने जीत का खाता खोल लिया है जबकि मुंबई को लगातार छठे मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। सोमवार को राजस्थान की कोलकाता पर रोमांचक जीत के बाद अंक तालिका में एक बार फिर बदलाव हुआ। गुजरात और राजस्थान के बीच हुए अंक तालिका में उठा पटक जारी है। इस वक्त गुजरात की टीम 6 मैच में 5 जीत हासिल कर 10 अंकों के साथ पहले स्थान पर काबिज है। नीचे खिसक चुकी राजस्थान ने भी सोमवार को एक और जीत के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। 6 मैच खेलने के बाद 4 जीत से इस टीम ने 8 अंक हासिल किए हैं। तीसरे नंबर पर लखनऊ की टीम है जिसने राजस्थान के बराबर ही मैच खेलकर उसके बराबर ही अंक हासिल किए हैं। मंगलवार को लखनऊ का सामना चौथे स्थान पर काबिज बैंगलोर की टीम के साथ होना है। इस मैच के बाद अंक तालिका में बदलाव होगा क्योंकि दोनों ही टीम के समान अंक हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत दो लगातार हार से करने वाली हैदराबाद की टीम ने जोरदार वापसी करते हुए पिछले चार लगातार मुकाबले में जीत हासिल की है। इस धमाकेदार प्रदर्शन के दम पर वह अंक तालिका में अब पांचवें स्थान पर पहुंच चुकी है। छठे नंबर पर कोलकाता की टीम है जिसे सोमवार को राजस्थान से एक नजदीकी मुकाबले में हार मिली। 7 मैच खेलकर टीम ने महज 3 जीत ही हासिल करने में कामयाबी पाई है। सातवें नंबर पर पंजाब की टीम है जिसके खाते में 6 मैच के बाद 3 जीत और 3 हार है। 8वें और 9वें नंबर पर क्रमशः दिल्ली और चेनन्ई की टीम है। दिल्ली की टीम के खाते में 3 जीत से 6 अंक हैं जबकि चेनन्ई ने अब तक 6 मैच खेलकर महज एक जीत हासिल की है। अब तक अपना खाता नहीं खोल पाने वाली मुंबई की टीम सबसे नीचले यानी 10वें पायदान पर है।

गौतम गंभीर मनाएंगे आईपीएल में इतिहास रचने वाले इस भारतीय का जन्मदिन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को अपना पूरा समर्पण देते हुए किसी भी काम को करने के लिए तैयार रहने वाले एक जबरदस्त बल्लेबाज, विकेटकीपर, कप्तान और फील्डर का आज (18 अप्रैल) जन्मदिन है। भारतीय टीम के लिए कभी जो भूमिका दिग्गज राहुल द्रविड़ निभाया करते थे उनके ही नाम के केएल राहुल वहीं जिम्मेदारी इस वक्त टीम इंडिया के लिए निभाने को तत्पर नजर आते हैं। 100वें आइपीएल मैच में शतक जड़कर इस धुरंधर ने इतिहास रचा। इससे पहले कोई भी बल्लेबाजी टूर्नामेंट में ऐसा नहीं कर पाया था।18 अप्रैल 1992 को कर्नाटक में जन्में कननउर लोकेश राहुल आज अपना 30वां जन्मदिन मना रहे हैं। केएल के बल्लेबाजी प्रतिभा की पूरी दुनिया कायल है लेकिन टीम के लिए मुश्किल में विकेटकीपर और कप्तान तक का जिम्मा उठाने को लिए वह तैयार नजर आते है। भारतीय टीम के लिए तीनों फार्मेट में शतक जमा चुके इस बल्लेबाज का धमाका इस वक्त इंडियन प्रीमियर लीग में दिखने को मिल रहा है। नई फ्रेंचाइजी टीम लखनऊ सपर जायंट्स की कप्तानी कर रहे राहुल ने पिछले मुकाबले में ही जन्मदिन से ठीक दो दिन पहले शतक जमाया।आइपीएल में लखनऊ टीम की कप्तानी कर रहे राहुल अपना इस साल का जन्मदिन टीम के मेंटोर गौतम गंभीर और बाकी साथियों के साथ मनाएंगे। राहुल के खेल से गौतम बेहद प्रभावित है और टीम का मेंटोर बनने से पहले भी वह उनकी तारीफ कर चुके हैं। अब जब उनको लखनऊ की टीम के साथ जुड़ने का मौका मिला तो केएल राहल के तौर पर अपना कप्तान चुना।

फाफ डुप्लेसिस के सामने दम दिखाएंगे केएल राहुल

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 के 31वें मुकाबले में इस लीग की दो बेहतरीन टीम एक-दूसरे का सामना करती हुई नजर आएगी। लखनऊ ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को और आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया था। दोनों के छह मैचों में आठ अंक है और वे इस जीत के लय को जारी रखना चाहेंगी। लखनऊ के कप्तान केएल राहुल इस सीजन में अब तक 235 रन बना चुके हैं और बेहतरीन फार्म में हैं। उन्होंने मुंबई के खिलाफ शतक जमाया और सर्वाधिक रनों के मामले में राजस्थान रायल्स के जोस बटलर के बाद दूसरे नंबर पर हैं। उनके सामने हर्षल पटेल की चुनौती होगी। डिकाक भी अच्छे फॉर्म में हैं जबकि युवा आयुष बदोनी, दीपक हुड्डा और क्रुणाल पंड्या बड़ी पारियां खेल सकते हैं। जेसन होल्डर और मार्कस स्टोइनिस टीम को मजबूती देते हैं। तेज गेंदबाज आवेश खान और स्पिनर रवि बिशनेई पर भी सभी की नजरें होंगी। लखनऊ के खिलाफ आरसीबी को अपने शीर्षक्रम की बल्लेबाजी को दुरुस्त करना होगा। पहले मैच के बाद से कप्तान फाफ डु प्लेसी चल नहीं सके हैं और सलामी बल्लेबाज अनुज रावत भी लगातार फार्म में नहीं हैं। विराट कोहली का बल्ला भी खामोश है और अच्छे फार्म में दिखने के बावजूद वह बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं। मैक्सवेल के आने से बल्लेबाजी मजबूत हुई है।

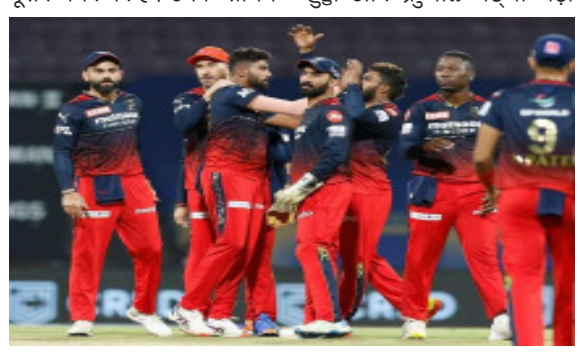

राशिफल

मेष-: इसे दबाने से आपकी शारीरिक परेशानी बढ़ सकती है। शारीरिक गतिविधि बढ़ाकर इससे छुटकारा पाएं। बुरे हालात से दूर रहने में ही भलाई है।

वृष-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने में आ रही बाधाएं आज दूर होंगी। आज का दिन किसी मित्र की मदद करेगा जो भविष्य में आपकी मदद कर सकता है।

मिथुन-: आप असमंजस की स्थिति से निपटने के प्रयास में सफल हो सकते हैं. यदि आप धैर्य और प्रयास के बीच संतुलन रखते हैं, तो अधिकांश समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

कर्क-: आज आपके कुछ छिपे हुए विरोधी आपको गलत साबित करने की पूरी कोशिश करेंगे. आपको आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है। के साथ सावधानीपूर्वक काम करेंगे।

सिंह-: आभूषण और प्राचीन वस्तुओं में निवेश लाभकारी रहेगा और समृद्धि लाएगा. विदेश में रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिला उपहार आपको खुशी दे सकता है।

कन्या-: आज का दिन आपके लिए खास रहेगा. आज अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातों को समझने का प्रयास करें। इससे आपको भविष्य में ही फायदा होगा।

तुला-: अविवाहित लोगों की लव लाइफ अच्छी रह सकती है. शादीशुदा लोगों को भी पार्टनर की मदद मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे।

वृश्चिक-: आज आपके कई काम समय पर पूरे होंगे. कुछ नया करने की कोशिश करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। तनाव खत्म होने से आपके काम की गति में वृद्धि होगी।

धनु-: बच्चे खेलकूद और अन्य बाहरी गतिविधियों में अधिक समय व्यतीत करेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक सीखने की जरूरत है, क्योंकि दिल की बात कहने से नुकसान भी हो सकता है।

मकर-: आज शादीशुदा हैं तो जीवनसाथी को अधिक समय देंगे तो दोनों के संबंधों में मधुरता बढ़ेगी. शाम तक किसी फंक्शन में जाने का भी प्लान बना सकते हैं।

कुंभ-: नौकरीपेशा और व्यापार करने वाले लोग अपने काम से संतुष्ट हो सकते हैं. वरिष्ठ अधिकारियों से भी बातचीत की संभावना है। किसी की मदद करने का मौका मिल सकता है।

मीन-: आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरपूर रहेगा. व्यापार सफलता का सूत्र बनेगा। आपके मन में जल्द ही बदलाव आएंगे, जिससे आपका मन कुछ हद तक द्विभाजित रहेगा।

सम्पादकीय

गृहमंत्री अमित शाह के हिंदी को लेकर दिए गए बयान पर अकारण विवाद जानिए क्या है पूरा मामला

कुछ दिनों पहले 'द कपिल शर्मा शो' पर फिल्म आर आर आर के अभिनेता एनटीआर जूनियर, राम चरण, फिल्म के निर्देशक राजामौली और अभिनेत्री आलिया भट्ट आए थे। कपिल शर्मा के शो का नाम भले ही अंग्रेजी में है, इसमें ज्यातार बातचीत हिंदी में ही होती है। दक्षिण भारतीय फिल्मों के दोनों अभिनेता न केवल हिंदी समझ रहे थे बल्कि अच्छी हिंदी बोल भी रहे थे। उस शो में उन दोनों अभिनेताओं को अच्छी हिंदी बोलते देख अर्चना पूरन सिंह ने उनसे जानना चाहा कि उन्होंने इतनी अच्छी हिंदी कहां से और कैसे सीखी जबकि वो दोनों तो दक्षिण भारत में पले बढे है। एनटीआर जूनियर ने तपाक से इसका उत्तर दिया कि स्कूल में। उन्होंने कहा कि स्कूल में उनकी प्रथम भाषा हिंदी थी जिससे उनको बहुत मदद मिली। इसके अलावा अब जिस तरह से क्रास पालिनेशन (परागण) मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई के बीच हो रहा है, उससे। वो भाषाई परागण की बात कर रहे थे जिसमें देश के अलग अलग हिस्सों में बनने वाली फिल्में अलग अलग भाषाओं में डब होकर रिलीज हो रही है। एनटीआर की बात सुनकर आलिया ने एक और दिलचस्प तथ्य बताया कि एनटीआर जूनियर ने पूरी फिल्म में अपने संवाद को अपनी आवाज में ही हिंदी में डब किया है। आलिया के मुताबिक इससे दर्शकों को एक प्रामाणिक अनुभव मिलता है। एक घंटे से अधिक के इस शो में राम चरण और एनटीआर जूनियर ने हिंदी और अंग्रेजी में अपनी बात रखी लेकिन हिंदी समझ सब रहे थे। दक्षिण भारत की फिल्में डब होकर हिंदी में जितनी सफल हो रही हैं उसने वहां की भाषा में बनने वाली फिल्मों को सफलता का नया क्षितिज दिया है। अब वहां बनने वाली कई फिल्में तमिल और तेलुगू के साथ-साथ हिंदी में भी बन रही हैं। हिंदी में बनने वाली कुछ फिल्में भी दक्षिण भारतीय भाषाओं में बनकर एक साथ सब जगह रिलीज होती है। उपरोक्त प्रसंग बताने का उद्देश्य ये है कि पिछले दिनों हिंदी को लेकर दक्षिण भारत के नेताओं और अंग्रेजी के पैरोकारों ने अकारण विवाद खड़ा किया। हुआ ये था कि कुछ दिनों पहले गृह मंत्री अमित शाह ने राजभाषा समिति की एक बैठक में कहा था कि 'हमारे देश में अनेक प्रकार की भाषाएं है, कुछ प्रकार की बोलियां हैं। कई लोगों को लगता है कि ये देश के लिए बोझ हैं। मुझे लगता है कि अनेक भाषाएं और अनेक बोलियां हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। ष्ठपरंतु जरूरत है कि देश की एक भाषा हो। जिसके कारण विदेशी भाषाओं को जगह न मिले। देश की एक भाषा हो, इसी दृष्टि को ध्यान में रखते हुए हमारे पुरखों ने हमारे स्वातंत्र्य सेनानियों ने राजभाषा की कल्पना की थी और राजभाषा के रूप में हिंदी को स्वीकार किया था।' अपने भाषण में अमित शाह ने ना तो कुछ गलत कहा और ना ही कोई नई बात कही। अमित शाह के वक्तव्य का आशय स्पष्ट है कि हिंदी को संपर्क भाषा के तौर पर मजबूती दी जानी चाहिए और भारतीय भाषाओं को मजबूत किया जाना चाहिए। आज से दो साल पहले भी अमित शाह ने भारतीय भाषाओं को मजबूत करने के लिए आंदोलन करने जैसी बात कही थी। जब प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने लालकिला की प्राचीर से स्वाधीनता के अमृत महोत्सव की घोषणा की थी उसके बाद भी अमित शाह ने भाषाई आत्मनिर्भरता की बात की थी। उस वक्त गृहमंत्री ने कहा था कि आत्मनिर्भर शब्द केवल उत्पादन के लिए नहीं है, राजनीतिक व्यवस्थाओं के लिए नहीं है बल्कि भाषाओं को लेकर भी आत्मनिर्भर होना होगा। तब जाकर आत्मनिर्भर भारत की कल्पना साकार होगी। बिना भाषाई आत्मनिर्भरता के आत्मनिर्भर भारत अर्थहीन है। उन्होंने उस वक्त स्वाधीनता संग्राम के दौरान तीन 'स्व' के महत्ता की भी चर्चा की थी। स्वदेशी, स्वभाषा और स्वराज। इन तीनों को अमित शाह ने स्वाधीनता संग्राम का स्तंभ बताते हुए कहा था कि आजादी मिलते ही स्वराज का सपना पूरा हो गया। स्वदेशी के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने अभियान छेड़ा हुआ है लेकिन स्वभाषा के लिए हम सबको मिलकर खासकर नई पीढ़ी को विशेष रूप से आगे आना होगा। तब उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक मंचों पर हिंदी में बोलने और बात करने को रेखांकित करते हुए कहा था कि अब अपनी भाषा को लेकर किसी लघुता ग्रंथि में रहने की जरूरत नहीं है। तब भी अमित शाह ने भारतीय भाषाओं की बात की थी।

अर्बन नक्सल्स की जिद का परिणाम विवेक अग्निहोत्री की 'द कश्मीर फाइल्स'

विवेक अग्निहोत्री विमर्श की धारा को बदलने वाले फिल्मकार हैं। अपनी हालिया चर्चित फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' के माध्यम से उन्होंने कश्मीर घाटी में हिंदुओं के साथ हुई बर्बरता को दिखाकर नेपथ्य में चले गए एक मुद्दे को फिर से मुख्यधारा में ला दिया। इसी प्रकार अपनी एक अन्य फिल्म 'बुद्धा इन ए ट्रैफिक जैम' के निर्माण की कहानी को किताब का स्वरूप देकर उन्होंने नक्सलियों की एक अलहदा किस्म 'अर्बन नक्सल्स' से परिचित कराने है। अगिन्होत्री उसी तबके को 'अर्बन नक्सल' के रूप में दर्शाते हैं। ये शैक्षणिक संस्थाओं से लेकर मीडिया और गैर-सरकारी संस्थाओं यानी एनजीओ तक अपना पूरा संजाल बनाए रहते हैं। अगिन्होत्री ने इस संजाल के साथ अपने अनुभवों को ही कलबमद्ध किया है। यह किताब बताती है कि एक वर्ग विशेष बौद्धिक प्रतिष्ठान पर अपने वर्चस्व को लेकर कितना आग्रही एवं आक्रामक है। अगिन्होत्री को 'बुद्धा इन ए ट्रैफिक जैम' के निर्माण के लिए फिल्मी किए हुए हैं। तथ्यों से सुसज्जित उनके सत्य का तेज भारत में एक सशस्त्र आंदोलन के इर्दगिर्द रची गई रूमानियत का खुमार उतारने का काम करता है। वह उस वर्ग को बेपर्दा करते हैं, जिसे भारतीय राष्ट्र-राज्य के विरुद्ध हिंसा का उद्घोष करने वाले 'गांधीवादी बंदूकधारी' दिखाई पड़ते हैं। वह बौद्धिक कपटता-कुटिलता की उन परतों को भी अनावृत्त करते हैं, जहां दूसरे विचार की उत्कृष्टता का अवमूल्यन और अपनी दोयम दर्जे की

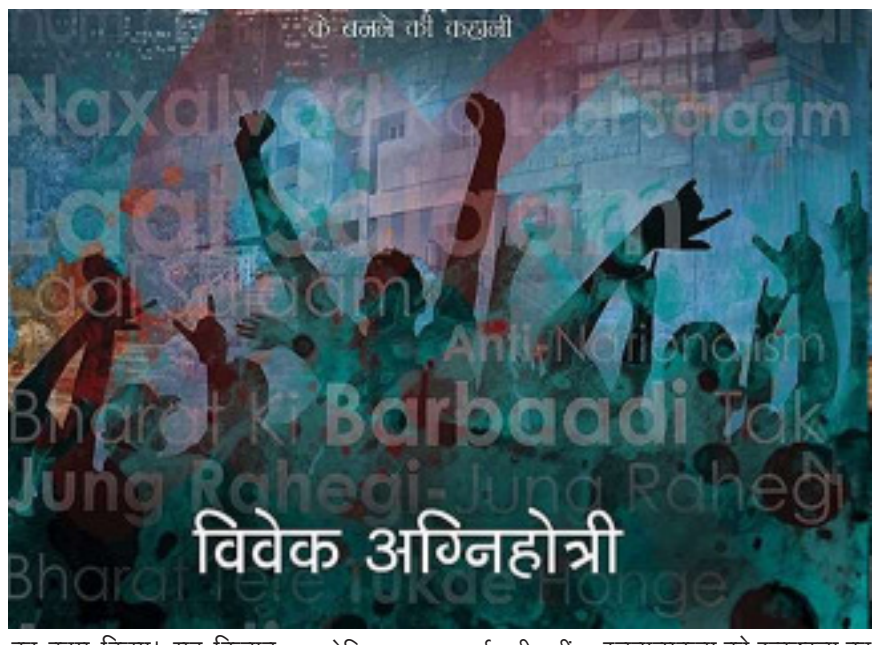

का काम किया। यह किताब उन छिपे हुए 'नक्सलियों' की चर्चा करती है, जो घनी बस्तियों में निवास करते हैं और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हैं। एक फिल्म की निर्माण कथा होने के साथ-साथ यह कई रहस्योद्घाटनों से भी रूबरू कराती है। भारत में नक्सलवाद या वामपंथी चरमपंथ की चुनौती ऐसी रही है कि लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री को उसका उल्लेख राष्ट्र के समक्ष सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती के रूप में करना पड़ा था। उनके बारे में अमूमन यही माना जाता है कि वे सुदूरवर्ती इलाकों में अपनी गतिविधियों का संचालन करते हैं। लेकिन एक तबका ऐसा भी है, जो देश के दिग्गज संस्थानों से लेकर सार्वजनिक बहस में उनकी इस मुहिम के पक्ष में माहौल बनाता इकोसिस्टम का समर्थन ही नहीं मिला। कई साल तक उनकी महत्वाकांक्षी परियोजना अटकी रही। जैसे-तैसे प्रयास करके वह इस फिल्म को बनाते हैं और जब उसके प्रदर्शन की बारी आती है, तो जादवपुर से लेकर जेएनयू तक उसका विरोध-प्रदर्शन किया जाता है। 'ब्लडी फासिस्ट ब्राह्मण' करार देकर उनकी कार का घेराव किया जाता है और कुछ वामपंथी छात्र उनके खून के प्यासे हो जाते हैं। इस किताब में ऐसे तमाम संस्मरणों का उल्लेख है, जिनमें लेखक आपको ओडिशा के दुर्गम-दूरदराज इलाकों की यात्रा कराने के साथ-साथ शहरों के कुलीन तबके के बीच भी ले जाते हैं। बुद्ध के जन्म, बुद्ध की तलाश, बुद्ध का सृजन एवं बुद्ध का संघर्ष जैसे चार खंडों में विभाजित 49 अध्यायों के माध्यम से अगिन्होत्री ने इस पुस्तक को पूर्णता प्रदान की है। प्रत्येक खंड अपनी थीम से संबंधित सामग्री को समाहित रचनात्मकता को उत्कृष्टता का आवरण दिया जाता है। ऐसी तमाम अवधारणाओं को पुष्ट करती यह पुस्तक पाठक के मानस को झकझोरने में सफल प्रतीत होती है यह पुस्तक जीवटता का एक उदाहरण भी है। 'बुद्धा इन ए ट्रैफिक जैम' शीर्षक में ही इसका सार छिपा हुआ है। इसके निर्माण के बीच में अगिन्होत्री दुख से सराबोर हो गए थे। तब उनके पास न पैसा था, न काम और न ही काम की उम्मीद और वह एक प्रकार के 'जाम' में ही फंस गए थे। यह वह कीमत थी, जो इकोसिस्टम की धारा के विरुद्ध तैरने के रूप में उन्हें चुकानी पड़ रही थी, लेकिन शायद यही उनका प्रिय शगल भी है। 'द कश्मीर फाइल्स' उसी जिद का परिणाम है और संभवतः 'दिल्ली फाइल्स' उनके इस जुनूनी सिलसिले को और आगे बढ़ाएगी।

पाकिस्तान के पंजाब प्रात की विधानसभा में खूब चले लोटे, कभी इमरान खान ने बताया था इसका मतलब; जिन्ना का भी लिया नाम

पाकिस्तान में सत्ता संघर्ष के बीच एक चीज जो सबसे अधिक चर्चित रही, वह है लोटा। वहां के पंजाब प्रांत की विधानसभा में शनिवार को लोटों की जो बारिश हुई है, वह विश्व के किसी भी सदन के लिए अभूतपूर्व है। ये लोटे पंजाब विधानसभा में डिप्टी स्पीकर दोस्त मुहम्मद मजारी पर बरसे। थप्पड़ भी बरसे, उन?हें सदन से सुरक्षा बलों द्वारा किसी तरह बाहर निकाला गया। पंजाब प्रांत में सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) पार्टी के विधायकों ने शनिवार को विधानसभा के डिप्टी स्पीकर दोस्त मुहम्मद मजारी के आसन पर पहुंचते ही उन पर लोटे फेंकने शुरू की राजनीति में क्या मायने हैं लोटे के और क्यों वहां की प्रांतीय विधानसभा में लोटे बरसे राजनीति के लोटे-बेपेंदी का लोटा एक प्रसिद्ध मुहावरा है जिसका अर्थ होता है, कभी भी रुख बदल लेने वाला व्यक्ति। पाकिस्तान की राजनीति में भी ऐसे ही बेपेंदी के लोटों को लेकर चर्चा भी है और हंगामा भी। पंजाब विधानसभा में तो शनिवार को हथियार के तौर पर लोटे चले, लेकिन इसके पहले भी पाकिस्तान की राजनीति में लोटे अहम भूमिका निभाते रहे हैं। -इमरान खान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की भूमिका बनने के समय भी लोटे अपनी भूमिका निभा चुके है। पाकिस्तान तहरीक ए इंसान के खिलाफ लोग खासे उग्र थे और अपने गुस्से को दिखाने के लिए लोटों के साथ विरोध कर रहे थे। इमरान का लोटा ज्ञान-पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का एक पुराना वीडियो भी इस बीच वायरल हो गया, जिसमें वह लोटे के बारे में बताते हुए देखे जा सकते हैं इमरान -हालिया सत्ता संघर्ष में पाकिस्तान के एक पत्रकार ने इमरान का यह वीडियो ट्वीट कर दिया जिसमें इमरान बता रहे हैं कि लोटा क्या होता है। वीडियो में इमरान खान बता रहे हैं कि लोटा का मतलब ऐसा इंसान होता है तो सिर्फ अवसर तलाशता है। एक कमजोर पार्टी से बड़ी पार्टी में चला जाता है। इमरान कहते है कि जिधर पावर

कर दिए। नए मुख्यमंत्री का चुनाव कराने के लिए विधानसभा पहुंचे मजारी को विधायकों ने थप्पड़ मारे और बाल पकड़ कर घसीटा भी। हालात इतने खराब हो गए कि विधानसभा के बाहर तैनात दंगारोधी बल को पहली बार सदन में प्रवेश करना पड़ा। डिप्टी स्पीकर पर हमले के आरोप में कम से कम तीन विधायक गिरफ्तार किए गए हैं। हमजा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बेटे और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) गठबंधन के प्रत्याशी थे, जबकि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (क्यू) के इलाही को इमरान व उनकी पार्टी का समर्थन प्राप्त है। मतदान के बाद हमजा शहबाज मुख?यमंत्री बन गए। लोटे बरसने का पाकिस्तान की राजनीति से गहरा नाता है। आइए समझें पाकिस्तान पार्टी यानी इमरान की पार्टी के लगभग दो दर्जन सांसदों ने भी विपक्ष से हाथ मिला लिया था। इमरान के खिलाफ बगावत कर दी थी। इसी क्रम में 18 मार्च को पाकिस्तान के सिंधु हाउस में छिपे इन सांसदों के खिलाफ लोगों ने लोटे लेकर प्रदर्शन किया था। इस प्रदर्शन में लोग इस कदर नाराज थे कि केवल बागी सांसदों के खिलाफ नारेबाजी ही नहीं की गई, बल्कि लोटों को पैरों तले कुचला भी गया। पाकिस्तान की राजनीति के रंगढंग भी अजब है। वहां की राजनीति में यदि किसी को लोटा कह दिया तो वह उसके लिए अपमानजनक है। लोटा यानी निष्ठा से कमजोर व्यक्ति। इसका प्रयोग दलबदलू राजनेताओं के लिए किया जाता है। सिंध भवन के बाहर हुए प्रदर्शन में इमरान की पार्टी के ऐसे ही नेताओं उधर लोटा। वीडियो में इमरान ने लोटा की परिभाषा भी बताई है कि केवल कमजोर पार्टी से बड़ी पार्टी में जाने वाले को ही लोटा कहा जा सकता है, बड़ी पार्टी से कमजोर पार्टी में पाला बदलने वाले को नहीं। रोचक यह है कि इस संदर्भ में इमरान अपनी पार्टी को कमजोर पार्टी बताते हैं यानी कि किसी और पार्टी से उनके दल में आने वाले दलबदलू लोटा नहीं होंगे, लेकिन उनकी पार्टी से किसी और पार्टी में जाने वाले नेता लोटा कहलाएंगे। इमरान खान ने लोटा प्रकरण में मुहम्मद अली जिनन का भी नाम लिया और वीडियो में कहते है कि सिर्फ पार्टी बदलना लोटा होना नहीं है जिनन ने भी पार्टी बदली थी इसलिए पार्टी बदलना कोई गुनाह नहीं है यह वीडियो तब का है इमरान खान की पार्टी सत्ता में नहीं थी।

असम में तूफान और भारी बारिश से 14 लोगों की गई जान, हजारों की संख्या में घर हुए क्षतिग्रस्त

गुवाहाटी। देशभर में फिलहाल गर्मी का प्रकोप जारी है और कई राज्यों में पारा बढ़ता जा रहा है। वहीं, असम में मौसम ने एकदम से करवट ली है। यहां कल रात हुई तेज आंधी-तूफान और भारी बारिश ने काफी नुकसान पहुंचाया है। विभिनन जिलों में तूफान, बिजली गिरने और भारी बारिश से कई लोगों के मरने की बात सामने आई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार कल राज्य में बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हुई थी जिसकी संख्या अब बढ़कर 14 पहुंच गई है। प्राधिकरण द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 592 गांवों को भारी बारिश से नुकसान हुआ है और 20 हजार से ज्यादा लोग इससे प्रभावित हुए हैं। बिजली गिरने और आंधी तूफान से लगभग 6000 कच्चे और पक्के मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। वहीं 900 के करीब कच्चे और पक्के मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बताया जा रहा है कि दुकानों और कई संस्थानों को भी इसमें काफी नुकसान हुआ है। प्राधिकरण ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है। असम के दीमा हसाओ जिले के केलोलो गांव के पास बड़े पैमाने पर भूस्खलन के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 54 ई पर कई वाहन फंस गए थे। नेशनल हाईवे पर भारी ट्रैफिक जाम देखा गया और कई वाहन कीचड़ में फंस गए। पिछले कुछ दिनों में लगातार बारिश के बाद पहाड़ी जिले में बड़े पैमाने पर भूस्खलन की घटना हो रही है। भूस्खलन से सड़क के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए है और लोगों को भी आने जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि इसी तरह की स्थिति पिछले साल भी बारिश के मौसम में हुई थी। इस बीच, एनएचएआई और जिला प्रशासन मलबा हटाने और सड़क को साफ करने में जुटे है।

हुबली में भी हनुमान जन्मोत्सव के दिन भड़की हिंसा, मंदिर और पुलिस स्टेशन पर पथराव के बाद धारा १४४ लागू

हुबली। देश के कई राज्यों में कल हनुमान जन्मोत्सव के बीच हिंसा की घटनाएं सामने आई है। इस बीच कर्नाटक में भी कल पुराने हुबली पुलिस स्टेशन पर भीड़ द्वारा पथराव करने के बाद शहर में धारा 144 लागू कर दी गई है। कल रात घटी इस घटना में चार पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। बता दें कि थाने के बाहर जमा हुई भीड़ को अचानक हिंसक होते और पथराव करते देख पुलिस को लाठीचार्ज तक करना पड़ा। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े जिसके बाद लोग हटना शुरू हुए और मामला ठंडा पड़ा। जानकारी के अनुसार भीड़ ने आपत्तिजनक व्हाट्सएप स्टेटस रखने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर थाने के बाहर ये हिंसक प्रदर्शन किया है। प्रदर्शनकारियों द्वारा पास के हनुमान मंदिर और एक अस्पताल से पथराव करने की भी खबरें हैं। पुलिस आयुक्त लाभू राम ने घटना की जानकारी देते हुए कहा, ठ पुराने हुबली पुलिस स्टेशन में पथराव की घटना हुई है जिसमें एक इंस्पेक्टर सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। पूरे शहर में धारा 144 लागू कर दी गई है और स्थिति नियंत्रण में है। मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। कर्नाटक के कोलार जिले में भी कुछ दिन पहले पथराव की घटना सामने आई थी। वहां के मुलबगल इलाके में रामनवमी पर निकाली जा रही शोभा यात्रा पर उपद्रवियों ने पथराव कर दिया था जिसके बाद तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। पुलिस ने हिंसा को बढ़ते देख पूरे जिले में धारा-144 लगा दी थी और 5 लोगों को इस मामले में गिरफ्तार भी कर लिया था। कल हनुमान जन्मोत्सव पर निकाली गई शोभायात्रा के दौरान दिल्ली के जहांगीरपुरी और उत्तराखंड के हरिद्वार में हिंसा की खबर सामने आई है। उपद्रवियों ने लोगों और वाहनों पर पथराव किया और आगजनी भी की जिसमें कई लोग घायल हुए है। घटना के बाद भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। इन दोनों राज्यों में हुई हिंसा के बाद उत्तर प्रदेश को भी हाई अलर्ट कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

लोहा गरमः पांच दिन में 5000 रुपये बढ़ा रेट

जालंधर। अचानक बढ़ लोहे के दामों ने पंजाब के उद्यमियों की टेंशन बढ़ा दी है। पिछले पांच दिन में ही लोहे के रेट में करीब पांच हजार रुपये प्रति टन का इजाफा हो गया है। महानगर में 12 अप्रैल को लोहे का रेट 56200 प्रति टन था, जो मंगलवार को 61100 प्रति टन जा पहुंचा है। परिणाम स्वरूप एक्सपोर्ट करने वाले और देश के भीतर सप्लाई देने वाले हैंड टूल एवं ऑटो पार्ट्स मैन्युफैक्चर्स को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। लोहे की कीमतों में हो रही बेतहाशा वृद्धि की कोई ठोस वजह भी सामने नहीं आ रही है जबकि हैंड टूल व आटो पार्ट्स मैन्युफैक्चरर निरंतर नुकसान उठा रहे हैं। लोहे की कीमतों में गत मई महीने से लेकर अब तक लगभग 15 हजार रुपये प्रति टन का इजाफा हो चुका। कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। जनवरी में लोहे की कीमत 46500 प्रति टन थी जो अब 61000 को भी पार कर गई है। प्रमुख हैंड टूल निर्माता कंपनी विक्टर टूल्स के संचालक अश्विनी कुमार ने कहा कि लोहे की कीमतों में हुई बेतहाशा वृद्धि के चलते हर महीने उन्हें लोहे की खरीद में 30 से 35 लाख रुपये अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे हैं। जो ओवरसीज आर्डर पुरानी कीमतों के मुताबिक बुक किए जा चुके है, उन्हें भिजवाने के लिए लगातार घाटा बढ़ रहा है। कंपनी को अपनी साख बचाने के लिए मजबूरी में ऐसा करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अगर हैंड टूल कंपनियां अपनी कीमत बढ़ाती हैं तो उसे लागू होने में भी आगामी कुछ महीने लग सकते हैं, लेकिन नुकसान तो आज की तारीख में उठाना पड़ रहा है।

अंतराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ ने ड्रोन पर फायरिंग कर लौटाया, एक पाक घुसपैठिया गिरफ्तार

अमृतसर। पाकिस्तान अपनी नापाक हरकत से बाज नहीं आ रहा है। अंतराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ ने जहां पाकिस्तानी ड्रोन को फायरिंग कर लौटाया, वहीं एक पाक घुसपैठिये को गिरफ्तार कर लिया। अजनाला सेक्टर स्थित बीओपी भैणिया के पास बीएसएफ के जवानों ने बुधवार की तड़के पाकिस्तानी ड्रोन देखा। जैसे ही बीएसएफ की 173 बटालियन ने ड्रोन पर फायरिंग की तो ड्रोन वापस पाकिस्तानी सीमा में प्रवेश कर गया। इसके बाद बीएसएफ के जवानों ने पुलिस कर्मियों के साथ सर्च अभियान चलाया। आशंका है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के इशारे पर ड्रोन ने भारतीय क्षेत्र में हेरोइन या फिर हथियारों की खेप गिराई हो। बुधवार की शाम तक चलाए गए सर्च अभियान में सुरक्षा एजेंसियों को कुछ नहीं मिला। वहीं, बीएसएफ ने खेमकरण सेक्टर से बुधवार सुबह साढ़े दस बजेएक पाक घुसपैठिये को गिरफ्तार उसके कब्जे से 2299 रुपये की पाकिस्तानी करंसी, सिगरेट और लाइटर बरामद किया गया है।

हनुमान जयंती पर ब्लॉक कांग्रेस ब्योहारी ने किया सुंदरकांड पाठ का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्योहारी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी द्वारा शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर नगर के बहु प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में पंडित श्री प्रेमदास द्वारा हनुमान जी स्वामी की विधिवत पूजा अर्चना कर सुंदरकांड पाठ व हनुमान चालीसा पाठ का सुभारंभ किया गया व कार्यक्रम में उपस्थित समस्त भक्तजनों ने प्रभु हनुमान जी की आरती की व समुचा मंदिर परिसर हनुमान जी के जयकारे से गूंज उठा मंदिर में उपस्थित भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने हनुमानजी के आशीर्वाद प्राप्त किया तत्पश्चात ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी के अध्यक्ष विनोद ताम्रकार द्वारा समस्त श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया और देश प्रदेश की उन्नति शांति खुशहाली की प्रार्थना की कार्यक्रम में भारी हर्षोल्लास के साथ एकत्र हुए आम जन मानस व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तन मन से प्रभु हनुमान जी की आराधना की कार्यक्रम में मुख्य रूप से यह रहे उपस्थित हरेंद्र सिंह नारेन्द्र पांडे सतेन्द्र त्रिपाठी पिंटू प्रकाश ताम्रकार हरिशंकर कोरी पुष्पेंद्र परौहा पुष्पेंद्र पटेल विक्रम सिंह बघेल आयुष ताम्रकार जयकरण सिंह अरविंद पाण्डेय पप्पू साकेत मुकेश तिवारी उदयवीर सिंह गीता कोल कथावाचक प्रेमदास चतुर्वेदी साथीयों सहित किर्तन भजन किया गया।

सीएम नीतीश कुमार को दावत देंगे तेजस्वी यादव! इफ्तार पार्टी में दिखेगा बोचहां की जीत का भी जश्न

पटना। बिहार में मकर संक्रांति और इफ्तार के नाम पर भी राजनीतिक प्रदर्शन की परंपरा रही है। नीतीश कुमार और लालू प्रसाद की इफ्तार पार्टी काफी चर्चित रही है, किंतु पिछले करीब पांच वर्षों से लालू की जेल यात्रा के बाद से राजद ने कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। बाद में कोरोना संक्रमण के चलते अन्य दलों ने भी दूरी बना ली थी। अब फिर शुरू हुआ है तो तामझाम का अंदाज भी वैसा ही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दावत के बाद हफ्ते भर के भीतर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी 22 अप्रैल को इफ्तार की दावत रखी है। आयोजन बड़ा है इसलिए तैयारी भी बड़ी है। मंशा है कि दावत के बहाने ही बोचहां एवं विधान परिषद के चुनाव में राजद को मिली जीत के जशन का भी प्रदर्शन हो जाए। इसलिए प्रदेश के सभी जिलों से मुस्लिम समाज के साथ अन्य लोगों को आमंत्रित किया गया है। राजद के प्रदेश महासचिव विनोद यादव का दावा है कि राज्य भर से 15 हजार से ज्यादा लोग आने वाले हैं। पांच दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इफ्तार पार्टी में राजद, कांग्रेस समेत तमाम दलों के नेताओं को आमंत्रित किया था। राजद के वरिष्ठ नेता रामचंद्र पूर्वे एवं कांग्रेस विधायक शकील अहमद खान पहुंचे भी थे। माना जा रहा है कि तेजस्वी

भी नीतीश कुमार को आमंत्रित कर सकते हैं। सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी देवी के आवास में इफ्तार पार्टी की तैयारियां तेज हैं। अलग-अलग दस कमेटियां बनाकर सबकी जिम्मेवारियां तय कर दी गई हैं। राजद के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक एवं तनवीर हसन ने बुधवार को इसकी समीक्षा की। परिसर में बनाए जा रहे सभी चार पंडालों का निरीक्षण किया। सांसदों-विधायकों एवं राजद के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के लिए वीवीआइपी पंडाल बनाया गया है। मीडिया के लिए अलग व्यवस्था है। सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी देवी के आवास में इफ्तार पार्टी की तैयारियां तेज हैं। अलग-अलग दस कमेटियां बनाकर सबकी जिम्मेवारियां तय कर दी गई हैं। राजद के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक एवं तनवीर हसन ने बुधवार को इसकी समीक्षा की। परिसर में बनाए जा रहे सभी चार पंडालों का निरीक्षण किया। सांसदों-विधायकों एवं राजद के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के लिए वीवीआइपी पंडाल बनाया गया है। मीडिया के लिए अलग व्यवस्था है। तेजस्वी ने कहा कि सरकार में बैठे लोगों को राज्य के उत्थान, समृद्धि, शांति एवं विकास के बारे में सोचना चाहिए, लेकिन इसके उलट ये लोग सांप्रदायिक और जातीय आग लगाने के काम में लगे हैं, ताकि लोग एक दूसरे से नफरत करें। बदले की आग में सुलगते रहें तथा किसी का ध्यान सरकार की नाकामी की ओर न जाए। लोग बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली, अपराध, किसानों-युवाओं की अनदेखी जैसे मुद्दों पर सवाल नहीं पूछें और सरकार के लोग समाज में अपनी सियासी रोटी सेंकते रहें। जाहिर है, बिहारवासियों को ही स्वयं अपना भला-बुरा सोचना होगा। तेजस्वी ने कहा कि बिहार के युवाओं अपने हक के लिए सरकार से निरंतर सवाल करते रहना चाहिए, क्योंकि इस सरकार ने दो पीढ़ियों के वर्तमान एवं भविष्य को बर्बाद किया है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किया करोना काल के बकाया घरेलू बिजली बिल माफ

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

सतना। सतना लोकसभा के यशस्वी सांसद माननीय श्री गणेश सिंह जी के निर्देशानुसार सतना जिले के अंतर्गत सभी विद्युत वितरण केंद्रों पर प्रभारी नियुक्त किया गया है जिसमें मैहर विधानसभा के अंतर्गत नादन विद्युत वितरण केंद्र के प्रभारी सांसद प्रतिनिधि श्री विश्वनाथ सिंह तिवारी मोबाइल नंबर 9425 1741 73 एवं सह प्रभारी जिला कार्यसमिति सदस्य विष्णुनाथ पाण्डेय मोबाइल नंबर 78 28456667 जी को नियुक्त किया गया है सभी विद्युत उपभोक्ता बिजली बिल बकाया माफी फॉर्म भरकर उसके साथ बकाया बिजली बिल की फोटोकॉपी या उपभोक्ता द्वारा पहले ही अगर बिजली का बिल जमा कर दिया गया है तो उसकी फोटोकॉपी संलग्न कर प्रभारी एवं सह प्रभारी के समक्ष जमा करें या करावे साथ ही विद्युत वितरण केंद्र नादन द्वारा तारीख तय कर कैंप रखा जावेगा जहां पर उपभोक्ता उपस्थिति अनिवार्य होगी ताकि उपभोक्ता के समक्ष बिजली बिल माफी का प्रमाण पत्र दिया जा सके वा जिनका बिल जमा हो चुका है उनको समाधान योजना अंतर्गत उस राशि को अग्रिम बिल जमा समायोजित किया जा सके। मध्य प्रदेश के एसएससी मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान जी के द्वारा लिए गए ऐतिहासिक फैसले पर मध्य प्रदेश के सतना जिले के लाखों विद्युत उपभोक्ताओं की ओर से माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं माननीय यशस्वी सांसद श्री गणेश सिंह जी का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद प्रकट करते हैं।

लोगों को लगेगा महंगाई का एक और झटक दिल्ली में आटो-टैक्सी से सफर होगा महंगा

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में आटो और टैक्सी से सफर करना महंगा होने की संभावना है। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार ने बुधवार को राजधानी में आटो-टैक्सी के किराये में संशोधन के लिए 13 सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है। कमेटी 30 दिन में सरकार को रिपोर्ट देगी। दिल्ली सरकार की ओर से कहा गया है कि पिछले कुछ महीनों में

देशभर में ईंधन और सीएनजी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है और इस वजह से इन वाहन चालकों और मालिकों के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। आटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के हितो को ध्यान में रखते हुए किराया संशोधन कमिटी गठित करने का फैसला किया गया है। किराया संशोधन कमेटी का गठन मोटर वाहन अधिनियम-1988 के तहत अधिसूचित किया गया है। बता दें कि सीएनजी की कीमतों में 2.5 रुपये की बढ़ोतरी के बाद आटो, टैक्सी और कैब चालकों के सदस्य सोमवार को हड़ताल पर चले गए थे। सरकार को आटो और टैक्सी यूनियनों से कई तरह के आवेदन भी मिले थे, जिसमें सीएनजी पर किराया और सब्सिडी बढ़ाने जैसी विभिनन्न मांगें रखी गई थीं। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा है कि ईंधन की बढ़ती कीमतों से प्रभावित वाहन चालकों और मालिकों की स्थिति को सरकार अच्छी तरह समझ रही है। उन्होंने कहा कि मैंने पिछले दो दिनों में कई आटो और टैक्सी यूनियनों से मुलाकात की है और उन विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की है, जिनका वे सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम एक ऐसा समाधान लेकर आएंगे जो ड्राइवरों,मालिकों और यात्रियों के लिए समान रूप से अनुकूल हो। बता दें कि इस महीने सीएनजी की कीमतों में तीसरी बार बढ़ोतरी हुई है। राजधानी में अभी सीएनजी की कीमत 71.61 रुपये प्रति किलो है। गौरतलब है कि राजधानी में वर्तमान में नए पंजीकृत ई-आटो समेत लगभग 97 हजार आटो हैं, जिनमे 12,000 काली-पीली टैक्सी और 50 हजार इकोनामी रेडियो टैक्सी भी शामिल हैं। इन सभी श्रेणियों को नए किराये से लाभ होने की उम्मीद है। सरकार ने इससे पहले जून 2019 में आटो-टैक्सी का किराया बढ़ाया था। 2019 में आटो का किराया बढ़ाया गया था। उस समय किराया 25 प्रतिशत बढ़ाया गया था किराये में 1.5 किमी के लिए 25 रुपये चुकाने पड़ते हैं। शुरुआती किराया डेढ़ किलोमीटर की जगह एक किलोमीटर पर 25 रुपये की मांग की गई है। पहले के एक किलोमीटर के बाद प्रति किलोमीटर दो रुपये बढ़ोत्तरी की मांग की गई है। रनिंग वेटिंग का किराया 75 पैसे प्रति मिनट की जगह एक रुपये कर दिए जाने की मांग की गई है। काली पीली टैक्सी और इकोनामी रेडियो टैक्सी का भी किराया बढ़ाए जाने की मांग की गई है।

टेरर फंडिंग से जुड़ रहे जहांगीरपुरी में हुई हिंसा के तार

नई दिल्ली। हनुमान जन्मोत्सव के दौरान जहांगीरपुरी में हुई हिंसा के टेरर फंडिंग से जुड़ते दिखाई दे रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक हिंसा के आरोपितों से पूछताछ के दौरान क्राइम ब्रांच को न सिर्फ यह पता चला है कि हिंसा के लिए सुनियोजित साजिश रची गई थी, बल्कि यह बात भी सामने आई है कि विदेश से फंडिंग भी की गई है। यह फंडिंग किन संगठनों ने की है,

इसकी जानकारी जुटाने के लिए पुलिस ने आरोपितों के बैंक खातों के साथ ही हवाला संपर्की को भी खंगालना शुरू कर दिया है। इससे जांच की दिशा भी बदलती दिखाई दे रही है। दरअसल, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच गिरफ्तार आरोपितों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। आरोपितों से मिल रहे सुराग के आधार पर पुलिस हिंसा के लिए जिम्मेदार व शामिल आरोपितों की धरपकड़ भी कर रही है। वहीं, पुलिस सूत्रों के मुताबिक जिस तरह से उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगे में टेरर फडिंग की बात जांच में सामने आई थी। उसी तरह से जांच की दिशा जहांगीरपुरी हिंसा की भी बदलती दिखाई दे रही है। प्राथमिक जांच में जहांगीरपुरी हिंसा में भी उसी तरीके से फंडिंग किए जाने की बात सामने आ रही है। जिस तरह से उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दो साल पहले हुए दंगे में फंडिंग की गई थी। वहीं, पुलिस अधिकारी इस बारे में अभी कुछ भी कहने से बच रहे हैं और सुबूतों को जुटाने में लगे हुए हैं। इसके लिए पुलिस गिरफ्तार आरोपितों व उनके स्वजन व रिश्तेदारों के बारे में जानकारी जुटाकर उनके बैंक खातों की जांच कर रही है। इनके हवाला संपर्कों को भी खंगाला जा रहा है। पुलिस आरोपितों के मोबाइल के लोकेशन व काल डिटेल्स के आधार भी जांच को आगे बढ़ा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अंसार पूछताछ में बहुत ज्यादा सहयोग नहीं कर रहा है, लेकिन वह जितना कुछ बता रहा है। उससे यह पता लग रहा है कि उसने किसी मास्टरमाइंड के निर्देश पर हिंसा की साजिश रची और खुद मौके पर आकर अंजाम भी दिया। पुलिस अधिकारियों का यह मानना है कि अब तक गिरफ्तार आरोपित अंसार, सलीम उर्फ चिकना, उसका भाई सोनू उर्फ यूनुस , गुलाम रसूल उर्फ गिल्ली आदि अनपढ़ हैं।

बिहार में लू का अलर्ट, हीट स्ट्रोक से बचने के लिए करें ये आठ काम; ऐसे लक्षण हों तो तुरंत जाएं अस्पताल

पटना। राजधानी का तापमान कई दिन से 41-42 डिग्री सेल्सियस रह रहा है। अस्पतालों में समय पूर्व ही हीट स्ट्रोक (लू) मरीजों के उपचार के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। साथ ही अस्पतालों में भर्ती हीट स्ट्रोक के मरीजों, उनकी हालत और मृत्यु होने की स्थिति में कारण प्रमाणित कर विभाग को सूचित किया जाएगा ताकि उन्हें अनुदान राशि मिल सके। इसके अलावा हर ओपीडी के बाहर हीट स्ट्रोक से बचाव की जानकारी चस्पा कराई गई है। हीट स्ट्रोक से बचने के लिए कुछ खास उपायों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके साथ ही चिकित्सकों को कहना है कि अगर त्वचा गर्म और लाल हो, पसीना नहीं आए आदि लक्षण दिखे तो तुरंत अस्पताल जाना चाहिए। सिविल सर्जन डा. विभा कुमारी सिंह ने बताया कि पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों), रेफरल, अनुमंडलीय अस्पतालों के प्रभारियों को हीट स्ट्रोक रोगियों की सूचना मिलते ही उन्हें एसी एंबुलेंस से अस्पताल लाने और संभव हो तो एसी रूम में बेड रिजर्व रखने के निर्देश दिए हैं। ऐसे रोगियों को तुरंत दोहरा उपचार मुहैया कराने के लिए पर्याप्त मात्रा में आइवी फ्लूयूड, आइवी सेट, दवाएं व ओरआरएस मुहैया करा दिया गया है। सिविल सर्जन ने बताया कि राजधानी का तापमान 42 डिग्री तक पहुंच गया है। ऐसे में लगातार एक या दो घंटे कड़ी धूप

में रहने से शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है। इससे शरीर के आंतरिक अंगों विशेषकर मस्तिष्क को नुकसान पहुंचता है। इससे बचाव के लिए रोगियों के शरीर के तापमान को तुरंत कम करना जरूरी होता है। इलाज में देरी होने से मस्तिष्क व किडनी को गंभीर क्षति हो सकती है और कई बार रोगी की मौत भी हो जाती है। त्वचा गर्म और लाल हो, पसीना नहीं आए, नाड़ी व सांस की गति तेज हो जाएं, डर-हताशा, कमजोरी, थकान, सिरदर्द, उल्टी, व्यवहार में परिवर्तन, भ्रम की स्थिति, चलने में परेशानी, बेहोशी इसके लक्षण हैं। ऐसे में मरीज को तुरंत छांव व हवादार जगह में जाने के साथ नजदीकी अस्पताल जाना चाहिए। यूं तो देर तक धूप में रहने पर किसी को भी यह हीट स्ट्रोक हो सकता है लेकिन 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, 65 वर्ष से अधिक के बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं को इसका ज्यादा खतरा होता है। धूप में जाना ही पड़े तो लगातार नहीं रहें, बीच-बीच में छांव या ठंडी जगह पर आराम करें। पानी, लस्सी, छांछ, आमपना, शिकंजी का सेवन करते रहें। हल्के रंग के सूती और ऐसे ढीले कपड़े पहन कर बाहर जाएं जिससे शरीर का अधिकतर हिस्सा ढंका रहे। खाना बनाते समय खिड़की-दरवाजे खुले रखें ताकि रसोईघर का तापमान अधिक नहीं होने पाएं और बीच-बीच में दूसरे ठंडे कमरे जाकर आराम करें। चाय-काफी, उच्च प्रोटीन युक्त पदार्थ जैसे दालें, मांस, सूखे मेवे आदि और बासी भोजन का सेवन नहीं करें।यदि थकावट या शरीर में ऐंठन जैसे हल्के लक्षण भी हों तो तुरंत डाक्टर से सलाह लें। बच्चों व पालतू जानवरों को धूप में खड़े बंद वाहन में नहीं छोड़ें।

डीडीएमए के कोई पाबंदी नहीं लगाने के फैसले से दिल्ली के कारोबारियों को बड़ी राहत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में फिर से कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों से पाबंदियों को लेकर चिंतित यहां के कारोबारियों को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने फौरी राहत दी है। डीडीएमए ने संक्रमण बढ़ने के चलते पहले कदम के रूप में मास्क की अनिवार्यता पर ही जोर दिया है। इससे

कारोबारी संगठन राहत में हैं कि डीडीएमए ने बाजारों पर किसी तरह की पाबंदी नहीं लगाई है। अन्यथा शादियों के इस सीजन में बड़ी मुश्किलें आ जातीं और कारोबार में गिरावट की स्थिति भी आती चैंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआइ) के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि बाजारों पर किसी भी तरह की पाबंदी ठीक नहीं है। वैसे भी कोरोना संक्रमण के आ रहे मामले घातक नहीं हैं। लोग घरों में रहकर ही ठीक हो जा रहे हैं। ऐसे में डीडीएमए का यह फैसला स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि मास्क पहनकर संक्रमण को बढ़ने से काफी हद तक रोका जा सकता है। इधर, कंफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि लोग मास्क लगाना भूल गए थे। सभी ने मान लिया था कि कोरोना चला गया है, इसलिए मास्क को अनिवार्य कर डीडीएमए ने अच्छा कदम उठाया है। प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि मास्क के प्रति एक बार फिर से जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी है। दिल्ली के सभी कारोबारी संगठनों से बातचीत कर इसे दुकानों के बाहर-भीतर लागू कराया जाएगा। मास्क नहीं पहनने पर 500 रुपये का चालान तय हो गया है, लेकिन जिला प्रशासन पहले मास्क पहनाने पर जोर देगा। मध्य दिल्ली के अपर जिलाधिकारी (एडीएम) नागेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि जागरूकता के मद्देनजर कुछ नौ टीमें गठित की गई हैं। सब डिवीजन में तीन टीमें तैनात रहेंगी, जो लोगों को मास्क के प्रति जागरूक करेंगी। पहले के कुछ दिन लोगों को फिर से मास्क के प्रति जागरूक करने पर ही जोर रहेगा।

दिल्ली में फिर मास्क की एंट्री कोरोना के केस बढ़ने पर डीडीएमए ने लिए कई फैसले

नई दिल्ली। कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली में एक बार फिर मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। मास्क नहीं लगाने पर 500 रुपये का जुर्माना देना होगा। इस आशय का फैसला बुधवार को हुई दिल्ली आपदा प्रबंध

प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक में लिया गया। दूसरी तरफ स्कूल अभी खुले रहेंगे। स्कूलों में फिजिकल कक्षाएं जारी रखने का फैसला लिया गया है। हालांकि, बेहतर प्रबंधन के लिए जल्द ही नई गाइडलाइन जारी की जाएगी। लोगों के किसी स्थान पर एकत्रित होने पर भी किसी तरह का अभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, लेकिन सभी तरह की सभाओं पर करीब से नजर रखी जाएगी उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में हुई डीडीएमए की इस बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन सहित कई अन्य विशेषज्ञों के साथ सलाह-मशविरा के बाद ही सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाना अनिवार्य करने और उल्लंघनकर्ताओं पर 500 रुपये जुर्माना लगाने का फैसला किया गया। इस दौरान राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए शहर में कोविड-टेस्टिंग बढ़ाने, वैक्सीनेशन पर अधिक जोर देने, स्कूलों को अभी बंद नहीं करने सहित सामाजिक समारोह पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए। डीडीएमए की बैठक के बाद दिल्ली सरकार जल्द ही अनिवार्य रूप से मास्क का उपयोग करने के संबंध में एक आदेश भी जारी कर सकती है। सूत्रों का कहना है कि अधिकारियों को सामाजिक समारोहों पर कड़ी नजर रखने और राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 जांच की संख्या बढ़ाने को कहा गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी लगातार पूरी स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग अस्पतालों में सुविधाओं सहित उपकरण एवं दवाओं का पर्याप्त स्टाक सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है।

जीशान खान ने गुस्से में आजमा फलाह पर उठाया हाथ, कंगना रनोट ने लिया बड़ा फैसला

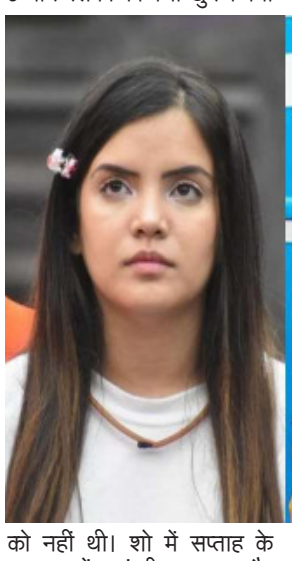

नई दिल्ला। बॉलीवुड 'क्वीन' कंगना रनोट होस्टेड रिएलिटी शो 'लॉकअप' इन दिनों काफी चर्चा में बना हुआ है। इस शो में कंटेस्टेंट के बीच गुस्सा, विवाद और झगड़े देखने के मिल रहे थे। लेकिन अब 'लॉकअप' में जो हुआ उसकी उम्मीद दर्शकों को क्या खुद कंगना

को नहीं थी। शो में सप्ताह के शुरुआत में जहां जीशान खान और आजमा फलाह के बीच जबरदस्त लड़ाई-झगड़ा देखने को मिला। ये झगड़ा इतना बढ़ गया कि जीशान ने आजमा पर हाथ उठा दिया। वहीं जीशान की इस हरकत पर कंगना ने अपना रिएक्शन दिया है। आइए जानते हैं पूरा मामला दरअसल, 'लॉकअप' के लेटेस्ट एपिसोड में दिखाया गया कि जीशान खान और आजमा फलाह के बीच जमकर लड़ाई होती है। इस झगड़े में आजमा ने जीशान की गर्लफ्रेंड रिहाना पंडित का नाम बीच में खींचा और उन्हें गुस्से में उल्टा- सीधा कहने लगीं। जीशान लगातार आजमा को मना करता रहा कि वो रिहाना को बीच में न लें, लेकिन वो मानने को तैयार ही नहीं थीं। बात तो यहां तक बढ़ जाती है कि जब आजमा मानती नहीं तब जीशान इतना गुस्से में आ जाते हैं कि वह उनका सारा सामान फेंक देते हैं। आजमा का मेकअप का सामान उनकी दवाइ्यां, उनका सूटकेस सब उठाकर नीचे फेंक देते हैं। वो आजमा को कहते है कि, 'उसे बोलो चुप रह, मैं उसका मुंह पकड़कर उसके जबड़ों को अलग कर दूंगा और टुकड़े कर दूंगा।' वहीं जब जीशान, आजमा को मारने आते हैं तो बाकी सारे लोग उन्हें रोक लेते है। वहीं जीशान, आजमा के हाथ से झाड़ू छीनकर उनके चेहरे पर मार देते है। वही जब पायल रोहतगी जीशान को रोकने के लिए आती हैं तो वो उन्हें भी धक्का दे देते हैं। बता दें कि शो में अभी तक इतनी जबरदस्त लड़ाई किसी के बीच नहीं हुई है। होस्ट कंगना रनौत और करण कुंद्रा दोनों ने इसके खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दी है। वही कंगना ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर कर जीशान की इस हरकत पर गुस्सा जाहिर किया है। कंगना ने लिखा, 'मैंने लॉक अप में जीशान खान और आजमा फलाह के बीच कल हुई घटना को नोट किया है और दृढ़ विश्वास है कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'

केजीएफ 2 ' ने सोमवार को छीन लिया 'बाहुबली 2 ' का यह रिकॉर्ड, 200 करोड़ क्लब में पहुंचने वाली सबसे तेज फिल्म

नई दिल्ला। कनन्ड़ सिनेमा की फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 हिंदी बेल्ट में भी धमाल मचा रही है। दर्शकों के बीच इस फिल्म की दीवानगी का आलम यह है कि फिल्म एक के बाद एक रिकॉर्ड धराशायी करती जा रही है। अब रिलीज के पांचवें दिन केजीएफ 2 हिंदी ने एक नया

कीर्तिमान कायम किया है। केजीएफ 2 (हिंदी) 200 करोड़ का कलेक्शन करने वाली सबसे तेज भारतीय फिल्म बन गयी है। इससे पहले यह रिकॉर्ड एसएस राजामौली की फिल्म बाहुबली 2- द कन्कूजन के नाम था, जिसने 200 करोड़ जुटाने में छह दिनों का वक्त लिया था। ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार, केजीएफ 2 ने पहले सोमवार को 25.57 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया है, जिसके साथ फिल्म का 5 दिनों का नेट कलेक्शन अब 219.56 करोड़ हो चुका है। बॉक्स ऑफिस पर केजीएफ 2 धुआंधार रफ्तार से चल रही है, जिसके देखते हुए लगता है कि आने वाले समय में और भी कई रिकॉर्ड्स ध्वस्त होने वाले हैं। 14 अप्रैल को रिलीज हुई फिल्म के कलेक्शंस देखें तो केजीएफ 2 ने 53.95 करोड़ की झननटेदार ओपनिंग ली थी। इसके बाद शुक्रवार को 46.79 करोड़, शनिवार को 42.90 करोड़ और रविवार को 50.35 करोड़ जमा किये थे। अगर इस साल रिलीज हुई फिल्मों की बात करें तो केजीएप 2 हिंदी तीसरी फिल्म है, जो 200 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। इससे पहले यह कारनामा द कश्मीर फाइल्स और आरआरआर कर चुकी हैं, मगर दोनों ही फिल्मों ने 200 करोड़ तक पहुंचने में 13 दिन लिये थे। केजीएफ 2 हिंदी की यह कामयाबी वाकई चौंकाने वाली है, क्योंकि कनन्ड़ सिनेमा की इस लोकप्रिय फ्रेंचाइजी की फिल्म केजीएफ चैप्टर-1 ने सिर्फ 44 करोड़ का लाइफ टाइम कलेक्शन किया था। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी। केजीएफ 2 का निर्देशन प्रशांत नील ने किया है और फिल्म में कनन्ड़ सुपर स्टार यश रॉकीभाई के रोल में हैं, जबकि संजय दत्त ने विलेन अधीरा का किरदार निभाया है। फिल्म में रवीना टंडन भी एक अहम किरदार में नजर आ रही हैं।

एक नये सफर पर थॉर, देखिए मारवल स्टूडियो की फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर

नई दिल्ला। एवेंजर्स एंडगेम के बाद थॉर एक बार फिर नये सफर पर निकलने की तैयारी में है, मगर इस बार मामला लव और थंडर का है। मारवल स्टूडियो की अगली पेशकश थॉर- लव एंड थंडर का ट्रेलर और पोस्टर रिलीज डेट के साथ सोमवार को रिलीज कर दिया गया है। थॉर- लव एंड थंडर का एमसीयू डेब्यू है। थॉर- लव एंड थंडर 8 जुलाई को सिनेमाघरों में हिंदी, अंग्रेजी, तमिल तेलुगु, कनन्ड़ और मलयालम में रिलीज हो रही है। थॉर की कहानी एवेंडर्स एंडगेम के बाद के कालखंड में दिखायी गयी है। फिल्म के ट्रेलर में भी एंडगेम के दौरान थॉर की कुछ झलकियां नजर आती हैं। थैनोस से जंग के बाद सभी मार डालना चाहता है। इस नई चुनौती से निपटने के लिए थॉर किंग वलकाइरी, कोर्ग और गर्लफ्रेंड जेन फॉस्टर यानी नैटली पोर्टमैन की मदद लेता है। थॉर और फैंस के लिए जेन फॉस्टर का किरदार चौंकाने वाला रहेगा, क्योंकि जेन थॉर के जादुई हैमर को थाम और संभाल सकती है, जो किसी और के लिए नामुमकिन है। थॉर और

निर्देशन ऑस्कर विजेता टाइका वैटिटी ने किया है, जबकि फिल्म में थॉर के किरदार में वापसी कर रहे हैं क्रिस हेमवर्थ और साथ में नजर आएंगी नैटली पोर्टमैन, क्रिश्चियन बेल और टेसा थॉम्पसन। द डार्क नाइट और द डार्क नाइट राइजेज में बैटमैन बन चुके बेल का यह एवेंजर्स अपनी-अपनी जिंदगी में लौट गये हैं। थॉर अपनी आंतरिक शांति के लिए एक नये सफर पर निकलता है, मगर उसके रिटायरमेंट के रंग में भंग डालने का काम करता है गॉड बुचर गॉर, जो एक अंतरिक्ष का किलर है। इस किरदार को क्रिश्चियन बेल निभा रहे हैं। गॉर सभी गॉड्स को जेन गॉड बुचर को बदला लेने से रोन और रहस्य को सुलझाने के लिए रोमांचक यात्रा पर निकलते हैं। थॉर- लव एंड वॉर थॉर- रैगनरोक का सीक्वल और एमसीयू की 29वीं फिल्म है। फिल्म में गाजिन्यन ऑफ गैलेक्सी की टीम भी नजर आएगी, जिनकी झलक ट्रेलर में भी दिखायी गयी है।

के जी एफ 2 की सफलता के बाद यश पत्नी राधिका पंडित और बच्चों के साथ बीच पर एन्जॉय करते आए नजर, देखें तस्वीरें

नई दिल्ला। केजीएफ चैप्टर 2 की सफलता के बाद अभिनेता यश अपनी पतनी राधिका और दो बच्चों के साथ बीच पर एन्जॉय करते नजर आ रहे हैत् यश की पतनी राधिका पंडित ने एक तस्वीर शेयर की हैत् इसमें उन्हें पति एक मच नीडेड ब्रेक की तरह हैत् वहीं यश भी मच नीडेड ब्रेक पर हैत् केजीएफ चैप्टर 2 ने वर्ल्ड वाइड 551.83 करोड़ रुपए की कमाई अब तक की हैत् राधिका ने इंस्टाग्राम पर सोमवार को तस्वीरें शेयर कीत् इसमें उन्हें बच्चों और पति के साथ एन्जॉय एक फैन ने लिखा है, 'इतनी बड़ी ब्लॉकबस्टर देने के बाद अब इस तरह चिल कर रहे हैं, जैसे कुछ नहीं हुआत' वहीं एक ने उन्हें 'कंप्लीट फैमिली मैन' बताया हैत् राधिका पंडित को पोस्ट को 222000 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं केजीएफ

यश और बच्चे आर्या और यथर्व के साथ बीच पर एंजॉय करते देखा जा सकता हैत केजीएफ चैप्टर 2 बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा व्यापार कर रही हैत् केजीएफ चैप्टर 2 को देखने के बाद फैंस कह रहे हैं कि यह उनके लिए करते देखा जा सकता हैत् फोटो में परिवार के अलावा कई सारे बीच टॉयज भी नजर आ रहे हैं राधिका पंडित अक्सर अपने परिवार की तस्वीरें शेयर करती हैत् कई फैन ने तस्वीरों पर प्यार बरसाया हैत् कई लोगों ने इसे 'फैमिली नंबर वन' बताया हैत् चैप्टर 2 में यश के अलावा संजय दत्त, श्रीनिधि शेट्टी और रवीना टंडन की अहम भूमिका हैत् यह फिल्म 14 अप्रैल को रिलीज हुई हैत् फिल्म कई भाषाओं में रिलीज हुई है अपने रिलीज से ही यह फिल्म कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर चुकी है।

बाबा सिद्दीकी की इफ्तार पार्टी में शहनाज गिल को शाह रुख खान ने लगाया गले, सोशल मीडिया ट्रेंड हुआ

नई दिल्ला। महाराष्ट्र के पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी ने हाल ही में मुंबई के ताज होटल में इफ्तार

पार्टी रखी। उनकी इस पार्टी में बॉलीवुड से लेकर टीवी सितारों तक ने शिरकत की। इसमें बॉलीवुड के किंग शाह रुख खान, अभिनेता सलमान खान, संजय दत्त, पंजाबी अभिनेत्री शहनाज गिल, टीवी अभिनेत्री रश्मि देसाई सहित कई सितारों ने हिस्सा लिया। इन सितारों की साथ में तस्वीरें भी जमकर वायरल हो रही है। इसमें शहनाज गिल और शाह रुख खान की तस्वीर भी शामिल है। बाबा सिद्दीकी की इफ्तार पार्टी की तस्वीरों को सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भियानी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। तस्वीर में शहनाज गिल शाह व्हाइट कलर के सलवार-सूट में नजर आ रही हैं। जिसमें वह काफी खूबसूरत दिख रही हैं। वहीं शाह रुख खान ब्लैक कुर्ता-पजामा में काफी स्मार्ट लग रहे हैं। तस्वीर में शाह रुख खान और शहनाज गिल एक-दूसरे को गले लगाते दिख रहे हैं। तस्वीरों में यह दोनों देखते ही बन रहे हैं। शाह रुख खान और शहनाज गिल के फैंस उनकी तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। यही वजह है जो सोशल मीडिया पर क्षेपर्ण्हुग्त् ट्रेंड कर रहा है। इन दोनों के फैंस सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। नाम के यूजर ने क्षेपर्ण्हुग्त् के साथ लिखा, 'सोशल मीडिया की बेस्ट फोटो।' र्ण्ब्रिूल् लिखते है, 'रानी बॉलीवुड के बादशाह के साथ।' र्भ्- नाम के ट्विटर हैंडल ने लिखा, 'जब मिस गिल किंग खान से मिलीं।' ए.ए ने लिखा, 'आज तो सिर्फ क्ष्र्एर्ं मूमेंट हो रहा है, शानदार दिन।' र्ृ र्ख्ेह??ऍंख् ने लिखा, 'शाह रुख खान ने शहनाज गिल को गले लगाया, मेरा सपना है कि मैं इन दोनों को गले लगाऊं।' इनके अलावा और भी कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट कर शाह रुख खान और शहनाज गिल की तारीफ की है। आपको बता दें कि शाह रुख खान जल्द फिल्म पठान में नजर आने वाले हैं। बीते दिनों इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई थी। फिल्म पठान में शाह रुख खान के साथ अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और अभिनेता जॉन अब्राहम नजर आने वाले हैं। वहीं शहनाज गिल सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 13 का हिस्सा रह चुकी हैं।

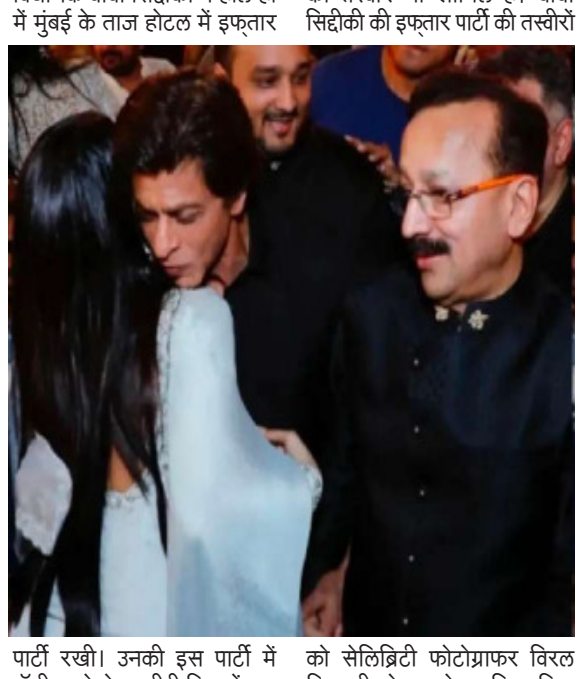

अमिताभ बच्चन का ये सवाल सुनते ही चकरा सकता है आपका दिमाग, शायद आपको पता हो इसका जवाब

नई दिल्ला। छोटे पर्दे पर आने वाला फेमस सवाल-जवाब शो 'कौन बनेगा करोड़पति' बीते काफी सालों दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। इस शो ने अबतक न जानें कितने लोगों को सपनों को पंख दिए, न जानें कितने

लोगों को मालामाल किया। देश के कोने-कोने से लोग इस शो में भाग लेने के लिए आते हैं और अपने सपनों को पूरा करने की ?कोशिश करते हैं। वहीं अब एक बार फिर से दर्शकों के बीच ये शो काफी चर्चा बना हुआ है। 'कौन बनेगा करोड़पति' के सीजन 14 के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी हैं। इसी के साथ ही बिग बी ने अपना दसवां सवाल भी पूछ लिया है। केबीसी का ये दसवां सवाल बेहद ही दिलचस्प है। शायद आप इसका जवाब भी जानते हों। तो फिर देर किस बात की अगर आप भी बिग बी के सामने हॉट सीट पर बैठकर अपनी किस्मत बदलना चाहते हैं तो रजिस्ट्रेशन में पूछे गए इस सवाल का सही उत्तर दें। साथ ही जानें इसके अप्लाई करने का सही तरीका। 'कौन बनेगा करोड़पति' के होस्ट यानी अमिताभ बच्चन ने 14वें सीजन के अबतक के नौ सवाल पूछ चुके हैं। वहीं अब उन्होंने अपना दसवां सवाल भी पूछ लिया है। इस सवाल का सही जवाब देने के लिए आपके पास 19 अप्रैल की रात 9 बजे तक का ही समय है। सही जवाब देने के साथ ही आप अगले राउंड के लिए भी क्वालीफाई कर लेंगे। यहां देखें केबीसी का दसवां सवाल आपको बता दें कि इस सवाल का सही जवाब देने के लिए आप सोनी लिव ऐप भी डाउनलोड कर सकते हैं। अगर आप ऐप डाउनलोड नहीं करना चाहते तो फोन मेसेज पर भी जवाब दे सकते है। 509093 इस नंबर पर भी के साथ अपना सही जवाब और उम्र लिखकर भेज सकते है।

'राम तेरी गंगा मैली' की मंदाकिनी 26 सालों बाद कर रही हैं वापसी, बेटे संग इस प्रोजेक्ट में आएंगी नजर

नई दिल्ला। अपनी पहली ही फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' से तहलका मचा देने वाली खूबसूरत अभिनेत्री मंदाकिनी लंबे अर्से से लाइम लाइट से दूर हैं। लेकिन अब उनके दिवानों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है क्योकि अभिनेत्री एक बार फिर से एंटरटेनमेंट वर्ल्ड में कमबैक करने

की तैयारी कर रही हैं। वह 26 सालों बाद वापसी करने जा रही हैं। मंदाकिनी एक म्यूजिक वीडियो के जरिए कमबैक करेंगी। जिसमें उनके बेटे रब्बील ठाकुर भी नजर आएंगे मंदाकिनी के इस म्यूजिक वीडियो को साजन अग्रवाल डायरेक्ट किया है। उन्होंने मंदाकिनी के साथ काम करने को लेकर बात की और कहा, ठवो (मंदाकिनी) मेरे होमटाउन मेरठ से ताल्लुक रखती हैं। साथ ही, यह गाना एक मां के बारे में है जिसका शीर्षक 'मां ओ मां' है। यह उनके बेटे का डेब्यू होगा और मंदाकिनी के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है।ङ्ग मंदाकिनी के प्रोजेक्ट के बारे में बात करें तो गाने के बोल डायरेक्टर साजन अग्रवाल ने ही लिखे हैं। वहीं संगीत बबली हक और मीरा ने दिया है। इसे ऋषभ गिरी ने गाया है और गुरुजी कैलाश रायगर ने प्रोड्यूस किया है। साजन इस वीडियो के अलावा मंदाकिनी के साथ एक शॉर्ट फिल्म डायरेक्ट करने के बारे में भी सोच रहे हैं।मंदाकिनी ने अपने कमबैक को लेकर कहा, ङ्गमैं निर्देशक साजन अग्रवाल जी के साथ जुड़कर बहुत खुश हूं। मैं उन्हें लंबे समय से जानता हूं लेकिन आखिरकार हम साथ काम कर रहे हैं। मां ओ मां एक बहुत ही सुंदर गाना है और मुझे तुरंत ही इससे प्यार हो गया।

शिल्पा शेट्टी ने मुंबई में शुरू किया अपना वि एफ एक्स स्टूडियो बॉलीवुड के साथ हॉलीवुड फिल्मों पर फोकस

नई दिल्ला। शिल्पा शेट्टी बॉलीवुड की उन एक्ट्रेसेज में शामिल हैं, जिन्होंने अभिनय के साथ अपने बिजनेस सेंस के लिए भी चर्चा बटोरी है। योग और फिटनेस के लिए मशहूर शिल्पा ने मुंबई में अब एक

नया बिजनेस शुरू किया है। शिल्पा ने वीएफएक्स स्टूडियो एसवीएस स्टूडियो शुरू किया है, जिसके तहत बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों को तकनीकी रूप से उन्नत बनाया जाएगा। वीएफएक्स स्टूडियो के लिए शिल्पा ने इस इंडस्ट्री के वेटरन संदीप माने के साथ हाथ मिलाया है, जो एसवीएस स्टूडियो के प्रबंध निदेशक होंगे। माने को वीएफएक्स इंडस्ट्री मे 15 साल का लम्बा अनुभव है। माने ने बाहुबली 2, बाजीराव मस्तानी, पद्मावत, सिम्बा, दंगल, हाउसफुल 3, गोलमान अगेन समेत कई हिट फिल्मों के लिए वीएफएक्स करने वाली टीमों का नेतृत्व किया है। एसवीएस ज्वाइन करने से पहले माने प्राइम फोकस, एनवाई वीएफएक्सवाला और एनिब्रेन में काम किया है एसवीएस स्टूडियो की फाउंडर चेयरमैन शिल्पा शेट्टी ऑफिस मुंबई के अंधेरी इलाके में स्थित है। उन्होंने कहा कि वीएफएक्स इंडस्ट्री में शुरुआत करके वो उत्साहित हैं। फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा होने की वजह से मुझे अच्छे वीएफएक्स की समझ है, जो किसी फिल्म को बना सकता है या बिगाड़ सकता है। हमारा फोकस भारत और दुनियाभर के प्रोडक्शन हाउसेज के लिए बेहतरीन वीएफएक्स बनाना है। शिल्पा की फिल्मों की बात करें तो जल्द ही निकम्मा रिलीज होने वाली है, जिसमें शिल्पा के साथ अभिमन्यु दसानी हैं और शर्ली सेतिया इस फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। शिल्पा की पिछली रिलीज फिल्म हंगामा 2 है, जो डिजने प्लस हॉटस्टार पर आयी थी। इस फिल्म के साथ शिल्पा लम्बे अर्से बाद एक्टिंग में लौटी थीं। इसके अलावा शिल्पा टीवी शोज में भी जज के तौर पर आती रहती हैं। शिल्पा बतौर निर्माता भी बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकी हैं। उन्होंने 2014 में आयी ढिशकियाऊं फिल्म का निर्माण किया था और इस फिल्म के एक गाने में स्पेशल एपीयरेंस भी किया था।

रणबीर की शादी के बाद मुंबई वापिस लौटी दीपिका पादुकोण, जानें क्यों जमकर की जा रही हैं ट्रोल, पढ़ें पूरी खबर

नई दिल्ला। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने 14 अप्रैल को शादी कर ली हैत् अब दीपिका पादुकोण के मुंबई लौटने पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा हैत् नेटीजंस

कह रहे है कि रणबीर की शादी होते ही वह वापस आ गई हैत् दीपिका पादुकोण को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गयात् वह मिनी वेकेशन मनाकर वापस आई हैत् दीपिका इस मौके पर काफी खूबसूरत लग रही थी दीपिका पादुकोण स्माइल करते हुए बाहर निकलीत् दीपिका पादुकोण की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैत् हालांकि कई लोग उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैत् इसके पीछे कारण यह है कि लोग उनके बाहर जाने को रणबीर आलिया की शादी के कनेक्शन से जोड़ रहे हैत् लोग फिल्म एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को ट्रोल कर रहे है गौरतलब है कि रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण ने एक-दूसरे को लंबे समय तक डेट किया हैत् दोनों बचना ए हसीनो के सेट पर एक दूसरे के प्यार में पड़ गए थेत् हालांकि 2 वर्ष एक दूसरे को डेट करने के बाद दोनों अलग हो गए थेत् दीपिका पादुकोण सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैत् उन्होंने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को शादी की बधाई भी दी थी दीपिका पादुकोण ने रणबीर और आलिया भट्ट को 15 लाख की घड़ी उपहार में दी हैत् दीपिका पादुकोण ने हाल ही में फिल्म पठान की शूटिंग पूरी कर ली हैत् इस फिल्म में उनके अलावा शाह रुख खान और जॉन अब्राहम की अहम भूमिका हैत् अब वह फिल्म फाइटर में ऋतिक रोशन के साथ नजर आएंगीत् दीपिका पादुकोण ने रणवीर सिंह से शादी कर ली है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्युनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रकिया :– इस प्रकिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रकिया :– इस प्रकिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल,
एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734,
7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274

इस क्रिकेटर से प्यार करती थीं माधुरी दीक्षित, इस वजह से पूरी न हो सकी प्रेम कहानी

मुम्बई। बॉलीवुड और क्रिकेट का नाता बहुत पुराना है। ऐसी बहुत सी प्रेम कहानियां जहाँ बॉलीवुड की हसीनाओं को क्रिकेटर्स से प्यार हो गया। शर्मीला टैगोर ने मंसूर अली खान पटौदी से शादी की और अनुष्का ने विराट से ब्याह रचाया। ऐसी और भी जोड़ियाँ हैं जो हमेशा के लिए शादी के बंधन में बँध गईं। लेकिन बॉलीवुड और क्रिकेट जगत की कुछ प्रेम कहानियाँ भी हैं जो अचानक ही खत्म हो गईं। ऐसी ही एक अधूरी प्रेम कहानी है बॉलीवुड की धक धक गर्ल माधुरी दीक्षित और हैंडसम भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा की।

90 के दशक में माधुरी दीक्षित और अजय जडेजा के अफेयर की चर्चा चारों तरफ थी। माधुरी और अजय जडेजा की पहली मुलाकात एक मैगजीन फोटोशूट के दौरान हुई थी। इसके बाद से ही दोनों के एक-दूसरे को डेट करने की खबरें सामने आने लगी थीं। खबरों की मानें तो माधुरी और अजय साथ ही फिल्मों में भी नज़र आने वाले थे। कहा तो यह भी जाता है कि माधुरी दीक्षित ने एक प्रोड्यूसर से अजय को फिल्म में लेने की सिफारिश भी की थी और उन्हें फिल्म मिलने ही वाली थी। लेकिन तभी अचानक कुछ ऐसा हुआ कि दोनों की राहें अलग हो गईं।

माधुरी दीक्षित के साथ नाम जुड़ने का असर अजय जडेजा के

अर्शी खान ने ट्रोलर्स को दिया मुंहतोड़ जवाब, कहा- मैं पाकिस्तानी नहीं

मुम्बई। बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट रह चुकी अर्शी खान इन दिनों अफगानिस्तान पर दिए अपने बयान को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं।

अभिनेत्रियों को विशिष्ट पहचान दिलायी जीनत अमान ने

मुम्बई। बॉलीवुड में जीनत अमान को ऐसी अभिनेत्री के तौर पर शुमार किया जाता है जिन्होंने अपने खास अंदाज से परंपरागत ढर्रे पर चलने वाले मुख्यधारा के ... पहचान दिलायी।

हुयी।जीनत अमान को प्रारंभिक सफलता वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म .हरे रामा हरे कृष्णा से मिली।इस फिल्म में जीनत अमान ने देवानंद की बहन की भूमिका निभायी ...

लेकिन उन्होंने अपने सहज अभिनय से न सिर्फ इसे सदा के लिये अमर बना दिया साथ ही भविष्य की पीढ़ी की अभिनेत्रियों के लिये इसे उदाहरण के रूप में पेश किया। 80 के दशक में जीनत अमान पर आरोप लगे कि वह केवल ग्लैमर वाले किरदार ही निभा सकती है लेकिन जीनत अमान ने वर्ष 1980 में प्रदर्शित बी आर चोपड़ा की फिल्म .इंसाफ का तराजू.. में संजीदा किरदार निभाकर आलोचकों का मुंह सदा के लिये बंद कर दिया। वर्ष 1980 में ही जीनत अमान की एक और सुपरहिट फिल्म ..कुर्बानी .. प्रदर्शित हुयी। निर्माता निर्देशक फिरोज खान की फिल्म कुर्बानी में उन पर फिल्माया गीत ..लैला मैं लैला ऐसी मैं लैला ...या फिर ..आप जैसा कोई मेरी जिंदगी में आये.... बहुत ज्यादा लोकप्रिय हुआ । जीनत अमान के सिने करियर में उनकी जोड़ी अभिनेता अमिताभ बच्चन के साथ खूब जमी।हेमा मालिनी के अलावा जीनत ही उन दुर्लभ अभिनेत्रियों में शामिल हैं जिन्होंने राजकपूर, देवानंद ,अमिताभ ,मनोज कुमार ,धर्मेन्द्र ,राजेश खन्ना ,जीतेंद्र और शशि कपूर के आदि बड़े नायकों के साथ किसी फिल्म में काम किया।अस्सी के दशक में अभिनेता मजहर खान के साथ शादी करने के बाद जीनत अमान ने फिल्मों में काम करना काफी कम कर दिया।जीनत अमान ने अपने चार दशक लंबे सिने करियर में लगभग 90 फिल्मों में काम किया है। जीनत अमान इन दिनों बॉलीवुड में अधिक सक्रिय नहीं हैं।

बादशाह महमूद

बंगाली एक्ट्रेस और सांसद नुसरत जहां अस्पताल में भर्ती, फैंस को खुशखबरी का इंतजार

भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु को हुआ को-एक्ट्रेस से प्यार? बॉलीवुड में हुई न्यू कपल की एंट्री

आर्यन खान को नहीं है घर से अकेले घूमने की परमिशन

रणदीप हुड्डा पर लेखक ने लगाया क्रेडिट हड़पने का आरोप, 10 करोड़ का भेजा नोटिस

ऐसी फिल्मों में काम करना सोनम कपूर को आता है मजा!

मुम्बई। बॉलीवुड में अपने करीब 12 साल के करियर में विभिन्न तरह के किरदार निभाने के बावजूद सोनम कपूर का मानना है वह कॉमेडी फिल्मों में अपना सर्वश्रेष्ठ देती हैं। सोनम ने पत्रकारों से कहा, कि मैं हर फिल्म के साथ विषय बदलना चाहती हूं। मेरी पिछली कुछ फिल्में 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा', 'वीरे दी वेडिंग', 'पैडमैन' और 'संजू' थी। मैं खुशकिस्मत हूं कि निर्देशकों को लगता है कि मैं 'नीरजा' और 'द जोया फैक्टर' जैसी फिल्में कर सकती हूं।'' सोनम ने कहा कि हालांकि उन्हें कॉमेडी अधिक पसंद आती है लेकिन आजकल मस्ती भरी फिल्में कम ही बनती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैं कॉमेडी फिल्मों में अपना सर्वश्रेष्ठ देती हूं।

मधुबाला के लिवास से तुलना करने पर भारी, कोलकाता पुलिस साइबर सेल में शिकायत दर्ज

रहस्य और रोमांच से भरपूर

मधुबाला के साथ ही निर्देशक कमाल अमरोही और गायिका लता मंगेशकर को भी फिल्म इंडस्ट्री में स्थापित कर दिया। वर्ष 1950 से 1957 तक का वक्त मधुबाला के सिने करियर के लिये बुरा साबित हुआ। इस दौरान उनकी कई फिल्में असफल रही। लेकिन वर्ष 1958 में 'फागुन', 'हावडा ब्रिज', 'कालापानी' तथा 'चलती का नाम गाड़ी' जैसी फिल्मों की सफलता के बाद मधुबाला एक बार फिर शोहरत की बुलंदियों तक जा पहुंची। फिल्म 'हावडा ब्रिज' में मधुबाला ने क्लब डांसर की सटीक भूमिका अदा करके दर्शकों का मन मोह लिया। इसके साथ ही वर्ष 1958 में ही प्रदर्शित फिल्म 'चलती का नाम गाड़ी' में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों को हंसाते हंसाते लोटपोट कर दिया। मधुबाला के सिने करियर में उनकी जोड़ी अभिनेता दिलीप कुमार के साथ काफी पसंद की गयी। फिल्म 'तराना' के निर्माण

ब्लैक एंड वाइट ड्रेस में सड़क पर चलती नजर आईं करीना कपूर

ईडी ने चार साल में टॉलीवुड की 10 से अधिक हस्तियों को किया तलब

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)ने 2017 में हैदराबाद और उसके आसपास मादक पदार्थों की आपूर्ति की जांच से संबंधित धनशोधन मामले में टॉलीवुड (तेलुगू

पुराने ड्रग मामले

... जांच दल (एसआईटी) ने अपनी जांच के दौरान टॉलीवुड-मादक पदार्थ के बीच कथित संबंध की भी तफ्तीश की थी, और फिर तेलुगू फिल्म उद्योग से जुड़े 11 लोगों से पूछताछ की थी, जिसमें अभिनेता

मॉं ब्रहा्र मिश्रा की बेटी आरव ने किया ऐसा काम

मां टिकल बोली- मैं प्राउड मदर हूं

मुम्बई। निर्देशक लक्ष्मण ... 'जियो स्टूडियो' के साथ मिलकर करेगी। दिनेश विजन ने एक बयान में कहा कि मार्मिक कहानियां बयां करना रोमांचक होता है और अगर यह सत्य आधारित हो तो यह और भी रोमांचक हो जाता है। 'मिमी' ऐसी ही एक कहानी है।

हुमा मानती हैं बॉलीवुड में भी चलता है भाई-भतीजावाद

यहां ऐसा नहीं है तो यह झूठ बोलना। अभिनेत्री ने हाल ही में कहा कि इंडस्ट्री के लोग बहुत मेहनती हैं और अपने काम को लेकर जुनूनी हैं और आपको उनके काम का क्रेडिट कठिन मेहनत और क्षमता को देना होगा लेकिन इंडस्ट्री से होना काम को आसान जरूर बना देता है। हुमा कहती हैं कि उनके इंडस्ट्री के दोस्तों की तरह उनके पास बॉलीवुड का सार जानने का लाभ नहीं है। वह कहती हैं कि कई बार मैं नहीं जानती हूं कि अपने कैरियर को किस दिशा में ले जाउं, कौन सी फिल्म करूं और ऐसे समय में एक बड़े व्यक्ति की जरूरत पड़ती है जो योजना में मदद करे। इंडस्ट्री के लोगों को यही लाभ मिलता है। हुमा की हालिया फिल्म जॉली एलएलबी 2 को काफी प्रशंसा मिली। इस फिल्म में वह अक्षय कुमार के साथ दिखीं। इस फिल्म के बारे में वह कहती हैं कि इसकी कहानी दर्शकों को पसंद आयी और किरदारों से दर्शक खुद को जोड़ पाये। हुमा कहती हैं कि फिल्म में अक्षय कुमार के साथ काम करते समय काफी कुछ सीखने को मिला और अक्षय

... गयी जिससे हुमा की ओर से साइन किये गये अन्य प्रोजेक्ट लेट हो रहे थे इसलिए हुमा ने इस फिल्म को छोड़ दिया। इस तरह हुमा की पहली फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' बनी। हुमा का मानना है कि अच्छा अभिनय और कहानी दर्शकों को फिल्म से जोड़ते हैं, भाषा मायने नहीं रखती। हुमा कहती हैं कि मैं चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहती हूं। मैं बार-बार एक ही तरह का काम नहीं करना चाहती

जरा सोचिए क्यों नहीं मिल रहा आपको प्रमोशन?

कई बार होता यह है कि आप जिन गलतियों को बहुत मामूली समझते हैं या गलतियां मानते ही नहीं, वह भी आपके अच्छे-बुरे, आपके मेधावी या सामान्य होने की मेरिट तय करती है और ऐसे में आप अपनी छोटी-छोटी गलतियों से उन बड़े-बड़े फायदों से वंचित हो जाते हैं जिनमें एक प्रमोशन भी है। इसलिए न सिर्फ अनुशासन और समर्पण से काम करना जरूरी है बल्कि अपनी छवि और अपने व्यवहार को लेकर भी लगातार सजग रहना जरूरी है तभी प्रमोशन की सूची में आपका नाम ऊपर की ओर दर्ज होगा। नौकरी के दौरान कई बार ऐसा देखने को मिलता है कि कई लोगों को लंबे समय तक प्रमोशन नहीं मिलता, वहीं कुछ ऐसे लोग भी देखे जाते हैं जिन्हें सामान्य समय से पहले प्रमोशन मिल जाता है। जिन लोगों को काफी समय गुजर जाने के बाद भी प्रमोशन नहीं मिलता, उनमें इस कारण निराशा और कुंठा पनपने लगती है। लेकिन यह निराशा और कुंठा इस समस्या का समाधान नहीं है। यहाँ हम आपको बताएँगे कि आखिर क्यों किसी को समय से पहले और किसी को काफी समय गुजर जाने के बाद भी प्रमोशन नहीं मिलता? इसकी तह में कुछ बड़ी तो कुछ बेहद मामूली वजहें होती हैं, जिन्हें हम अक्सर सोच भी नहीं पाते कि वे हमारी उन्नति का रास्ता रोक लेंगीं, मगर हकीकत की दुनिया में ऐसा होता है। मसलन, क्या ऐसा है कि आप जिन दिनों ऑफिस में वर्कलोड ज्यादा होता है, अक्सर ऑफिस समय पर नहीं पहुँच पाते और शाम को ठीक समय पर ऑफिस छोड़ देते हैं? क्या ऐसा है कि साल के शुरु के तीन महीनों में ही आप अपनी बीमारी की छुट्टियाँ गँवा बैठते हैं और आकस्मिक छुट्टियाँ भी खत्म हो जाती हैं? भले ही ये बातें मामूली लगती हों, लेकिन इन बातों का आपके प्रमोशन से सीधा-सीधा रिश्ता होता है। इसके अलावा जो बातें प्रमोशन रोकने का कारण बनती हैं, वो कुछ इस तरह हैं आप दिए गए काम को समय पर पूरा नहीं कर पाते महत्वपूर्ण मीटिंग्स में अक्सर लेट पहुंचते हैं भले आपके पास इन तमाम बातों के लिए ठोस वजहें हों। लेकिन कंपनी को आपकी इन वजहों से कुछ लेना-देना नहीं होता। हर कंपनी हर हाल में अपने कामगार से अनुशासित व्यवहार की अपेक्षा रखती है। किसी न किसी के साथ कोई न कोई समस्या तो हर समय रहती ही है। याद रखें, कंपनी में सिर्फ आप अकेले ही काम करने वाले नहीं हैं। उनके पास आप जैसे न जाने कितने लोग होते हैं, जिनके विषय में उन्हें सोचना होता है। आपके साथ भले ही कितनी बड़ी समस्या हो, हर कंपनी चाहती है कि आप किसी भी हाल में ऑफिस नियत समय पर पहुंचें। इसलिए वक्त के पाबंद न होने पर भी प्रमोशन का सपना लंबे समय तक एक सपना बना रह सकता है। कुछ ऐसे कर्मचारी होते हैं, जो काम की दृष्टि से भले बहुत योग्य न हों, लेकिन ऑफिस में समय पर पहुंचते हैं और इस तरह ऑफिस के अनुशासन को बरकरार रखने में मदद करते हैं। अक्सर देखा गया है कि प्रमोशन की कतार में उनका नंबर पहले आता है, क्योंकि कंपनी के लिए वह भले काम के लिहाज से औसत हों, लेकिन कंपनी में वर्क कल्चर को बनाए रखने में उनका योगदान महत्वपूर्ण होता है। इसलिए कंपनी उनकी परफॉर्मेंर्स को संतोषजनक और प्रमोशन के लायक मानती है। यदि प्रमोशन पाना है तो आपको अतिरिक्त प्रयास करके अपने आपको प्रमोशन के लायक साबित करना होगा। यह मानकर चलें कि अगर प्रमोशन नहीं मिला तो आप उसके लिए कुछ अतिरिक्त प्रयास नहीं कर रहे। लंबे समय तक एक पद पर रहने का एक बड़ा कारण यह भी हो सकता है कि आपका बॉस आपको वहीं बनाए रखने में कंपनी का हित समझता हो। इसमें समस्या यह हो सकती है कि आप इतने अच्छे हैं कि उस अच्छाई से आपका नुकसान हो रहा है। क्या ऐसा है कि आप अपने काम को इतने बेहतर ढंग से करते हैं कि आपके बॉस को आपके जितना योग्य कोई दूसरा व्यक्ति नहीं मिल रहा, जिसे आपके स्थान पर रखकर आपको प्रमोशन दिया जा सके? इस वजह से आप लंबे समय से उसी पद पर बने हुए हैं। इससे अप्रत्यक्ष तौर पर आपको नुकसान हो रहा होता है। अगर ऐसी स्थिति है तो इस संबंध में अपने बॉस से स्पष्ट तौर पर बात करें और अगर फिर भी बात न बन रही हो तो अपने लिए कोई नया रास्ता, कोई नई जगह ढूंढ़ें वरना आपके कॅरियर में ठहराव आ जाएगा। कुछ लोगों का लंबे समय तक प्रमोशन इस वजह से भी रुका रहता है कि उनकी इमेज अच्छी नहीं होती। वह अपने आपको वरिष्ठ पद के लायक समझते हैं और वह होते भी हैं। लेकिन वह वरिष्ठ व्यक्ति जैसा व्यवहार नहीं करते या कर पाते। वास्तव में अगर आपको लगता है कि आप जिस पद पर हैं, उससे सीनियर पद के योग्य हैं तो आपको सिर्फ इसका दावा ही नहीं करना होगा बल्कि अपने कामकाज के जरिए इसे साबित भी करना होगा तभी आप जरूरी प्रमोशन हासिल कर सकते हैं।

यदि आप में नेतृत्व करने की क्षमता है और कंपनी आपकी इस खूबी से वाकिफ है तो देर या सवेर आपको प्रमोशन मिल सकता है। लेकिन अगर आपकी नेतृत्व क्षमता का कंपनी को पता नहीं है तो यह आप पर ही है कि किसी न किसी समय कंपनी को अपनी नेतृत्व क्षमता से परिचित कराएं। लेकिन इसके लिए आपको उपयुक्त अवसर की तलाश करनी पड़ेगी। आप यह नहीं कह सकते कि मुझे अवसर दीजिए। अवसर आपको ही खोजना पड़ेगा। अगर आपने अवसर न मिलने की खीज उतारी तो इससे फायदे की जगह उल्टा नुकसान हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि आपको इसके लिए धैर्य और अनुशासन का सहारा लेना पड़ेगा। ऑफिस में जो लोग आपको पसंद नहीं करते, आपकी वर्क परफॉर्मेंर्स से ईष्र्या करते हैं, वे लोग आपके ऑफिस के जीवन को मुश्किल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं और उनका यह प्रयास होता है कि आपको प्रमोशन न हासिल हो। ऐसा है तो याद रखें कि सिर्फ बेहतर काम करने से ही बात नहीं बनेगी। आपको एक मोर्चा अपने उन विरोधियों से भी लेना होगा, जो जानबूझकर आपकी अच्छी-भली परफॉर्मेंर्स को बेमतलब बनाने या बताने की कोशिश में रहते हैं और कामयाब भी हो जाते हैं। क्या ऐसा है कि आप अपनी वर्तमान नौकरी को ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं मानते? अगर ऐसा है तो इससे एक नकारात्मक संदेश जाता है। प्रबंधन इससे आपको महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं सौंपता। चूंकि आपको महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं मिली होती, इसलिए आपको प्रमोशन भी समय से नहीं मिल पाता। इसलिए अगर आप अपनी मौजूदा नौकरी से संतुष्ट न हों तो उसे जितना जल्दी छोड़ें उतना ही आपके लिए सही है और कपंनी के लिए भी वरना आप भी तनाव में रहेंगे और कंपनी भी आपको खुद पर बोझ समझेगी। दरअसल, कई बार होता यह है कि आप जिन गलतियों को बहुत मामूली समझते हैं या गलतियां मानते ही नहीं, वह भी आपके अच्छे-बुरे, आपके मेधावी या सामान्य होने की मेरिट तय करती है और ऐसे में आप अपनी छोटी-छोटी गलतियों से उन बड़े-बड़े फायदों से वंचित हो जाते हैं जिनमें एक प्रमोशन भी है। इसलिए न सिर्फ अनुशासन और समर्पण से काम करना जरूरी है बल्कि अपनी छवि और अपने व्यवहार को लेकर भी लगातार सजग रहना जरूरी है तभी प्रमोशन की सूची में आपका नाम ऊपर की ओर दर्ज होगा।

युवाओं के लिए खूब मौके हैं बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों में

आर्थिक उदारीकरण ने जिन क्षेत्रों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। उनमें एक फार्मास्युटिकल क्षेत्र भी है। लिहाजा राष्ट्रीय-बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। दवाओं के प्रचार के लिए अब कई जॉब ओरिएंटेड पाठ्यक्रम अस्तित्व में आ चुके हैं। इस नए पाठ्यक्रम की पढ़ाई पूरा करने वाले अभ्यर्थी को तुरन्त जॉब मिल जाता है। फार्मास्युटिकल का क्षेत्र युवाओं को न केवल उज्ज्वल भविष्य बल्कि सेवा सुख भी प्रदान करता है। इस क्षेत्र की सबसे बड़ी खासियत है कि पढ़ाई पूरा करने के बाद अभ्यर्थी को नौकरी की खाक नहीं छाननी पड़ती है। खासकर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग में पीजी डिप्लोमा और एमबीए

करने के बाद। इसके अंतर्गत दवाओं और उनके रासायनिक गुणों के बारे में सूक्ष्मता से जानकारी दी जाती है। साथ ही फार्मा मार्केटिंग कम्युनिकेशन, एनॉटोमी, साइकोलॉजी और फार्माकालाजी की सूक्ष्मताओं और बारीकियों से भी अवगत कराया जाता है।

फार्मास्युटिकल मार्केटिंग के लिए अब बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों में कई पद सृजित हुए हैं। जिनमें मेडिकल रिप्रजेंटेटिव, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, बिजनेस ऑफिसर, एरिया सेल्स मैनेजर है। इन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदक को पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल एंड हेल्थ केयर मार्केटिंग कोर्स और एमबीए किए होना चाहिए। यूं तो फार्मास्युटिकल क्षेत्र में कॅरियर हमेशा से बढि?ा रहा है। लेकिन बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों के भारतीय बाजार में उतरने के बाद वेतन और अन्य सुविधाएं बढ़ी हैं। इसी के साथ ड्रग डिजाइन और मॉडलिंग जैसे नए क्षेत्रों ने फार्मास्युटिकल कंपनियों में मेडिकल रिप्रजेंटेटिव की मांग काफी बढ़ गई है। फार्मास्युटिकल मार्केटिंग में डिप्लोमा और एमबीए करने के बाद प्रशिक्षु राष्ट्रीय-बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों मे काम कर सकते हैं। कुछ साल पहले तक फार्मास्युटिकल मार्केटिंग के क्षेत्र में किसी भी विज्ञान स्नातक को विपणन कार्यों के लिए रख लिया जाता था। लेकिन दवाओं के क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रवेश की वजह से राष्ट्रीय कंपनियों को चुनौती मिलने लगी।

पेट और जांघों को पतला करने के लिए योग के 5 टिप्स!

वजन घटाने के लिए योग को सबसे कारगर और सरल तरीका माना जाता है। योग को लेकर सबसे बढ़िया बात यह है कि इसे किसी भी उम्र के लोग कर सकते हैं। योग किसी भी उम्र वर्ग के लिए खासा लाभदायक है। गर्भवती महिलाओं को भी कुछ विशेष सावधानियों के साथ योग करने की सलाह दी जाती है। ज्ञात हो कि तनाव के चलते कई तरह की बीमारियां जन्म लेती हैं। लेकिन योग के आसनों के जरिये इससे निजात पाया जा सकता है। वजन घटाने और फिट रहने के लिए योग काफी कारगर है और इससे तनाव का स्तर घटने के साथ व्यक्ति का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। नीचे योग के कुछ आसनों के बारे में जिक्र किया गया है, जिसको निरंतर करने से वजन घटाने में काफी मदद मिलती है।

चक्रासनः योग के तहत यह एक अहम आसन है, जिसके जरिये आप अपने पेट को दुरुस्त और संबंधित मसल्स को पूरी तरह ठीक रख सकते हैं। इस आसन में पहले आप पीठ के सहारे लेट जाएं, फिर घुटनों को मोड़ें और अपने पैरों के तलवे को कुछ दूरी बनाकर जमीन पर टिकाकर रखें। फिर अपने हाथों को शरीर की दिशा में ले जाएं। ध्यान रहे कि हथेलियां नीचे की ओर रहे। आप अपने हाथों को मिलाकर साथ रखें और फिर अपने शरीर को उपर की ओर उठाएं। इस अवस्था में तीस सेकेंड से लेकर 01 मिनट तक रहें। फिर शरीर को धीरे धीरे सतह पर ले आएं। इस अभ्यास को पांच बार दोहराएं।

भुजंगआसन : इस आसन में शरीर की आकृति फन उठाए हुए नाग के समान हो जाती है इसीलिए इसको नाग आसन, भुजंगासन या सर्पासन कहा जाता है। इस आसन से पेट की चर्बी घटती है तथा रीढ़ की हड्डी सशक्त बनती है। दमे की, पुरानी खांसी अथवा फेफड़ों संबंधी अन्य कोई बीमारी हो, तो उनको यह आसन करना चाहिए। इससे बाजुओं में शक्ति मिलती है। मस्तिष्क से निकलने वाले ज्ञानतंतु बलवान बनते हैं। पीठ की हड्डियों में रहने वाली तमाम खराबियां दूर होती है। कब्ज दूर होता है। इस आसन को करते समय अकस्मात् पीछे की तरफ बहुत अधिक न झुकें। उल्टे होकर पेट के बल लेट जाए। ऐड़ी-पंजे मिले हुए रखें। ठोड़ी फर्श पर रखी हुई। कोहनियां कमर से सटी हुई और हथेलियां ऊपर की ओर। इसे मकरासन की सथिति कहते हैं। धीरे-धीरे हाथ को

कोहनियों से मोड़ते हुए आगे लाएं और हथेलियों को बाजूओं के नीचे रख दें। ठोड़ी को गरदन में दबाते हुए माथा भूमि पर रखे। पुनः नाक को हल्का-सा भूमि पर स्पर्श करते हुए सिर को आकाश की ओर उठाएं। फिर हथेलियों के बल पर छाती और सिर को जितना पीछे ले जा सकते हैं ले जाएं किंतु नाभि भूमि से लगी रहे। 0 सेकंड तक यह स्थिति रखें। बाद में श्वास छोड़ते हुए धीरे-धीरे सिर को नीचे लाकर माथा भूमि पर रखें। छाती भी भूमि पर रखें। पुनः ठोड़ी को भूमि पर रखें और हाथों को पीछे ले जाकर ढीला छोड़ दें। शुरू में 30 सेकेंड करने के बाद लंबे अभ्यास के बाद इसे तीन मिनट तक किया जा सकता है। कम से कम दो से पांच बार कर सकते हैं।

धनुरासन : इस आसन को करने से शरीर की आकृति खींचे हुए धनुष के समान हो जाती है, इसीलिए इसको धनुरासन कहते हैं। यह आसन मेरुदंड को लचीला एवं स्वस्थ बनाता है। पेट की चर्बी कम होती है। हृदय मजबूत बनाता है। गले के तमाम रोग नष्ट होते हैं। कब्ज दूर होकर जठराग्नि प्रदीप्त होती है। श्वास की क्रिया व्यवस्थित चलती है। सर्वप्रथम मकरासन में लेट जाएं। मकरासन अर्थात पेट के बल लेट जाएं। ठोड़ी को भूमि पर टिका दें। हाथ कमर से सटे हुए और पैरों के पंजे एक-दूसरे से मिले हुए। तलवें और हथेलियां आकाश की ओर रखें। घुटनों को मोड़कर दाहिने हाथे के पंजे से दाहिने पैर और बाएं हाथ के पंजे से बाएं पैर की कलाई को पकड़ें। सांस लेते हुए पैरों को खींचते हुए ठोड़ी-घुटनों को भूमि पर से उठाएं तथा सिर और तलवों को समीप लाने का प्रयत्न करें। जब तक आप सरलता से सांस ले सकते हैं इसी मुद्रा में रहें। फिर सांस छोड़ते हुए पहले ठोड़ी और घुटनों को भूमि पर टिकाएं। फिर पैरों को लंबा करते हुए पुनः मकरासन की स्थिति में लौट आएं।

पश्चिमोत्तनासन : पीठ में खिंचाव उत्पन्न होता है, इसीलिए इसे पश्चिमोत्तनासन कहते हैं. इस आसन से शरीर की सभी मांसपेशियों पर खिंचाव पड़ता है। पशिच्मोत्तासन के द्वारा मेरूदंड लचीला व मजबूत बनता है जिससे बुढ़ापे में भी व्यक्ति तनकर चलता है और उसकी रीढ़ की हड्डी झुकती नहीं है। इसके अभ्यास से शरीर की चर्बी कम होकर मोटापा दूर होता है तथा मधुमेह का रोग भी ठीक होता है। अपने पैर को सामने की ओर सीधी करके बैठ जाएं। दोनों पैर आपस में सटे होने चाहिए। पीठ को इस दौरान बिल्कुल सीधा रखें और फिर अपने हाथों से दोनों पैरों के अंगूठे को छुएं। ध्यान रखें कि आपका घुटना न मुड़े और अपने ललाट को नीचे घुटने की ओर झुकाए। 5 सेकेंड तक रुकें और फिर वापस अपनी पोजीशन में लौट आएं। यह पोजीशन किडनी की समस्या के साथ क्रैम्स आदि जैसी समस्या से भी निजात दिलाता है।

चवकी चलनासन : योग का यह आसन पेट की चर्बी को दूर करने में काफी कारगर है। इससे वजन कम करने में भी फायदा मिलता है। पहले आप जमीन पर आराम से बैठ जाएं। इस दौरान अपने पैरों को सामने की ओर से फैलाएं। दोनों पैर आपस में सटे रहें, इस बात का ध्यान रखें। अब अपने दोनों हाथों को आपस में मिलाकर पकड़ लें और फिर बिना घुटनों को मोड़े सर्कुलर (चक्र के तौर पर) दिशा में घुमाएं। दस बार इस आसन को घड़ी की दिशा में घुमाएं और फिर कुछ देर रुकने के बाद इस बार घड़ी की विपरीत दिशा में घुमाएं। फिर धीरे-धीरे छोड़ दें।

गर्मियों में 'अल्ट्रा वॉयलेट रेज़' से यूं बचाएं अपनी आंखों को

बढ़ती गर्मी में जिस तरह से हम अपनी त्वचा और बाल की सेहत का ध्यान रखते हैं, उसी तरह आंखों का ध्यान रखना भी बेहद महत्वपूर्ण कार्य है। गर्मियों में तेज धूप होने के कारण हम सही ढंग से देख नहीं पाते हैं, जिसकी वजह से आंखों को नुकसान पहुंचता है। इतना ही नहीं, गर्मी के मौसम में धूल, मिट्टी और प्रदूषण भी हमारी आंखों को खराब करती हैं। गर्मियों में स्किन के साथ आंखों का ख्याल करना भी बहुत जरूरी होता है।क्या आप जानते हैं कि धूप से निकलने वाली अल्ट्रा वॉयलेट रेज़ आंखों के लिए कितनी खतरनाक होती हैं? गर्मी के कारण आंखों में मेलानोमा या लायमोफोमा जैसी कई तरह की बीमारियों के होने का जोखिम बढ़ जाता है। अल्ट्रा वॉयलेट रेज़ मौसम के साथ फैलती हैं, जिसकी गति प्रकाश से भी अधिक तेज होती है। यहां तक कि यह रेज़ छाया होने पर भी मौजूद रहती हैं, जिसकी वज़ह से आंखों से संबंधित कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं।इससे बचने के लिए धूप में निकलते समय आंखों पर

सनग्लास जरूर लगाएं। यह खतरनाक अल्ट्रा वॉयलेट ए और अल्ट्रा वायलेट बी रेज़ को रोकता है। धूप के छिप जाने के बाद अगर आप छाया में खड़े हों, तब भी सनग्लास का उपयोग करें। हालांकि छाया में यूवी रेज़ कुछ डिग्री कम होती हैं, लेकिन सामने की इमारतों और सड़क पर चल रहे वाहनों से आने टकराकर वापस आने वाली यूवी रेज़ अपना बूरा प्रभाव आपकी आंखों पर डाल सकती हैं। इसके अलावा सिर पर हैट लगाकर भी आप इन रेज़ को आंखों में आने से रोक सकते हैं। धूप में निकलते समय चौड़े किनारे वाली टोपी या हैट पहनकर निकलें, यह बचाव की एक अतिरिक्त परत का काम करती है। गर्मी के मौसम में इस बात का विशेष ख्याल रखें कि आंखों में नमी बनी रहे। यह आंखों के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। इसके लिए प्रतिदिन कम से कम दो लीटर पानी ज़रूर पीएं ताकि आंखों और त्वचा को डिहाइड्रेशन से बचाया जा सके। डिहाइड्रेशन से आपकी आंखों में लुब्रिकेशन की कमी आ सकती है, जिससे जीरोफ्थलमिया (सूखी आंखें) जैसी बीमारी होना संभव है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से आपकी आंखों की गतिविधियां गर्मियों के प्रभाव को संतुलित कर विपरीत प्रभावों से बचाए रखती हैं। आंखों की अच्छी सेहत के लिए थोड़े समय के अंतराल पर डॉक्टर से जांच कराते रहना चाहिए।

गर्मियों ये पांच खाद्य पदार्थ कुदरती तौर पर त्वचा को करे चिकना

डिटॉक्सीफिकेशन बहत जरुरी है क्योंकि हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जो विषाक्त पदार्थों और रसायनों से भरी हुई है।और अपने अपने शरीर को डिटॉक्सीफाई करना सिर्फ इसलिए जरुरी नहीं है कि ये महत्वपूर्ण है बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद नुक्सानदायक भी है।डिटॉक्सीफिकेशन शरीर से विषाक्त पदार्थों को नष्ट करने की प्रक्रिया है।डिटॉक्सीफिकेशन सचमुच बीमारी के लक्षण और अपने जीवन को बदल सकते हैं। यह आपकी ऊर्जा को बढ़ा देता है, वजन घटाने के साथ मदद करता है आपके मन को साफ करता है, स्वस्थ बालों को बढ़ावा देता है और आपकी रंगत को साफ करने में मदद करता है।लेकिन इसके लिए सही तकनीक को जानने के साथ ही सही खाद्य पदार्थों का चयन बेहद महत्वपूर्ण है।

तरबूज़ः- गर्मियों में एक डिटॉक्सीफिकेशन के लिए नंबर एक भोजन के रूप में माना जाता है, तरबूज एंटीऑक्सीडेंट से युक्त मुक्त कणों से नुकसान के खिलाफ लड़ने के लिए बेहतर माना जाता है।तरबूज, जो अत्यंत क्षारीय के गठन शरीर में है, तरबूज में जो सिट्रुलाइन होता है जो अर्जीनाइन बनाने के लिए मदद करता है।यह भी पोटेशियम का एक अच्छा स्रोत है कि हमारे भोजन में सोडियम की उच्च मात्रा है जो अपने गुर्दे का समर्थन करता है और जब हमारी बाडी में सफाई का कार्य होता है।

खीराः- आवश्यक विटामिन से भरा हुआ खीरा जिसमें 95इ पानी की मात्रा है कि आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को फ्लश करने में मदद करता है और साथ ही आप की बाडी को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है।

नींबूः- नींबू का रस जोकि प्रचुर मात्रा में विटामिन सी और पोटेशियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे खनिजों के साथ है। नींबू पित्त उत्पादन को प्रोत्साहित और गुर्दों को साफ करने में मदद करता है।नींबू का रस सुबह में गर्म पानी और शहद के साथ मिश्रित कर पीने से आंतों को साफ करने और शरीर से संचित विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में मदद करता है।

हरी चायः- हरी चाय पीने हमेशा अच्छा है। और विशेष रूप से गर्मियों में इसे पीने के अतिरिक्त लाभ है-हरी चाय एंटीऑक्सीडेंट हानिकारक यूवी किरणों से बचाने के लिए सहायक है। साथ ही गर्मियों में धूप से हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है।

पुदीने की पत्तियांः- पुदीने का पानी सबसे ताज़ा गर्मियों का पेय पदार्थ है। एक अनोखी खुशबू, ठंडा सनसनी और अन्य औषधीय गुणों के साथ, पुदीना जिगर से पित्त के प्रवाह, पित्ताशय की थैली के लिए, छोटी आंत को बेहतर बनाता है।

फाइन आर्टस हुनर दिखाकर संवारे भविष्य

नदी, झरने हों या फिर पहाड़, जंगल आदि के प्राकृतिक खूबसूरत दृश्य, एक कलाकार अपनी कूची से इन्हें जीवंत बना देता है। अक्सर इन कलाकृतियों को देखकर हर किसी का चेहरा खिल जाता है। लोग चकित होकर इन्हें करीब से निहारते हैं और कलाकारों को उनकी हुनरमंदी की दाद देते हैं। दरअसल, यह सब फाइन आटर्स का कमाल है। फाइन आटर्स की विभिन्न विधाओं, जैसे ड्रॉइंग, पेंटिंग, डिजाइनिंग, स्कल्पटिंग, इंस्टॉलेशन, एनिमेशन, गेमिंग आदि में लोग अपना हुनर दिखाकर दौलत और शोहरत दोनों कमा रहे हैं। फाइन आटर्स सेक्टर में अपनी पहचान बनाने की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

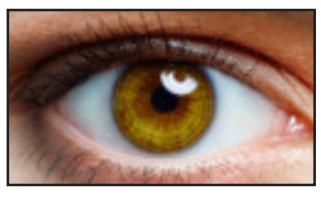

कहां है मांग? : फाइन आट्र्स ग्रेजुएट की देश में आजकल सबसे ज्यादा मांग सॉफ्टवेयर कंपनीज, डिजाइन फम्र्स, टेक्सटाइल इंडस्ट्री, एडवरटाइजिंग कंपनीज, डिजिटल मीडिया, पब्लिशिंग हाउसेज और आर्ट स्टूडियो में है। अगर हम फील्ड की बात करें, तो फाइन आटर्स का कोर्स करने के बाद आप ऐड डिपार्टमेंट, अखबार या पत्रिका में इलस्ट्रेटर, कार्टूनिस्ट, एनिमेटर आदि के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, टेलीविजन, फिल्म् थिएटर प्रोडक्शन, प्रोडक्ट डिजाइन, एनिमेशन स्टूडियो, टेक्सटाइल डिजाइनिंग आदि में भी ऐसे लोगों के लिए तमाम अवसर हैं। आप विजुअल आर्टिस्ट, एनिमेटर या ग्राफिक डिजाइनर जैसे पदों पर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। शिक्षण संस्थानों में आपके सामने आर्ट टीचर बनने का अवसर है। आप चाहें, तो फ्रीलांस भी कर सकते हैं। ऐसे प्रोफेशनल कला समीक्षक, आर्ट स्पेशलिस्ट, आर्ट डीलर, आर्ट थैरेपिस्ट, पेंटर आदि के रूप में फुल-टाइम और पार्ट-टाइम सेवाएं दे सकते हैं। अगर आप अपनी क्रिएटिविटी डिजाइनिंग में दिखाना चाहते हैं, तो प्रोडक्ट डिजाइनिंग, ऑटोमोबाइल डिजाइनिंग या फिर इसी तरह के अन्य क्षेत्रों में हुनर दिखाकर नाम और पैसा कमा सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल : फाइन आटर्स कोर्स और स्पेशलाइजेशन के बाद ऐसे प्रोफेशनल विभिन्न कंपनियों में इलस्ट्रेटर, एनिमेटर, ग्राफिक डिजाइनर, विजुअल डिजाइनर, डिजिटल डिजाइनर, क्रिएटिव मार्केटिंग प्रोफेशनल, फ्लैश प्रोग्रामर, 2डी, 3डी आर्टिस्ट, वेब डेवलपर, क्राफ्ट आर्टिस्ट, लेक्चरार, आर्ट टीचर, कार्टूनिस्ट, आर्ट म्यूजियम टेक्निशियन, आर्ट कंजर्वेटर, आर्ट डायरेक्टर, क्रिएटिव डायरेक्टर, एडवरटाइजिंग एग्जीक्यूटिव, सुपरवाइजर, हैड, प्रोजेक्ट ऑफिसर आदि जैसे पदों पर काम कर सकते हैं। पर्सनल स्किल फाइन आटर्स की पढ़ाई किसी दूसरे विषय से पूरी तरह अलग है। इस तरह का कोर्स करने के लिए आपमें क्रिएटिव टैलेंट और स्किल होनी जरूरी है। इसलिए इस फील्ड में कलात्मक और सृजनात्मक प्रतिभा रखने वाले युवाओं को ही आना चाहिए क्योंकि फाइन आटर्स का फोकस एरिया मुख्य रूप से अप्लाइड आर्ट, ग्राफिक डिजाइन, पेंटिंग और स्कल्पचरिंग के इर्द-गिर्द ही होता है। यदि पेंटिंग के बजाए मॉडर्न डिजाइनिंग में नाम करना चाहते हैं, तो आपको बदलते वक्त के अनुसार प्रोडक्ट की डिजाइन को विजुअलाइज करना होगा।

कोर्स : देश के अधिकतर विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में फाइन आटर्स में अंडरग्रेजुएट और पीजी कोर्स संचालित हो रहे हैं। ऐसे में अगर आप आर्टिस्ट, आर्ट टीचर या लेक्चरार बनना चाहते हैं, तो 12वीं के बाद बैचलर ऑफ फाइन आटर्स (बीएफए) कोर्स कर सकते हैं। किसी भी स्ट्रीम के युवा इस तरह के कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अगर आप चाहें, तो इसी में आगे मास्टर ऑफ फाइन आटर्स भी कर सकते हैं।

योग्यता : फाइन आटर्स में एमफिल और पीएचडी भी की जा सकती है। चूंकि फाइन आटर्स में विजुअल और परफॉर्मिंग दोनों आयाम शामिल हैं, इसलिए इस तरह के पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को पेंटिंग, स्कल्पटिंग, अप्लाइड आटर्स, ग्राफिक डिजाइन, इंटीरियर डिजाइन, ड्रामा, म्यूजिक, पॉटरी जैसे कई विषयों की जानकारी दी जाती है। फाइन आटर्स के प्रति युवाओं का आकर्षण बीते कुछ वर्षों में काफी बढ़ा है। देश और समाज में ऐसे हुनरमंद आर्टिस्टस की स्वीकार्यता भी बढ़ी है। यही कारण है कि आजकल तमाम सरकारी और निजी संस्थान अलग-अलग तरह के कई कोर्स ऑफर कर रहे हैं।

प्रमुख संस्थान : दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली -कॉलेज ऑफ आर्ट, दिल्ली -जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली -अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ -टीजीसी एनिमेशन एंड मल्टीमीडिया, दिल्ली -सर जेजे इंस्टीट्यूट ऑफ अप्लाइड आटर्स, मुंबई -इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आटर्स, मोदीनगर (उप्र)।

सिर्फ स्वाद ही नहीं बढ़ाता, कई बीमारियां भी भगाता है नींबू

नींबू सर्वसुलभ बहुउपयोगी और अनूठा फल है। मूल रूप से भारतीय फल नींबू की महत्ता आज विश्व भर में जानी जाती है। पाश्चात्य देशों में प्रचलित पेय 'लेमनेड' नींबू से तैयार किया जाता है। यही नहीं नींबू का उपयोग विभिन्न औषधियां बनाने में खूब किया जाता है। आयुर्वेद ने इसे एक महत्वपूर्ण फल माना है। अम्लीय गुणों से युक्त यह अनूठा फल मानव के लिए एक अनुपम देन है। नींबू को हमारे यहां सर्वश्रेष्ठ रोग नाशक और रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने वाले फल के रूप में प्राचीन काल से ही मान्यता प्राप्त है। आयुर्वेद में नींबू की काफी प्रशंसा की गयी है और एक खाद्य पदार्थ के रूप में इसके उपयोग के अलावा औषधि के रूप में भी इसके विभिन्न उपयोग बताए गये हैं। नींबू का परिचय 12वीं सदी में पाश्चात्य देशों में हुआ। अरब व्यापारी इसे पहले स्पेन ले गये बाद में सन 1494 से नींबू स्पेन के बाजारों से यूरोपीय देशों में पहुंच गया। वे पहले नींबू को एक साधारण रसदार खट्टा फल ही मानते थे। धीरे-धीरे जब इसके अनेक गुणों को अनुभव करके लोगों ने इसे स्वास्थ्यवर्द्धक और स्वास्थ्यरक्षक फल पाया तो इसका महत्व अत्यधिक बढ़ गया। इसके गुणों को लेकर अनेक प्रयोग किए गए और परिणाम सुखद आश्चर्य भरे निकले। स्काटलैंड के जाने माने चिकित्सक जेम्स लिंड ने अपनी एक पुस्तक में रहस्योद्घाटन किया कि यदि कोई व्यक्ति 4-5 दिन तक कच्चे फल-सब्जियां खाए तो उसमें रक्त दोष उत्पन्न हो जाएंगे। यह रक्त दोष स्कर्वी विटामिन सी की कमी से उत्पन्न होता है। स्कर्वी ... के लिए नींबू ... औषधि ... है ... एक अन्य चिकित्सक डॉक्टर ब्लेन ने भी नींबू को स्कर्वी से निपटने में सक्षम पाया। नींबू का नियमित उपयोग स्कर्वी की रोकथाम में उपयोगी सिद्ध होता है। जुकाम में नींबू का रस लाभदायक होता है।

आभूषणों व सजावटी धातु निर्मित वस्तुओं को चमकाने और साफ करने में भी इसका खूब इस्तेमाल किया जाता है।

नींबू के कुछ घरेलू उपयोग : मंजन- रस निकले नींबू पानी के छिलके को इकट्ठा कर धूप में सुखा लें। कूट-पीस कर पतले कपड़े से कम से कम 2 बार छान लें। चाहें तो थोड़ा बारीक पिसा ... छना नमक भी इसमें मिला लें। इस मंजन से दांत साफ करने से दांत साफ होने के साथ ... मुंह व सांस की बदबू भी खत्म हो जाती है। मुहांसों से रक्षा- डेढ़ चम्मच मलाई में चौथाई नींबू निचोड़ कर रोज मुंह पर मलने से ... चेहरा कांतिमय होता है और मुहांसों से मुक्ति मिलती है। यह प्रयोग लगभग एक महीने तक करना चाहिए।

कब्ज से रक्षा- प्रातः उठकर खाली पेट 2 गिलास पानी में एक नींबू और थोड़ा नमक डालकर पिएं। पुरानी कब्ज हो तो ऐसा सुबह-शाम करना चाहिए। कब्ज से छुटकारा मिल जाएगा।

उल्टी- आधे कप पानी में आधे नींबू का रस, थोड़ा जीरा और एक इलायची के दाने पीस कर मिला लें। दो-दो घंटे बाद इसे पीने से उल्टी बंद हो जाती है।

पेट दर्द- नमक, अजवाइन, जीरा व चीनी बराबर मात्रा में लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा नींबू का रस मिलाकर गर्म पानी के साथ खाने से आराम मिलता है।

दस्त- दुर्गंध युक्त पतले दस्त होने पर साधारण ठंडे दूध में नींबू निचोड़कर तुरन्त पी लें। पानी में नींबू का रस मिलाकर दिन में 5-6 बार पिएं इससे आराम मिलेगा।

जी मिचलाना- पित्त में वृद्धि से जी मिचलाने लगता है। इसके लिए ताजे पानी में चीनी व नींबू का रस मिलाकर पीने से लाभ होता है। सर्दी के मौसम में गुनगने पानी का प्रयोग करना चाहिए।

गला बैठना- गुनगुने पानी में नींबू का रस और थोड़ा नमक मिलाकर 2-2 घंटे बाद गरारे करें। इससे गला ठीक हो जायेगा।

घबराहट और छाती की जलन- एक गिलास ठंडे या सादा पानी में आधा या एक नींबू निचोड़कर पीने से आराम मिलता है।

मुंह की दुर्गंध- एक या आधा कप पानी में आधा नींबू निचोड़कर खूब कुल्ला करें। पानी को मुंह के भीतर इधर-उधर घुमाएं। मुंह की दुर्गंध दूर होने के साथ ही ... दांत व मसूढ़ों को भी लाभ होगा।

दांत दर्द- 2-3 लौंग पीसकर उसमें नींबू का रस मिलाएं और प्रभावित दांत या दांतों पर हल्के-हल्के उंगली से मलें। इसी तरह खाने का सोडा मलने से भी लाभ होता है।

टांसिल या गलसुए- अनन्नास की फांकों पर नींबू की 2-4 बूंदें डाल कर सेवन करें। ...

छत पर रख दें। सुबह दोनों टुकड़ों को चूस लें। लगभग एक सप्ताह यह प्रयोग करें, इससे लाभ मिलेगा।

दाद- नींबू के रस पिसा नौसादर मिलाकर प्रभावित स्थान पर लगाएं। कुछ ही दिन में लाभ हो जाएगा। इस प्रकार नींबू विभिन्न रूपों में अत्यंत गुणकारी फल बन गया है। भोजन के समय कद्दूकस किए अदरक में नींबू का रस व थोड़ा नमक डालकर थोड़ा- थोड़ा खाने से विभिन्न व्याधियों से मुक्ति मिलती है।

सोनी क्रिस्टीना की बोल्ड तस्वीरें हुई वायरल

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में सोनी क्रिस्टीना आज जाना माना चेहरा बन चुकी है। इनकी खूबसूरती की हर कोई तारीफ करता है साउथ

फिल्म इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस में से एक सोनी क्रिस्टीना आज किसी परिचय की मोहताज नहीं है। इन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काफी सारी फिल्मों में काम किया है। सोनी क्रिस्टीना एक अच्छी अभिनेत्री होने के साथ-साथ अच्छे व्यक्तित्व की भी धनी है। सोनी क्रिस्टीना ज्यादातर साउथ हिंदी ... की तमिल फिल्मों में काम करती हैं ...

युवा डिजाइनर्स की उड़ान

चाहिए तैमूर जैसा गोलू-मोलू बेबी तो खाएं ये 5 फूड

... भी तैमूर की तरह ही खूबसूरत बच्चा चाहती हैं तो इन फूड को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। गर्भावस्था में घी खाना फायदेमंद होता है। मगर ध्यान रहें ...

पोल्का डॉट्स

तारीफ तो बनती ही है

क्यों जरूरी है प्रशंसा : प्रोत्साहन की जरूरत बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी होती है। घर से लेकर स्कूल-कॉलेज, सार्वजनिक स्थलों और कार्यस्थल तक इसकी आवश्यकता पड़ती है। शिक्षक की जरा सी तारीफ से बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ सकता है तो पैरेंटस का प्रोत्साहन उसे बेहतर भविष्य की ओर बढने को प्रेरित करता है। सराहना के चंद लफ्ज रिश्तों को खुशगवार बना सकते हैं। मां, तुम्हारे हाथों में तो कमाल है!

... इसी तरह कार्यस्थल में अच्छे कार्य की तारीफ कर्मचारी को बेहतर काम करने को प्रेरित करती है। लोग बाहर खाना खाते हैं तो बैरे को टिप देते हैं। टिप उसकी सेवाओं की तारीफ ही है। घर में खाने के बदले टिप नहीं दिया जाता, मगर सराहना में बोले गए शब्द खाना बनाने वाले को अहसास दिलाते हैं कि उसकी मेहनत को सम्मान मिल रहा है। सफाई कर्मचारी, घरेलू हेल्पर, कुक, गार्ड, ड्राइवर... ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनकी सेवाओं के बिना जिंदगी सहज नहीं हो सकती।

... वे कभी किसी की तारीफ नहीं करते। कई बार बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि बच्चों की ज्यादा तारीफ ...

हाथों की चर्बी करनी है दूर, तो जरूर करें यह एक्सरसाइज

ड्राई शैंपू इस्तेमाल करते समय कहीं आप भी तो नहीं करते यह गलतियां

ड्राई शैंपू का चलन ... में काफी बढ़ा है ...

समय बचाता है और यही कारण है कि ड्राई शैंपू को काफी पसंद ...

पीठ या कमर दर्द की समस्या से परेशान हैं? यह रहा समाधान

... छुटकारा मिल सकता है। अगर आपकी पीठ और कमर बहुत ज्यादा दर्द कर रही है तो इसमें सबसे ज्यादा कारगर आइस पैक होता है यानी कि बर्फ से सिंकाई। इससे न केवल आपके शरीर का दर्द दूर होगा बल्की पीठ में ... समाप्त हो जाएगी। आज के वक्त में ज्यादातर लोगों का समय ...

केले का हाई ...

... सी बात है। इस कमी को दूर करने के लिए हरी सब्जियों का सेवन करें। खास कर जिनमें आयरन की मात्रा अधिक हो। केले में पेक्टीन नामक फाइबर पाया जाता है जो पाचन तंत्र को सही रखता है। इसको खाने से दिनभर काम करने के लिए हमें ऊर्जा की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही मां और बच्चे दोनों की हड्डियां मजबूत होती है।

...बाल रहेंगे चमकदार और सुंदर

तो इन्हें धोने के लिए माइल्ड कंडीशनर और शैंपू का इस्तेमाल करें।

अपने भोजन में हरी पत्तीदार सब्जियों और मौसमी फलों को शामिल करें। इससे बालों को पोषण मिलता है। अगर आप बालों को कलर करती हैं तो बहुत जल्दी-जल्दी कलर न करें। इसके बजाय समय-समय पर मेहंदी व आंवले का चूर्ण इस्तेमाल करें। - आधा टी-कप दही में थोड़ा सा नींबू का रस मिलाकर सिर में लगाएं। करीब 15 मिनट लगाये रहने के बाद बाल धुलें। इससे बालों में चमक आती है और बालों से रूसी की समस्या भी खत्म हो जाती है। **बालों में लाएं चमक :** - आप बालों को कलर करती हैं तो बहुत जल्दी-जल्दी कलर न करें। इसके बजाय समय-समय पर मेहंदी व आंवले का चूर्ण इस्तेमाल करें। आधा टी-कप दही में थोड़ा सा नींबू का रस मिलाकर सिर में लगाएं। करीब 15 मिनट लगाए रहने के बाद बाल धुलें। इससे बालों में चमक आती है और रूसी की समस्या भी खत्म हो जाती है।- बालों में शैंपू करने से पहले पपीते के टुकड़े अच्छी तरह मसल लें इसमें थोड़ा सा दही मिला लें। इस पेस्ट को बालों में लगायें। इससे बाल मुलायम होंगे।- तौलिए को गर्म पानी में भिगोकर बालों में लपेटें। इससे बालों में निखार आता है।**...ताकि मजबूत बनें आपके बाल :** दिन में 100-150

बालों का गिरना सामान्य बात है लेकिन अगर इससे ज्यादा बाल गिरने लगें तो यह चिंता की बात हो सकती है। अगर आप भी ऐसी ही समस्या से परेशान हैं तो चिंता न करें, क्योंकि चिंता के कारण बाल अधिक गिरते हैं। यहां दिए गए टिप्स अपनाएं और बालों को मजबूत बनाएं।1. आप जो कुछ भी खाती हैं उसका सीधा असर आपकी त्वचा और बालों पर पड़ता है। इसलिए अगर आप दैनिक आहार से जरूरी विटमिंस और प्रोटीन नहीं प्राप्त कर पा रही हों तो विटमिन बी6 व प्रोटीन सप्लीमेंट लें। आहार में हरी सब्जियां, अंडा, मछली और दूध से बनी सभी चीजें शामिल करें।2. तनाव से निजात पाने के लिए मेडिटेशन करें। तनाव के कारण भी बाल गिरने लगते हैं। इसके साथ ही पर्याप्त नींद लें। अकसर अनिद्रा के कारण भी बाल गिरने लग जाते हैं।3. बालों को धोने के बाद अपनी उंगलियों की सहायता से सिर का हलका मसाज करें। ऐसा करने से सेबेशियस ग्लैंड सक्रिय हो जाती है और जहां से बाल विकसित होते हैं उस क्षेत्र में रक्त संचार तेज हो जाता है। 4. हफ्ते में एक बार मेथी दाना का पेस्ट बनाकर सिर की त्वचा और बालों में पैक की तरह आधे घंटे तक लगाएं इससे बाल सिल्की, मुलायम और

... और दस सेकंड के लिए रेस्ट करें। इसके बाद आप फिर से पुश पोजिशन में आएं और होल्ड करें।